धनबाद
शनिवार 25.07.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-153 पृष्ठ- 12
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-11
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

कोयला के काले खेल में पुलिस और सीआईएसएफ तो मुफ्त में है बदनाम : बीरेन्द्र पासवान

गृह मंत्री अमित शाह और कोयला मंत्री को ट्वीट कर कहा पहली बार कोयला चोरी पर लगा है रोक ✪ सीआईएसएफ डीआईजी राजीव मिश्रा गृह मंत्रालय के निर्देशों पर खरे उतरे

गणेश मिश्रा

धनबाद : सच्ची खबर छपने के बाद छापामारी हुई जहां बीसीसीएल सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल और गृह मंत्रालय और खासकर कोयला लूट रोकने के लिए गृह मंत्री अमित शाह द्वारा आईपीएस अधिकारी राजीव मिश्रा को धनबाद बीसीसीएल में डीआईजी बनाकर भेजा और चंद महीनों में कोयला माफियाओं और लुटेरों में हड़कम्प मच गया है। बीसीसीएल एरिया छोड़कर कोयला तस्कर सीसीएल में अपना ठिकाना ढूंढ रहे हैं।

कल भगतडीह में हुई छापामारी में सुबह ६ बजे तक ६०० टन कोयला जो कोयला माफिया द्वारा छुपाया गया था उसे निकाला गया और बीसीसीएल को लाखों का कोयला जो लुटने के लिए छुपाया गया था वह बच गया। इसके लिए कई जनप्रतिनिधि और नेता बीसीसीएल सीएमडी और डीआईजी सीआईएसएफ राजीव मिश्रा को बधाई दे रहे हैं। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता विधायक प्रतिनिधि बीरेन्द्र पासवान ने गृह मंत्री अमित शाह और कोयला मंत्री श्री रेड्डी और डीजीपी झारखण्ड को ट्वीट कर कहा है कि पहली बार धनबाद कोयलांचल में एसएसपी प्रभात कुमार, डीआईजी सीआईएसएफ राजीव मिश्रा और सीएमडी मनोज अग्रवाल के ईमानदार प्रयास से कई हजार टन कोयला अब तक जप्त हुआ है। सीआईएसएफ और पुलिस के लगातार कार्रवाई से कोयला माफियाओं में हड़कम्प है।

उन्होंने गृह मंत्री को भेजे गए ट्वीट में कहा है कि बिहार ऑबजर्वर के अखबार सम्पादक गणेश मिश्रा लगातार राष्ट्रहित और जनहित एवं राष्ट्रीय संपत्ति कोयला लूट के विरूद्ध अपनी लेखनी से सरकार और सिस्टम को जगाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल का सबसे कोयला माफिया अनूप माझी के काले साम्राज्य के खिलाफ सम्पादक श्री मिश्रा ने लगातार प्रकाशित किया था जिस पर करोड़ों का कोयला घोटाला ईडी और सीबीआई ने पकड़ा था।

भाजपा नेता श्री पासवान ने अपने ट्वीट में कहा है कि पुलिस और सीआईएसएफ तो मुफ्त में है बदनाम होती है। उन्होंने कहा कि कोयला का अवैध खनन हो या कोयला चोरी इसमें बीसीसीएल के कुछ भ्रष्ट अधिकारी सम्मिलित हैं।

वैसे अधिकारियों पर कोयला मंत्रालय और सीएमडी को कार्रवाई करनी चाहिए। सीआईएसएफ के डीआईजी राजीव मिश्रा के निर्देश पर आज कई जगहों पर सीआईएसएफ की टीम ने छापामारी कर बड़े पैमाने पर कोयला जप्त किया है।

पेपर लीक संशोधन बिल को कैबिनेट की हरी झंडी, 27 को होगा संसद में पेश

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र की मोदी सरकार ने पेपर लीक संशोधन बिल को मंजूरी दे दी है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में महत्वपूर्ण विधेयक पर मुहर लगी। माना जा रहा है कि बिल को २७ जुलाई को संसद में पेश किया जा सकता है। यह फैसला तब आया है जब कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों से जुड़े वीडियो संदेश में पेपर लीक के खिलाफ कड़े कानून बनाने की बात कही थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा था कि पेपर लीक कोई मामूली मुद्दा नहीं है और यह लाखों छात्रों तथा उनके अभिभावकों के लिए बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने पिछले ढाई महीनों में दोषियों को पकड़ने, उन्हें जेल भेजने और कम समय में २२ लाख छात्रों की परीक्षा फिर कराकर १९ जुलाई को परिणाम जारी करने जैसे कदमों का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि हमारी सरकार इतने से संतुष्ट नहीं होगी और फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

इस बीच, कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देने के लिए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेसवार्ता की। हालांकि, उन्होंने पेपर लीक बिल से संबंधित कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने मुख्य रूप से ▶▶ 8

उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग में खाली पदों पर करें बहाली, अवैध शराब पर लगाएं रोक:सीएम

रांची (ससे): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग में खाली पदों पर जल्द बहाली करने तथा अवैध शराब निर्माण एवं विक्री पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। वे शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के कार्य प्रगति, राजस्व संग्रहण सहित राज्य में अवैध शराब निर्माण, भंडारण एवं तस्करी पर रोक लगाए जाने को लेकर की जा रही कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में अवैध मदिरा निर्माण, परिवहन, बिक्री एवं तस्करी पर पूरी कठोरता के साथ अंकुश लगाई जाए। अवैध शराब न केवल सरकारी राजस्व को प्रभावित करती है, बल्कि इसके सेवन करने वाले लोगों के जीवन और स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करती है। इसलिए जरूरी है कि

अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के विरुद्ध त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई हर हाल में सुनिश्चित की जाए। बैठक में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद मौजूद थे। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के राजस्व संग्रहण की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया।

लक्ष्य से ज्यादा राजस्व संग्रह

अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में विभाग ने निर्धारित ३,८८५.११ करोड़ रुपये के लक्ष्य को पार करते हुए ४,०१३.५३ करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के लिए ४,५०० करोड़ रुपये राजस्व संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि जुलाई २०२६ के मध्य तक विभाग ने १,३७६ करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह कर लिया है, जो वार्षिक लक्ष्य का ३०.५७ प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री ने उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के कार्यों में आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग किए जाने का निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उत्पाद इकाइयों के निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण में नई तकनीक का उपयोग बहुत ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों में उत्पाद विभाग के गोदाम निर्माण कार्यों में स्थानीय आदिवासी समुदाय को प्राथमिकता और सहयोग दी जाए। इससे स्थानीय रोजगार सृजन के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग में रिक्त पदों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि ▶▶ 8

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने मंत्रिपरिषद से दिया इस्तीफा, राष्ट्रपति ने तत्काल प्रभाव से किया मंजूर

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय रेल राज्य मंत्री तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद ७५(२) के तहत उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर रवनीत सिंह बिट्टू का इस्तीफा स्वीकार किया। हालांकि, इस्तीफे के पीछे की विस्तृत वजह आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक नहीं की गई है। ऐसे में इस फैसले को लेकर राजनीतिक हलकों में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। रवनीत सिंह बिट्टू पंजाब की राजनीति का प्रमुख चेहरा रहे हैं। वह पहले कांग्रेस में रहे और बाद में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। केंद्र सरकार में उन्हें रेल मंत्रालय तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। हाल के दिनों में पंजाब की राजनीति और संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका भी चर्चा में रही थी।

हिमाचल: पांगी घाटी में भूस्खलन, 6 माह के बच्चे सहित 13 की मौत

शिमला (ईएमएस): हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में भीषण भूस्खलन ने पांगी घाटी को मातम में डुबो दिया है। पांगी-उदयपुर मार्ग पर कुडूनाला के समीप चलती टाटा सूमो गाड़ी अचानक पहाड़ी से गिरे विशाल पत्थरों की चपेट में आ गई, जिससे गाड़ी में सवार ६ माह के एक बच्चे सहित १३ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इस बात से लग सकता है कि भूस्खलन के बाद गाड़ी के पिछले हिस्से में आग भी लग गई और वह पूरी तरह मलबे में बदल गई।

लाहौल-स्पीति पुलिस ने भीषण दुर्घटना की पुष्टि की है। बताया गया है कि दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी में कुल १५ लोग यात्रा कर रहे थे, जिसमें से १३ की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो यात्री चमत्कारिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ बताए जा रहे हैं। मृतकों में सभी पांगी घाटी के निवासी बताए जा रहे हैं, हालांकि उनकी आधिकारिक पहचान की पुष्टि होना अभी बाकी है। यह दुखद घटना लाहौल घाटी से करीब ६०-७० किलोमीटर दूर कुडूनाला के पास हुई, जहाँ पहाड़ी से बड़ी-बड़ी चट्टानें सूमो पर आ गिरीं।

भरमौर-पांगी के विधायक जनक राज ने दुखद हादसे पर दुख व्यक्त किया है और चंबा तथा लाहौल-स्पीति के जिलाधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया है। लाहौल-स्पीति पुलिस की टीमें तत्काल मौके के लिए रवाना हुई और बचाव दल राहत कार्यों में जुट गए हैं। घटना के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी को आग लगी हुई और सेना के जवान ▶▶ 8

बिना इजाजत नहीं कर सकते कोर्ट वीडियो का इस्तेमाल या मोनेटाइज : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने हाइब्रिड और ऑनलाइन सुनवाई की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग के अनाधिकृत उपयोग पर कड़ा रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने नए अंतरिम निर्देश जारी कर स्पष्ट किया है कि संबंधित अदालत की पूर्व अनुमति के बिना ऐसी किसी भी रिकॉर्डिंग को सोशल मीडिया या किसी अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट, अपलोड, प्रसारित, रीपोस्ट, संशोधित या मोनेटाइज नहीं किया जा सकेगा।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने अदालत की कार्यवाही के वीडियो के अनाधिकृत इस्तेमाल और मोनेटाइजेशन पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर आदेश दिया।

वंदे मातरम् को कानूनी सुरक्षा: बाधा डालने पर होगी जेल

लेफ्ट पार्टियों ने शुरू किया विरोध

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद के मॉनसून सत्र के पहले हफ्ते में हंगामे के बीच राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, २०२६ पेश किया गया। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय द्वारा पेश किए गए बिल का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान जन गण मन की तरह कानूनी सुरक्षा देना है। यदि यह विधेयक संसद से पारित होकर कानून बनता है, तब वंदे मातरम् गाने में बाधा डालने या उसके अपमान का दोषी साबित होने पर संबंधित व्यक्ति को ३ साल तक की जेल, जुर्माना, या दोनों सजा हो सकती है। यह प्रावधान राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान के अपमान पर होने वाली कार्रवाई के समान होगा।

मोदी सरकार इस कदम को राष्ट्रीय गीत के सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए जरुरी बता रही है, वहीं लेफ्ट पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं। विपक्ष के भारी हंगामे और विरोध के कारण विधेयक पर चर्चा शुरू नहीं हो सकी। शुक्रवार को सदन की कार्यवाही को कई बार स्थगित करना पड़ा और अंततः उपसभापति हरिवंश ने सोमवार, २७ जुलाई को सुबह ११ बजे तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की। मॉनसून सत्र का पहला हफ्ता लगातार हंगामे की भेंट चढ़ गया है।

ओडिशा सरकार पुरी की जगन्नाथ मंदिर की 60 हजार एकड़ जमीन लेगी वापस

भुवनेश्वर (ईएमएस): ओडिशा सरकार ने भगवान जगन्नाथ की सालों से अतिक्रमण या कानूनी विवादों में फंसी भूमि को वापस लेने और उसका निपटारा करने के लिए एक बड़ी पहल की है। राज्य सरकार ने ओडिशा और छह अन्य राज्यों में मौजूद जगन्नाथ मंदिर, पुरी की ६०,४२६ एकड़ से ज्यादा भूमि की पहचान की है। इसमें से करीब ३९५.२५२ एकड़ भूमि राज्य के बाहर मौजूद हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राजस्व बोर्ड, राजस्व मंडल आयुक्तों और जिला प्रशासनों को निर्देश दिया है कि जगन्नाथ मंदिर प्रशासन द्वारा कई तहसीलों में दायर ११,६७५ राजस्व मामलों का तेजी से निपटारा सुनिश्चित करें ताकि भूमि को वापस लिया जा सके। राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरविंद कुमार पाढ़ी ने अधिकारियों से कहा कि खुर्दा, पुरी, जगतसिंहपुर, बालासोर, भद्रक, जाजपुर, गंजम, कटक और केंद्रपाड़ा जिलों में काफी समय से लंबित राजस्व मामलों के शीघ्र निपटान को पहली प्राथमिकता दी जाए।

पाढ़ी ने अधिकारियों को लिखे एक पत्र में कहा, 'भगवान जगन्नाथ की भूमि के संरक्षण और प्रबंधन से संबंधित तमाम मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। ऐसे में यह जरूरी है कि जिला प्रशासन उन संपत्तियों की सुरक्षा के लिए तुरंत हस्तक्षेप करे और कानून के मुताबिक ▶▶ 8

सीआईएसएफ के डीआईजी के निर्देश पर कई ठिकानों पर छापामारी

भारी मात्रा में कोयला जप्त, ड्रोन से की जा रही हैं निगरानी

धनबाद (कासं) : भारत सरकार की ज़ीरो कोल लीकेज टॉलरेंस पॉलिसी के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत सीआईएसएफ यूनिट, बीसीसीएल धनबाद द्वारा बीसीसीएल प्रबंधन एवं स्थानीय प्रशासन के समन्वय से अवैध खनन, अवैध कोयला संग्रहण, अवैध परिवहन एवं कोयला चोरी की रोकथाम हेतु विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर सघन अभियान संचालित किए जा रहे हैं। अभियान के दौरान प्राप्त आसूचनाओं के आधार पर प्रभावी छापेमारी, सत्यापन एवं प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए आवश्यकतानुसार अवैध रूप से संग्रहित कोयले की बरामदगी तथा विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की गई। सभी अभियान शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं निर्धारित विधिक प्रक्रिया के अनुरूप संपन्न हुए।

अवैध कोयला खनन एवं भंडारण के विरुद्ध प्रमुख कार्रवाई

१.एरिया-०२ (महूदा): मछियारा क्षेत्र में अवैध रूप से संग्रहित कोयले के विरुद्ध रेड अभियान चलाकर लगभग ६८.७ टन अवैध कोयला बरामद किया गया, जिसके संबंध में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई।

२. एरिया-०३ (गोविंदपुर): सिम-०३ तिवारी बस्ती के समीप चलाए गए रेड अभियान के दौरान लगभग ७० टन अवैध कोयला बरामद किया गया। शेष अवैध कोयले की जब्ती की कार्रवाई प्रगति पर है। साथ ही, ०३ अवैध मुहानों की भराई भी कराई गई।

३. एरिया-०४ (कतरास): केसलपुर स्थित बीसीसीएल बंद अस्पताल के पीछे सक्रिय अवैध खनन मुहाने पर कार्रवाई करते हुए लगभग ३० टन अवैध कोयला बरामद किया गया तथा अवैध मुहाने की भराई की कार्रवाई प्रारंभ की गई।

४. एरिया-०५ (सिजुआ): लोयाबाद ०५ नंबर बस्ती के समीप ०२ अवैध मुहानों की भराई कर अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने की कार्रवाई की गई।

कुल १९ स्थानों पर छापेमारी/सर्च अभियान चलाया गया। इनमें से ०३ स्थानों पर अवैध कोयला बरामद हुआ।

अभियान के दौरान कुल लगभग १६८.७ टन अवैध कोयला बरामद कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई।

विभिन्न क्षेत्रों में कुल ६ अवैध मुहानों की भराई कर अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया गया। ▶▶ 8

संपादकीय

टकराव से नहीं चलेगा लोकतंत्र ...

यह एक आदर्श स्थिति है कि देश की संसद में विधायी कामकाज सामान्य तरीके से पूरा हो। इसे सुनिश्चित करने की जितनी जिम्मेदारी विपक्षी दलों की है, उससे ज्यादा बड़ा दायित्व खुद सरकार का है कि वह विवादित मुद्दों पर संवाद के जरिए आमराय बनाकर सदन का काम सुचारु रूप से पूरा होने की स्थितियां निर्मित करे।

इसमें वैसे मुद्दे भी शामिल हैं, जो देश में किन्हीं वजहों से अचानक खड़े हो जाते हैं और जनता की ओर से उन पर सरकार से जवाब की उम्मीद या मांग की जाती है। विपक्षी दलों का कर्तव्य है कि वे जनता की नुमाइंदगी करते हुए उनकी आवाज, उनके मुद्दों को संसद में उठाएं और सरकार से जवाब मांगें। मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि सरकार को इस तरह की स्थितियों में सकारात्मक माहौल बनाने के लिए अपनी ओर से पहल करना कोई गैर-महत्त्व की बात लगती है। इसका असर संसद की कार्यवाही पर भी पड़ता है। सवाल है कि देश की संसद अगर जनता के मुद्दों पर विचार और बहस के जरिए किसी निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए नहीं, तो आखिर किसलिए है!

गौरतलब है कि मंगलवार को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही इसलिए स्थगित कर दी गई कि विपक्षी दल सरकार से इस पर जवाब चाहते थे कि एक दिन पहले दिल्ली में संसद मार्च के आह्वान के तहत जुटे युवाओं पर जिस तरह की पुलिस कार्रवाई देखी गई, उसकी जिम्मेदारी तय हो। मगर इसके बजाय दोनों सदनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हुए हंगामे की वजह से कार्यवाही स्थगित कर दी गई। स्वाभाविक ही विपक्षी दलों को यह आरोप लगाने का मौका मिला

कि हम पुलिस के अत्याचार, प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर लाठी चलाने और उनके घायल होने के मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने तथा गृह मंत्री के बयान की मांग कर रहे थे, लेकिन सरकार ने चर्चा का अवसर नहीं दिया, हमारा मुंह बंद करा दिया।

एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की ओर से अगर ऐसे सवाल उठाए जाते हैं, तो सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। विडंबना यह है कि न तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे आंदोलनकारियों से संवाद स्थापित करके कोई हल निकालने की कोशिश की गई और न ही संसद में इस मसले पर बहस के लिए सकारात्मक माहौल निर्मित किया जा रहा है।

सवाल है कि अगर सरकार को बातचीत के जरिए कोई रास्ता निकालना प्राथमिक और जरूरी नहीं लग रहा है, तो उसकी नजर में इसका क्या समाधान है। विपक्षी दल भी आम नागरिकों का ही प्रतिनिधित्व करते हैं। अगर वे एक ज्वलंत मुद्दे पर बहस चाहते हैं और सरकार से जवाब मांग रहे हैं, तो इसे संवाद के रास्ते ही एक निष्कर्ष तक पहुंचाया जा सकता है।

इसके बाद संसद में बाकी विधायी कामकाज भी सहजता के साथ निपटाए जा सकते हैं। मगर पिछले कुछ समय से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ज्यादातर मुद्दों पर मतभिन्नता सीधे टकराव का रूप लेने लगी है और सबसे आसान उपाय सदन को स्थगित करना मान लिया जाता है।

क्या यह समस्याओं का हल तलाशने और जनभावनाओं को तुष्ट करने का कोई आदर्श उपाय हो सकता है? दोनों सदनों की कार्यवाही पर हर रोज करोड़ों रुपये का खर्च आता है। संसद की उपयोगिता का आधार लोकतांत्रिक संवाद ही है। अगर संवाद की जगह सिकुड़ेगी, तो लोकतंत्र कमजोर होगा और यह ध्यान रखने की जरूरत है कि देश की वास्तविक शक्ति लोकतंत्र में ही निहित है।

विदेशों में भारतीयों की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

भारत से हर साल बड़ी संख्या में लोग बेहतर रोजगार के लिए विदेश जाते हैं और वहां से विदेशी मुद्रा यहां भेजते हैं। इससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार को भी मजबूती मिलती है। मगर सवाल है कि विदेश में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? यूक्रेन के तट से रवाना हो रहे गिनी-बिसाऊ के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक जहाज पर हाल ही में हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत की घटना से यह सवाल एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है। इससे पहले होर्मुज जलमार्ग में तेल के एक जहाज पर हुए हमले में भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन की घटना पर नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया है, लेकिन क्या इससे यह सुनिश्चित हो पाएगा कि भविष्य में ऐसी कोई घटना नहीं होगी। जाहिर है, भारत को ऐसे मामलों में कड़ा रुख अपनाना चाहिए और पीड़ित परिवारों को भी हरसंभव सहायता मुहैया कराने को प्राथमिकता दी जानी

चाहिए। गौरतलब है कि बीती 19 जुलाई की शाम को एमवी गोल्डन लियो नामक वाणिज्यिक जहाज पर यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना होते समय हमला हुआ था। उस वक्त जहाज पर चालक दल के सत्रह सदस्य सवार थे, जिनमें चार भारतीयों समेत दस लोगों की मौत हो गई, जबकि एक भारतीय नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गया। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय का दावा है कि यह हमला रूसी सेना की ओर से किया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारतीय नाविकों की मौत का यह पहला मामला है।

मगर सवाल है कि युद्ध के नियमों के विपरीत किसी असैन्य जहाज को निशाना क्यों बनाया गया? जबकि उस पर झंडा भी किसी तीसरे देश का लगा हुआ था। दूसरा, भारत सरकार को इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि अपने देश के नागरिकों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध के प्रभाव वाले क्षेत्रों से कैसे दूर रखा जाए। साथ ही इस तरह के हमलों में पीड़ित परिवारों की मदद और मृतकों के शव शीघ्र स्वदेश लाने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया जाना चाहिए।

आज का कार्टून

सीजेपी के संसद मार्च से सुलगते सवाल और राजनीतिक निहितार्थ

यदि संसद मार्च के घटनाक्रमों पर संतुलित नजर डालें तो यही प्रतीत होता है कि जब बड़ी संख्या में सीजेपी (सीजेपी) समर्थक 'संसद चलो' मार्च के लिए जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़े, तो भले ही उनकी मुख्य मांगें शिक्षा सुधार, परीक्षा-पत्र लीक और जवाबदेही था, लेकिन इरादे तोड़फोड़ वाले और खतरनाक थे, अन्यथा पुलिस को बल प्रयोग नहीं करना पड़ता। चूंकि संसद के मानसून सत्र के दौरान माननीयों की सुरक्षा के दृष्टिगत दिल्ली पुलिस ने व्यापक बैरिकेडिंग की थी, इसलिए ज्यादा दिक्कत नहीं हुई। पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को रोका, हिरासत में लिया तथा कुछ स्थानों पर आंदोलनकारियों द्वारा उपद्रव करने के बाद आंसू गैस और बल प्रयोग की घटनाएं सामने आईं। इससे अफरातफरी मच गई। देखा जाए तो इस आंदोलन की प्रमुख मांगों में नीट पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं पर कार्रवाई, बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार की जवाबदेही, कुछ नेताओं द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, आंदोलन से जुड़े लोगों के साथ संवाद आदि हैं, लेकिन जो उत्पात दिखाई-सुनाई दिया, वह विपक्षी संस्कार नहीं तो क्या है? फिर भी, केंद्र सरकार ने आंदोलन के प्रतिनिधियों से बातचीत की पहल भी की, जो टकराव के बीच संवाद की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है।

कमलेश पांडे

कॉकरोच जनता पार्टी का 'संसद चलो' आह्वान केवल एक विरोध मार्च नहीं, बल्कि केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की एक राजनीतिक रणनीति है। खासकर जिस तरह से इस आंदोलन को छात्र आंदोलन का स्वरूप दिलवाया जा चुका है, वह डीप स्टेट के इशारे पर बनी विपक्ष की शातिर सरकार घेरो रणनीति का कमाल भी करार दिया जा रहा है। देखा जाए तो संसद के मानसून सत्र के दौरान गत 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद की ओर मार्च करने के दौरान बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जुटे और कूच किया, वह बिल्कुल संगठित राजनीतिक आंदोलन के तर्ज पर हुआ। वायुमण्डलविज्ञान

मजे की बात तो यह कि संसद के निकट पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जो पूर्व प्रायोजित झड़प हुई और उसके बाद हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, इससे यह संसद मार्च राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियां बन गया। बड़े बड़े न्यूज़ चैनल्स और अखबारों के दफ्तरों में इससे जुड़े कई नीतिगत सवालों पर भी बहस होने लगी। सोशल मीडिया पर जहां सरकार विरोधी भड़काऊ वीडियो वायरल होने लगे, वहीं सत्ताधारी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी आंदोलनकारियों की कारगुजारियों के वीडियो साझा कर दिए, जिससे लोगों की सहानुभूति पुलिस और सरकार के साथ बनी रही।

यदि संसद मार्च के घटनाक्रमों पर संतुलित नजर डालें तो यही प्रतीत होता है कि जब बड़ी संख्या में सीजेपी (सीजेपी) समर्थक 'संसद चलो' मार्च के लिए जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़े, तो भले ही उनकी मुख्य मांगें शिक्षा सुधार, परीक्षा-पत्र लीक और जवाबदेही था, लेकिन इरादे तोड़फोड़ वाले और खतरनाक थे, अन्यथा पुलिस को बल प्रयोग नहीं करना पड़ता। चूंकि संसद के मानसून सत्र के दौरान माननीयों की सुरक्षा के दृष्टिगत दिल्ली पुलिस ने व्यापक बैरिकेडिंग की थी, इसलिए ज्यादा दिक्कत नहीं हुई। पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को रोका, हिरासत में लिया तथा कुछ स्थानों पर आंदोलनकारियों द्वारा उपद्रव करने के बाद आंसू गैस और बल प्रयोग की घटनाएं सामने आईं। इससे अफरातफरी मच गई।

देखा जाए तो इस आंदोलन की प्रमुख मांगों में नीट पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं पर कार्रवाई, बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार की जवाबदेही, कुछ नेताओं द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, आंदोलन से जुड़े लोगों के साथ संवाद आदि हैं, लेकिन जो उत्पात दिखाई-सुनाई दिया, वह विपक्षी संस्कार नहीं तो क्या है? फिर भी, केंद्र सरकार ने आंदोलन के प्रतिनिधियों से बातचीत की पहल भी की, जो टकराव के बीच संवाद की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने सरकारी प्रतिनिधि के तौर पर सीजेपी प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की और मांगपत्र ग्रहण किया। बावजूद इसके आंदोलनकारी अपनी मांगों पर कायम हैं।

सवाल है कि संसद मार्च के क्रम में जो कुछ गड़बड़ हुआ, क्या वह लोकतांत्रिक है, सही था या गलत? तो जवाब होगा कि युवाओं का शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा की निष्पक्षता जैसे मुद्दों पर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज़ उठाना लोकतंत्र का वैध हिस्सा है। वहीं, सरकार द्वारा आंदोलनकारियों से बातचीत शुरू करना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुरूप कदम है। फिर भी संसद मार्च के दौरान आंदोलनकारियों की ओर से कुछ कुछ गलत हुआ जो अनुचित लगा। यदि प्रदर्शनकारियों ने निषिद्ध क्षेत्र में जबरन प्रवेश करने या बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, तो वह कानून-व्यवस्था की दृष्टि से उचित नहीं माना जाएगा। वहीं, यदि पुलिस ने आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग किया या शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर अनावश्यक कार्रवाई हुई, तो उसकी भी निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय होनी चाहिए। हालांकि, इस पर अलग-अलग पक्षों के अपने अपने दावे हैं और सभी तथ्यों के गोलमोल जवाब ही मिले हैं, जिनपर एतबार करना

मुश्किल है क्योंकि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो, जिसका अंतिम सत्यापन अभी होना बाकी है, कई अनकही कहानियां गढ़ रहे हैं। इससे सरकार सांसत में है और विपक्ष तरह-तरह के आरोप लगाकर सिस्टम की मुश्किलें बढ़ा रहा है। हालांकि इस बात में कोई दो राय नहीं कि लोकतांत्रिक समाधान का सर्वोत्तम रास्ता संवाद और कानून के दायरे में रहकर समस्या का समाधान है।

भले ही किसी भी लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन और अपनी मांगें रखना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन इस संसद मार्च के क्रम में देश की राजधानी नई दिल्ली के हृदय स्थल पर, जिस प्रकार की हिंसा, तोड़फोड़, सार्वजनिक व निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचाना या सुरक्षा बलों से टकराव की जो प्रवृति दिखाई दी, वह विपक्षी दलों का परोक्ष कुचक्र नहीं तो क्या है? आखिर इस देशद्रोही प्रवृति को कदापि उचित नहीं ठहराया जा सकता है। इसी प्रकार, यदि पुलिस बल का प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। सवाल है कि क्या स्थानीय जिलाधिकारी और डीसीपी के पास छात्र समूह को काबू में रखने की कोई स्पष्ट रणनीति नहीं थी? और यदि थी तो फिर इतना सबकुछ कैसे हुआ? वहीं कोई पुलिस कर्मी कैसे पिट गया और घायल हुआ? आखिर किसी दुकानदार को तोड़-फोड़ का सामना क्यों और कैसे करना पड़ा? जनपथ बाजार की सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त क्यों नहीं किए गए थे। वहीं, अनियंत्रित युवा भीड़ क्यों जुटने दी गई और उनको काबू में रखने के लिए व्यापक बंदोबस्त क्यों नहीं किये गए थे?कॉकरोच जनता पार्टी के 'संसद चलो' आह्वान के राजनीतिक मायने केवल एक विरोध मार्च तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय राजनीति में युवाओं के असंतोष, डिजिटल आंदोलन और पारंपरिक दलों के प्रति अविश्वास का प्रतीक बनकर उभरा है। हालांकि सीजेपी स्वयं को व्यंग्यात्मकआंदोलन बताता है, लेकिन इसके मुद्दे गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाते हैं। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी यही वजह है कि राजनीतिक दृष्टि से इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं:- पहला, संसद के मानसून सत्र के पहले दिन दबाव की राजनीति। दूसरा, युवाओं और प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थियों के असंतोष को राष्ट्रीय मुद्दा बनाने का प्रयास। तीसरा, विपक्ष के लिए सरकार को घेरने का अवसर और चौथा, सरकार के लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए आंदोलनकारियों से संवाद की चुनौती आदि। एक, युवा असंतोष का राजनीतिक रूपांतरणः बेरोज़गारी, परीक्षा-पत्र लीक, शिक्षा व्यवस्था और राजनीतिक जवाबदेही जैसे मुद्दों को लेकर नाराज़गी को संगठित करने का प्रयास दिखाई देता है। दो, डिजिटल से सड़क तकः सोशल मीडिया पर शुरू हुआ अभियान अब वास्तविक जन-प्रदर्शन में बदलता दिख रहा है, जो यह संकेत देता है कि ऑनलाइन असंतोष भी राजनीतिक दबाव का माध्यम बन सकता है।

तीन, सरकार पर दबावः संसद के मानसून सत्र के पहले दिन मार्च का समय चुनना सरकार और संसद का ध्यान आकर्षित करने की रणनीति माना जा सकता है। सरकार और सीजेपी प्रतिनिधियों के बीच बातचीत शुरू होने की खबर भी इसी दबाव का संकेत है। चार, विपक्ष के लिए अवसरः यदि विपक्ष इस असंतोष को राजनीतिक समर्थन देता है, तो यह सरकार को घेरने का एक नया मुद्दा बन सकता है। वहीं यदि आंदोलन स्वतंत्र बना रहता है, तो यह पारंपरिक दलों से अलग एक नई राजनीतिक शैली का संकेत होगा।

पांच, प्रतीकों की राजनीतिः 'कॉकरोच' जैसे अपमानजनक शब्द को पहचान और प्रतिरोध के प्रतीक में बदलना राजनीतिक संचार की एक प्रभावी रणनीति है, जो विशेषकर युवाओं के बीच ध्यान आकर्षित करती है। छठा, सीजेपी की कई मांगें और उसकी प्रस्तुति व्यंग्य एवं प्रतीकात्मक राजनीति का हिस्सा हैं। इसलिए यह कहना अभी जल्दबाज़ी होगी कि यह एक स्थायी राष्ट्रीय राजनीतिक शक्ति बन जाएगी। दरअसल उसकी वास्तविक राजनीतिक क्षमता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या वह सोशल मीडिया की लोकप्रियता को लंबे समय तक संगठित जनसमर्थन और ठोस राजनीतिक संगठन में बदल पाती है।

निष्कर्षतः यही कहना उपयुक्त होगा कि लोकतंत्र में न तो हिंसक टकराव समाधान है और न ही वैध असंतोष को केवल बल पूर्वक दबाना। लिहाजा सबसे उचित रास्ता यही है कि आंदोलन शांतिपूर्ण रहे, कानून का सम्मान हो, और सरकार ठोस संवाद के माध्यम से शिक्षा सुधार तथा परीक्षा प्रणाली से जुड़े मुद्दों का विश्वसनीय समाधान प्रस्तुत करे। अन्यथा छात्र आंदोलन यदि राष्ट्रीय स्वरूप अख्तियार कर लेगा तो सनातनी सत्ता को लेने के देने पड़ जाएंगे।

अतीत के पछतावे में वर्तमान का सबसे अनमोल समय न खो दें

कभी-कभी जीवन में सबसे बड़ी कमी समय की नहीं, बल्कि ध्यान की होती है। हमारे पास वही चौबीस घंटे होते हैं, जो संसार के हर व्यक्ति के पास हैं। अंतर केवल इतना होता है कि हम उन्हें किस प्रकार जीते हैं। जो व्यक्ति वर्तमान के प्रति सजग होता है, वह सीमित परिस्थितियों में भी संतोष और अर्थ खोज लेता है। आखिर जीवन कोई ऐसी मंजिल नहीं है, जहां पहुंचने के बाद हम जीना शुरू करेंगे। जीवन तो हर दिन, हर क्षण हमारे सामने खुलता रहता है। आवश्यकता केवल इतनी है कि हम उसे देखने, समझने और महसूस करने के लिए स्वयं को तैयार करें। जरूरी है कि हम वर्तमान को केवल गुजारें नहीं, बल्कि उसे पूरी सजगता, संवेदना और कृतज्ञता के साथ जिएं। शायद यही जीवन को समझने की सबसे बड़ी कला है।

संध्या अग्रवाल

मनुष्य के जीवन की एक अजीब विडंबना है कि वह जिस समय को सबसे अधिक मूल्यवान मानता है, उसी समय को सबसे अधिक खो देता है। हम अक्सर सोचते हैं कि जीवन तब बेहतर होगा, जब कोई विशेष परिस्थिति आएगी, कोई लक्ष्य पूरा होगा या कोई बड़ी उपलब्धि हमारे हिस्से में आएगी। इसी प्रतीक्षा में वह समय निकल जाता है, जो वास्तव में हमारे पास था।

जीवन हमेशा वर्तमान में घटता है, लेकिन हमारा मन अक्सर या तो बीते हुए कल में उलझा रहता है या आने वाले कल की चिंता में भटकता रहता है। अतीत का अपना महत्त्व है। वह हमें अनुभव देता है, हमारी गलतियों से परिचित कराता है और आगे बढ़ने की समझ विकसित करता है। इसी तरह भविष्य के लिए योजना बनाना भी आवश्यक है, क्योंकि वही हमें दिशा देता है। समस्या तब पैदा होती है, जब अतीत का बोझ और भविष्य की चिंता वर्तमान की सुंदरता को ढकने लगती है। तब हमारे पास जीवन तो होता है, लेकिन उसे महसूस करने का समय नहीं होता। बचपन में मनुष्य वर्तमान को स्वाभाविक रूप से जीता है। छोटी-सी खुशी भी उस समय जीवन का बड़ा उत्सव लगती है। बारिश की बूंदें, दोस्तों के साथ खेलना, परिवार के साथ बिताया गया समय या किसी छोटी उपलब्धि पर मिली प्रशंसा मन को प्रसन्न कर देती थी, लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, जिम्मेदारियां बढ़ने लगती हैं और मनुष्य भविष्य की योजनाओं तथा चिंताओं में अधिक उलझने लगता है। धीरे-धीरे वह उस सहजता को खो देता है, जिसमें जीवन का वास्तविक आनंद छिपा होता है।

आज तेज गति का दौर है। हर व्यक्ति आगे बढ़ना चाहता है। बेहतर करियर, अधिक सुविधाएं, सामाजिक पहचान और आर्थिक सुरक्षा की इच्छा स्वाभाविक है, लेकिन परेशानी तब शुरू होती है, जब भविष्य को बेहतर बनाने की कोशिश में वर्तमान ही उपेक्षित हो जाता है। हम उस कल के लिए आज को टालते रहते हैं, जो आने के बाद फिर एक नया कल बन जाएगा।

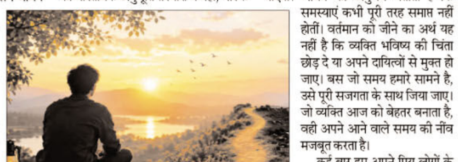

आधुनिक जीवन ने इस स्थिति को और जटिल बना दिया है। तकनीक ने हमारी दुनिया को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन साथ ही हमारा ध्यान भी कई दिशाओं में बांट दिया है। हम हर समय किसी न किसी सूचना, संदेश या गतिविधि से जुड़े रहते हैं। ऐसा लगता है कि हम बहुत कुछ कर रहे हैं, लेकिन भीतर से कई बार यह अनुभव होता है कि हम अपने ही जीवन से जुड़ नहीं पा रहे हैं।

कई बार परिवार के लोग एक ही स्थान पर बैठे होते हैं, लेकिन सब अपने-अपने डिजिटल संसार में व्यस्त होते हैं। हम किसी सुंदर क्षण को कैमरे में कैद करने की चिंता तो करते हैं, लेकिन उस क्षण को मन में उतारना भूल जाते हैं। जीवन की वास्तविक अनुभूति तस्वीरों में नहीं, बल्कि उस पल को पूरी संवेदना के साथ जीने में होती है। वर्तमान में उपस्थित रहना किसी विशेष परिस्थिति या सुविधा का नाम नहीं है। इसके लिए किसी उपलब्धि की आवश्यकता नहीं होती। यह जीवन के साधारण क्षणों को महत्त्व देने की समझ है। सुबह की शांति, किसी अपने का स्नेह, अपने काम को पूरी ईमानदारी से करना, किसी जरूरतमंद की सहायता करना या अपनी छोटी-सी सफलता पर संतोष महसूस करना-यही वे पल हैं, जो जीवन को अर्थपूर्ण बनाते हैं। अक्सर मनुष्य यह मान लेता है कि खुशी किसी भविष्य की मंजिल पर उसका इंतजार कर रही है। वह सोचता है कि जब सभी समस्याएं समाप्त हो जाएंगी, तब वह चैन से जी पाएगा। जीवन का अनुभव बताता है कि समस्याएं कभी पूरी तरह समाप्त नहीं होतीं। वर्तमान को जीने का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति भविष्य की चिंता छोड़ दे या अपने दायित्वों से मुक्त हो जाए। बस जो समय हमारे सामने है, उसे पूरी सजगता के साथ जिया जाए। जो व्यक्ति आज को बेहतर बनाता है, वही अपने आने वाले समय की नींव मजबूत करता है।

कई बार हम अपने प्रिय लोगों के साथ होते हुए भी पुराने दुखों या आने वाली चिंताओं में उलझे रहते हैं। परिणाम यह होता है कि सामने मौजूद प्रेम और अपनापन हमारी दृष्टि से ओझल हो जाता है। रिश्ते केवल साथ रहने से मजबूत नहीं होते, बल्कि एक-दूसरे को समय देने और समझने से मजबूत होते हैं। समय की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि वह लौटकर नहीं आता। जो क्षण आज हमारे पास हैं, वे कल केवल स्मृतियां बन जाएंगे। इसलिए जरूरी है कि हम अपने जीवन में उपस्थित लोगों और परिस्थितियों का मूल्य समय रहते समझें। कई बार हमें किसी चीज की वास्तविक कीमत उसके दूर चले जाने के बाद समझ आती है, लेकिन तब केवल पछतावा शेष रह जाता है।

अब यह विचार भी आवश्यक है कि विकास केवल अधिक सुविधाएं जुटाने का नाम नहीं है। जीवन की गुणवत्ता इस बात से भी तय होती है कि हम अपने अनुभवों को कितनी गहराई से महसूस करते हैं। साधनों की वृद्धि के साथ अगर मनुष्य भीतर से असंतुष्ट और अनुपस्थित होता जा रहा है, तो उसे अपने जीवन जीने के तरीके पर विचार करना होगा।

कभी-कभी जीवन में सबसे बड़ी कमी समय की नहीं, बल्कि ध्यान की होती है। हमारे पास वही चौबीस घंटे होते हैं, जो संसार के हर व्यक्ति के पास हैं। अंतर केवल इतना होता है कि हम उन्हें किस प्रकार जीते हैं। जो व्यक्ति वर्तमान के प्रति सजग होता है, वह सीमित परिस्थितियों में भी संतोष और अर्थ खोज लेता है। आखिर जीवन कोई ऐसी मंजिल नहीं है, जहां पहुंचने के बाद हम जीना शुरू करेंगे। जीवन तो हर दिन, हर क्षण हमारे सामने खुलता रहता है। आवश्यकता केवल इतनी है कि हम उसे देखने, समझने और महसूस करने के लिए स्वयं को तैयार करें। जरूरी है कि हम वर्तमान को केवल गुजारें नहीं, बल्कि उसे पूरी सजगता, संवेदना और कृतज्ञता के साथ जिएं। शायद यही जीवन को समझने की सबसे बड़ी कला है।

रणधीर वर्मा चौक पर भाजपा का प्रदर्शन राहुल गांधी का फूंका पुतला

धनबाद कासं) : नीट पेपर लीक और छात्रों के आंदोलन को लेकर देशभर में सियासी माहौल गरमाया हुआ है। इसी कड़ी में धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला दहन किया। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस मुद्दे पर छात्रों को भड़काकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है।

प्रदर्शन में झरिया विधायक रागिनी सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। रणधीर वर्मा चौक पर आयोजित प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनका पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि छात्रों के भविष्य जैसे गंभीर मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल केंद्र सरकार को घेरने के लिए इस मामले का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है। भाजपा नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी को पहले कांग्रेस शासित राज्यों में हुए कथित पेपर लीक मामलों पर जवाब देना चाहिए। उनका आरोप है कि उन मामलों पर कांग्रेस चुप्पी साध लेती है, जबकि अब छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। नेताओं ने मांग की कि नीट पेपर लीक मामले में दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष और कड़ी कार्रवाई हो, ताकि छात्रों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

बेटे ने जीवित पिता को बताया मृत पुश्तैनी जमीन की करा दी रजिस्ट्री

गोविंदपुर (ससे) : जिले के गोविंदपुर अंचल से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि एक बेटे ने पुश्तैनी जमीन बेचने के लिए अपने ही जीवित पिता को सरकारी दस्तावेजों में मृत दर्शा दिया और उसी आधार पर जमीन की रजिस्ट्री भी करा ली। बताया जा रहा है कि पूरे मामले की जानकारी तब सामने आई, जब पीड़ित पिता को अपनी जमीन की रजिस्ट्री की सूचना मिली। इसके बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई।

पीड़ित के अनुसार, निबंधन कार्यालय ने यह कहते हुए कार्रवाई से हाथ खड़े कर दिए कि मामला उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। वहीं, गोविंदपुर अंचल कार्यालय की ओर से भी उन्हें न्यायालय में मामला ले जाने की सलाह दी गई। इस घटना ने न केवल पारिवारिक रिश्तों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि जमीन रजिस्ट्री प्रक्रिया, दस्तावेजों के सत्यापन और प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान लगा दिया है। लोगों का कहना है कि यदि दस्तावेजों का सही तरीके से सत्यापन होता, तो इस तरह की कथित धोखाधड़ी संभव नहीं होती। फिलहाल पीड़ित पिता न्याय पाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग प्रशासनिक जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

युवा कांग्रेस ने मोदी व केंद्रीय शिक्षा मंत्री का किया पुतला दहन

धनबाद (कासं) : धनबाद जिला युवा कांग्रेस द्वारा जिला अध्यक्ष आदित्य आनंद के नेतृत्व में रणधीर वर्मा चौक पर छात्रों पर हुए कथित बर्बर लाठीचार्ज तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ हुए अभद्र व्यवहार के विरोध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस, जिला कांग्रेस कमेटी तथा विभिन्न मंच-मोर्चों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की शिक्षा नीति, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई तथा युवाओं और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर जोरदार नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग की।

जिला युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आदित्य आनंद ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। देश का युवा, किसान, महिलाएं और छात्रछात्राएं बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई तथा शिक्षा व्यवस्था की बदहाली से परेशान हैं, लेकिन केंद्र सरकार जनता के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने में लगी हुई है। युवा कांग्रेस युवाओं के अधिकारों और बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए अपना संघर्ष लगातार जारी रखेगी।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव अशोक सिंह ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था को लगातार कमजोर किया जा रहा है। छात्रों और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखती है और जनता की आवाज को सड़क से सदन तक मजबूती से उठाती रहेगी। जनविरोधी नीतियों का हर स्तर पर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जारी रहेगा। धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल अपने पद से इस्तीफा दें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मदन महतो, मनोज यादव योगेंद्र सिंह योगी, मीडिया चेयरमैन सह जिला प्रवक्ता पप्पू कुमार तिवारी, युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष तबरेज मृत्युंजय सिंह विशाल महतो, हरेंद्र शाही समेत सैकड़ों युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिवहनुमान मंदिर, भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य शुरू

धनबाद (कासं) : शहर के विनोद बिहारी चौक स्थित अपना हाउसिंग सोसाइटी परिसर में धार्मिक आस्था का माहौल देखने को मिला। श्री सार्वजनिक शिव एवं हनुमान मंदिर निर्माण समिति की ओर से भव्य शिव-हनुमान मंदिर के निर्माण के लिए वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भूमि पूजन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान समाजसेवी कुंभ नाथ सिंह ने मंदिर की नींव रखकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

भूमि पूजन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु, सोसाइटी के सदस्य और आसपास के लोग शामिल हुए। पूरे परिसर में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव और श्री हनुमान जी की पूजाअर्चना कर क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मंदिर निर्माण समिति के सदस्यों ने बताया कि परिसर में भगवान शिव और श्री हनुमान जी का भव्य सार्वजनिक मंदिर बनाया जाएगा, जो भविष्य में क्षेत्र के लोगों के लिए धार्मिक आस्था और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। इस अवसर पर समाजसेवी कुंभ नाथ सिंह ने कहा कि मंदिर निर्माण केवल एक धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने का माध्यम भी है। उन्होंने भगवान शिव और हनुमान जी से सभी के सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की तथा श्रद्धालुओं से मंदिर निर्माण में सहयोग और सहभागिता की अपील की।

प्रभु श्रीराम तक पहुंचने का मार्ग प्रेम, सेवा समर्पण व अटूट श्रद्धा है : राजन जी महाराज

निरसा (ससे) : कंचनडीह में आयोजित श्रीराम कथा महोत्सव के अष्टम दिवस पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा व्यास पूज्य श्री राजन जी महाराज ने भगवान श्रीराम के वनवास काल के दौरान शबरी मिलन प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति का गूढ़ संदेश दिया।

महाराज ने कहा कि शबरी की भक्ति इस बात का प्रतीक है कि प्रभु श्रीराम तक पहुंचने का मार्ग जाति, वेश या विद्या नहीं, बल्कि निष्कलुष प्रेम, सेवा, समर्पण और अटूट श्रद्धा है। वर्षों तक प्रभु के आगमन की प्रतीक्षा करने वाली शबरी का जीवन सच्ची भक्ति और धैर्य का सर्वोच्च उदाहरण है। कथा के दौरान श्रीराम और लक्ष्मण के शबरी आश्रम आगमन तथा प्रेमपूर्वक अर्पित किए गए बेरों के प्रसंग का वर्णन सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। पूरे कथा स्थल पर 'जय श्रीराम' के जयघोष और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। यह श्रीराम कथा महोत्सव कंचनडीह, निरसा में वीरेन्द्र राय जी एवं समस्त क्षेत्रवासियों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ ले रहे हैं।

मेयर व विधायक ने राजन जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया

निरसा (ससे) : निरसा विधानसभा क्षेत्र के पांडरा में आयोजित पूज्य राजन जी महाराज की पावन श्रीराम कथा में उनका आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे धनबाद महापौर संजीव सिंह एवं झरिया विधायक रागिनी सिंह और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

विभिन्न डीएवी स्कूलों में खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

जोड़ापोखर (ससे) : डी.ए.वी. सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, बनियाहीर (लोदना) में दो दिवसीय महात्मा हंसराज अंतरविद्यालयी खेल प्रतियोगिता का भव्य शुभारम्भ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि बीसीसीएल लोदना एरिया१० के महाप्रबंधक अनिल कुमार सिन्हा ने किया। इस अवसर पर सहायक कार्मिक प्रबंधक अमित कुमार महतो विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ राकेश कुमार एवं विश्वनाथ धीवर सहित कई गणमान्य अतिथि भी मौजूद थे।

कार्यक्रम में झारखंड ज़ोनबी के विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। विशेष रूप से डी.ए.वी. सीएफआरआई की प्राचार्या महुआ सिंह एवं डी.ए.वी. बरोरा के प्राचार्य शरद श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. अभिलाषा कुमारी ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

मुख्य अतिथि ने डी.ए.वी. का ध्वज फहराकर तथा रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़कर प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया। इसके बाद खिलाड़ियों ने डी.ए.वी. गान के पश्चात खेल भावना, अनुशासन, सहयोग, सौहार्द एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा बनाए रखने की शपथ ली।

दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में झारखंड ज़ोनबी के ९ विद्यालयों के लगभग २०० खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के अंतर्गत वॉलीबॉल, तीरंदाजी एवं टेबल टेनिस जैसी खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल प्रतिभा का विकास, टीम भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना है।

अपने संबोधन में महाप्रबंधक अनिल कुमार सिन्हा ने खिलाड़ियों को अनुशासन, समर्पण और खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल जीतहार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त मंच हैं।

विद्यालय की प्राचार्या डॉ. अभिलाषा कुमारी ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि खिलाड़ी पूरे उत्साह, संयम और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लें तथा अपने विद्यालय, क्षेत्र और राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करें। उन्होंने सभी अतिथियों, प्रतिभागी विद्यालयों, प्रशिक्षकों, प्राचार्यों एवं आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रतियोगिता की सफलता की कामना की।

जोड़ापोखर (ससे) : डीएवी मॉडल स्कूल, सीएफआरआई परिसर में शुक्रवार को डीएवी जोनबी के अंतर्गत डीएवी सीएमसी के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय डीएवी स्पोर्ट्स क्लस्टर प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारंभ हुआ। २५ जुलाई तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में डीएवी सीएफआरआई, लोदना, अलकुशा, मुनिडीह, बरोरा, महुदा तथा अन्य विद्यालयों के सैकड़ों छात्रछात्राएं विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती महुआ सिंह ने दीप प्रज्वलित कर एवं गुब्बारे उड़ाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन, संयम और धैर्य के साथ प्रतिस्पर्धा करने की शपथ दिलाई। इसके बाद विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्चपास्ट कर अतिथियों को सलामी दी।

अपने संबोधन में प्राचार्या महुआ सिंह ने कहा कि खेल केवल जीतहार का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और शारीरिकमानसिक विकास का सशक्त आधार हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि असफलता अंत नहीं, बल्कि नई शुरुआत होती है और हर चुनौती से सीख लेकर आगे बढ़ना ही सफलता की कुंजी है।

प्रतियोगिता के पहले दिन हैंडबॉल, बास्केटबॉल और रोलर स्केटिंग के रोमांचक मुकाबले खेले गए। १७ वर्ष बालक वर्ग हैंडबॉल में डीएवी सीएफआरआई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डीएवी अलकुशा को १२१ से पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि अलकुशा को रजत पदक मिला। १४ एवं १९ वर्ष बालक वर्ग तथा १४, १७ और १९ वर्ष बालिका वर्ग में प्रतिद्वंद्वी टीम नहीं मिलने के कारण डीएवी सीएफआरआई सीधे जोनल प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर गया।

वहीं बालिका वर्ग बास्केटबॉल में डीएवी सीएफआरआई ने एकतरफा मुकाबले में डीएवी लोदना को ४२२ से हराकर स्वर्ण पदक पर कैंजा जमाया।

रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न आयु वर्गों की स्पर्धाओं में कुसुंडा, लोदना और सीएफआरआई के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक हासिल किए। प्रतियोगिता के दौरान दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और पूरे परिसर में खेल भावना का माहौल देखने को मिला। प्रतियोगिता के सफल संचालन में खेल शिक्षक संतोष कुमार सिंह, ए.डी. प्रसाद, कुमकुम चक्रवर्ती एवं सोनू कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रतियोगिता के दूसरे दिन २५ जुलाई को वुशू एवं बॉक्सिंग की विभिन्न भार वर्गों की स्पर्धाएं आयोजित होंगी, जिनको लेकर प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

सदर अस्पताल की जमीन घेराबंदी शुरू होते ही विरोध

धनबाद (कासं) : धनबाद सदर अस्पताल में प्रस्तावित ४०० बेड के अत्याधुनिक अस्पताल के निर्माण की दिशा में बड़ी पहल शुरू हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल परिसर की जमीन का सीमांकन कर बाउंड्री वॉल निर्माण का काम शुरू कराया है। लेकिन काम शुरू होते ही कुछ स्थानीय लोगों ने जमीन पर अपना दावा जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

मौके पर पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में निर्माण कार्य जारी रहा। धनबाद सदर अस्पताल परिसर में ४ सौ बेड के नए अस्पताल के निर्माण के लिए जमीन की घेराबंदी का काम शुरू कर दिया गया है। निर्माण कार्य शुरू होते ही कुछ लोगों ने इसका विरोध करते हुए दावा किया कि जिस जमीन पर बाउंड्री वॉल बनाई जा रही है, वह उनकी निजी जमीन है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बिना उचित जांच और प्रक्रिया के प्रशासन जबरन घेराबंदी कर रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य रोकने और पहले जमीन के स्वामित्व की जांच कराने की मांग की। वहीं, मौके पर मौजूद धनबाद के अंचल अधिकारी रामप्रवेश कुमार ने स्पष्ट किया कि संबंधित खाता संख्या१३५ सरकारी भूमि है और राजस्व अभिलेखों के आधार पर ही सीमांकन एवं बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के पास इस जमीन से संबंधित वैध दस्तावेज हैं तो वे जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करें। प्रशासन नियमानुसार उनकी आपत्ति पर विचार करेगा। सीओ ने बताया कि मजिस्ट्रेट, पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में सुरक्षा व्यवस्था के बीच निर्माण कार्य कराया जा रहा है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। फिलहाल प्रशासन की निगरानी में घेराबंदी का कार्य जारी है।

जोड़ापोखर (ससे) : टाटा डीएवी स्कूल, जामाडोबा में डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स२०२६ की क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिताओं का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में कबड्डी (बालक अंडर१७), बैडमिंटन, एरोबिक्स एवं स्किपिंग रोप की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसमें टाटा डीएवी स्कूल जामाडोबा, डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा, डीएवी पब्लिक स्कूल बरोरा एवं डीएवी पब्लिक स्कूल मूनिडीह के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य अमिताभ दासगुप्ता द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जुथिका दासगुप्ता एवं शुभाशीष रॉय उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकशिक्षिकाएं, विभिन्न विद्यालयों से आए प्रतिभागी, एस्कॉर्ट शिक्षक तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

उद्घाटन समारोह में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। इसके बाद विद्यालय के प्राचार्य अमिताभ दासगुप्ता ने सभी प्रतिभागियों को प्रेरणादायी संबोधन देते हुए खेल भावना, अनुशासन, टीम भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह में उत्साह और उमंग का संचार किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत कबड्डी बालक अंडर१७ वर्ग का पहला मुकाबला टाटा डीएवी स्कूल जामाडोबा एवं डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में टाटा डीएवी स्कूल जामाडोबा की टीम विजेता रही, जबकि डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा की टीम उपविजेता रही। अन्य स्पर्धाओं एवं मुकाबलों का आयोजन जारी है। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं सभी आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी प्रतिभागियों में उत्साह का माहौल है।

कोयलांचल नागरिक मंच का प्रतिनिधि मंडल नगर आयुक्त से मिला

झरिया (ससे) : कोयलांचल नागरिक मंच का एक प्रतिनिधि मंडल ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत धनबाद नगर आयुक्त आशीष गंगवार से मुलाकात कर उन्हें झरिया के विभिन्न समस्याओं के मुद्दों से संबंधित एक ज्ञापन दिया। जहां उन्होंने झरिया के ज्वलंनसील समस्याओं से उन्हें अवगत कराने का कार्य किया। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने नगर आयुक्त से वार्ता करते हुए कहा कि झरिया के चारों ओर ओबी का एक पहाड़ खड़ा कर दिया गया है। जमीन मकान का कोई मूल्य (वैल्यू) नहीं है। झरियावासियों का मोटेशन का रसीद भी नहीं कटता है।

स्थिति यह है कि कब कहां पर भू-धंसान हो जाए और जान माल का बड़ा हानि हो जाए पता नही, इसके लिए भी कोई सुरक्षा नहीं है। झरिया में रहने वाले लोग किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं और भय के माहौल में अपना जीवन यापन कर रहे हैं। वही झरिया में सड़क, साफ-सफाई या पानी कि समुचित व्यवस्था नहीं है, लोग बदहाली में जी रहे हैं। ऐसे समय में सरकारी विभागों के द्वारा जनता से शुल्क वसूलने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। वही यदि बात जनता के मूलभूत सुविधाओं की हो तो वह धरातल पर नदारत है। डीएमएफटी फंड का गठन ही इसलिए किया गया था कि औद्योगिक क्षेत्र से होने वाले दुष्प्रभाव जिससे क्षेत्र की जनता को दिक्कत हो वैसे दुष्प्रभाव को खत्म करने एवं स्थानीय लोगों के मूलभूत सुविधाओं व विकास के लिए उसका उपयोग किया जाए। मगर झरिया में डीएमएफटी फंड का उपयोग धरातल पर नहीं है। इन सब बातों को सुनने के बाद नगर आयुक्त ने प्रतिनिधि मंडल से कहा कि इन बातों पर सकारात्मक पहल करने का कार्य किया जाएगा।

क्योंकि इसमें और भी कई विभाग शामिल है जिससे आप मिले और उन्हें भी इन बातों से अवगत कराएं साथ ही उन्होंने कहा कि झरिया में जो ट्रेड लाइसेंस के लिए होल्डिंग टैक्स देने की बातें हैं उन पर विचार कर मैं जल्द से जल्द सकारात्मक कदम उठाऊंगा। वहीं प्रतिनिधि मंडल के लोगों ने कहा कि आगे भी इन मामलों को लेकर जनप्रतिनिधियों से, उच्च अधिकारियों से एवं मुख्यमंत्री से मिलकर उनसे समाधान के लिए अपनी बातों को रखने का कार्य करेंगे। प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से राजकुमार अग्रवाल, अमित साहू दीपू, रमेश अग्रवाल, अशोक बरनवाल, रवि वर्मा, सिवान श्रीवास्तव आदि लोग शामिल थे।

आरपीएफ ने की 84 कैन बियर बरामद

धनबाद (कासं) : धनबाद रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने ऑपरेशन सतर्क के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रेन के जनरल कोच से ८४ कैन बियर बरामद की है। बरामद बियर दो लावारिस बैगों में रखी हुई थी, जिन पर फॉर सेल इन वेस्ट बंगाल ओनली अंकित था। मामले में किसी भी व्यक्ति ने बैग पर अपना दावा नहीं किया, जिसके बाद आरपीएफ ने जब्ती की कार्रवाई करते हुए पूरे मामले को उत्पाद विभाग के हवाले कर दिया है। पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल की अपराध आसूचना शाखा और आरपीएफ पोस्ट धनबाद की संयुक्त टीम धनबाद रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन सतर्क के तहत गश्त और निगरानी कर रही थी। इसी दौरान देर रात प्लेटफॉर्म पर ट्रेन संख्या १३०५१ के पहुंचने पर उसके जनरल कोच में दो संदिग्ध लावारिस बैग दिखाई दिए।

आरपीएफ जवानों ने आसपास मौजूद यात्रियों से बैग के संबंध में पूछताछ की, लेकिन किसी ने भी बैग पर अपना मालिकाना हक नहीं जताया।

हरिओम सेवा संस्था ने झा. टॉपर छोटी को मेस शुल्क देकर निभाया मानव धर्म

बलियापुर/बोकारो (ससे) : झारखंड इंटरमीडिएट कला संकाय की राज्य टॉपर छोटी कुमारी की आईएएस बनने की राह अब और आसान हो गई है। एक साधारण मजदूर की इस होनहार बेटी की आर्थिक मदद के लिए हरिओम सेवा संस्था, बलियापुर आगे आई है। संस्था ने छोटी कुमारी को ५ महीने के मेस खर्च के रूप में १० हजार की सहायता राशि प्रदान की है।

हरिओम सेवा संस्था की टीम बोकारो स्थित छोटी कुमारी के आवास पर पहुँची और उन्हें यह राशि सौंपी। इस अवसर पर संस्था ने भरोसा दिलाया कि आगे भी पढ़ाई के दौरान किसी भी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक सदस्य विनोद सिंह ने कहा कि छोटी कुमारी ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर पूरे राज्य का नाम रोशन किया है। आर्थिक तंगी किसी भी प्रतिभाशाली छात्र-छात्रा की राह में बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्थान की ओर से यह एक छोटी-सी पहल है, लेकिन समाज के सक्षम लोगों को भी आगे आकर ऐसी प्रतिभाओं का सहयोग करना चाहिए, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें।

कार्यक्रम में उपस्थित सिंदरी विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता ने कहा कि छोटी कुमारी जैसी मेधावी छात्राएं समाज की प्रेरणा हैं। ऐसे विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी केवल परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आर्थिक अभाव किसी प्रतिभा के लिए बाधा नहीं बनना चाहिए और इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा स इस दौरान सिंदरी विधायक प्रतिनिधि सह मीडिया प्रभारी शीतल दत्ता, हरिओम सेवा संस्था के अध्यक्ष डॉ. स्वरूप चौधरी, सदस्य रंजीत महतो, साजिद हुसैन, दीपक सवाल, बच्ची के पिता भवानी शंकर नायक सहित पूरा परिवार के सदस्य एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

सभी ने छोटी कुमारी को उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और उनके आईएएस बनने के लक्ष्य में पूर्ण समर्थन का भरोसा जताया।

री-नीट में 627 अंक प्राप्त करने वाली स्नेहल का भाजपा नेताओं ने किया सम्मान

धनबाद/सिंदरी (कासं) : री-नीट परीक्षा में ६२७ अंक प्राप्त कर सिंदरी एवं धनबाद का नाम गौरवान्वित करने वाली प्रतिभाशाली छात्रा कु. स्नेहल झा के आवास पर भारतीय जनता पार्टी, धनबाद जिला ग्रामीण के निवर्तमान जिला महामंत्री मनोज मिश्रा अपने भाजपा साथियों के साथ पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने स्नेहल झा को अंगवस्त्र एवं स्मृति-उपहार भेंट कर सम्मानित किया तथा उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान मनोज मिश्रा ने कहा कि स्नेहल झा की सफलता पूरे सिंदरी एवं धनबाद जिले के लिए गर्व का विषय है। उनकी मेहनत, लगन एवं अनुशासन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्नेहल भविष्य में एक सफल चिकित्सक बनकर समाज एवं राष्ट्र की सेवा करेंगी। श्री मिश्रा ने स्नेहल के माता-पिता अरविंद कुमार झा एवं पूजा झा को भी इस उत्कृष्ट सफलता के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि बच्चों की सफलता के पीछे माता-पिता का त्याग, संस्कार और सतत मार्गदर्शन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा नेताओं में रवि कुमार, विजय नाहा, रमेश यादव एवं बुलगानी दुबे आदि ने भी स्नेहल झा को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

मुखिया ने प्रधानाध्यापिका के खिलाफ डीसी को दिया आवेदन

बलियापुर (ससे) : परसबनिया पंचायत के मुखिया राजाराम रजक ने धनबाद के उपायुक्त को आवेदन देकर उनके पंचायत स्थित नया प्राथमिक विद्यालय चिटाही की प्रधान शिक्षिका द्वारा स्कूल का संचालन मनमाने ढंग से किए जाने की शिकायत किया है। उपायुक्त को दिए आवेदन में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका द्वारा स्कूल संचाल्न में भारी मनमानी बरती जाती है।

मध्यान भोजन में भारी अनियमितता बरती जाती है। अभिभावकों द्वारा कुछ भी कहने पर अभिभावकों से दुर्व्यवहार किया जाता है। विद्यालय के एमडीएम का चेक बुक अपने पास रखती है। स्कूल की संयोजिका एवं अध्यक्ष से जबरन चेक में हस्ताक्षर करवा लेती है। प्रधानाध्यापिका के व्यवहार से स्कूल में बच्चों की उपस्थिति दिनों दिन घटती जा रही है। इसके पूर्व भी प्रधानाध्यापिका के विरुद्ध प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं अन्य विभागीय पदाधिकारी को लिखित शिकायत किया गया था। मामले पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिससे ग्रामीणों एवं अभिभावकों में भारी रोष है। मुखिया ने विद्यालय की प्रधानाध्यापिका का अन्यत्र स्थानांतरण की मांग किया है।

इण्डियन पब्लिक स्कूल में संस्कार सप्ताह कार्यशाला का समापन

पुटकी (ससे) : करकेन्द स्थित इण्डियन पब्लिक स्कूल में संस्कार सप्ताह कार्यशाला का समापन हुआ। विद्यालय प्रबंधन के निदेशक एन पी शर्मा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष जुलाई के महीने में संस्कार सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यवहारिक, समाजिक एवं एक आदर्श नागरिक बनने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया जाता है। विद्यालय के प्राचार्य संतोष कुमार बढ़ई ने विद्यार्थियों को बताए कि उन्हें ऐसी उपलब्धि प्राप्त करनी चाहिए ताकि उन्हें गर्व महसूस हो और उसके परिवार भी गर्व महसूस करें।

पांच दिवसीय कार्यशाला के दौरान विद्यालय के शिक्षिकाएं तराना परवीन एवं सोनी साव के निर्देशन में कक्षा नर्सरी से कक्षा ४ के विद्यार्थियों ने संस्कार और संस्कृति को लघु नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया वहीं रीता पाण्डेय एवं पल्लवी कुमारी के निर्देशन में कक्षा ५वीं से दसवीं के विद्यार्थियों ने अपने विचार, वक्तव्य, पोस्टर एवं लघु कथाओं के माध्यम से प्रस्तुत किये। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षकगणों के साथ साथ प्रबंधन समिति के सदस्य संजय चौबे, घनश्याम मंडल, बिरेन मुखर्जी, सचिन सौंडिक का अहम् योगदान रहा।

विभिन्न विभागों के 33 मामलों पर उपायुक्त ने किया सुनवाई

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को आयोजित हम आपको सुनते हैं (लोक संवाद) कार्यक्रम एक बार फिर आमजन की उम्मीदों का मंच बना। उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोगों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। कार्यक्रम के दौरान खाद्य आपूर्ति, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, भूमि, पेंशन, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य विभागों से संबंधित कुल ३३ आवेदनों पर सुनवाई की गई। सभी मामलों में संबंधित *विभागों के पदाधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सुनवाई के दौरान चास प्रखंड के तेलडीह निवासी जीरा देवी ने उपायुक्त को बताया कि उनके पति के निधन के बाद परिवार आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है। उनके राशन कार्ड में केवल दिवंगत पति का नाम दर्ज है, जिसके कारण उन्हें राशन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने राशन कार्ड में अपना नाम जोड़ने की अपील की।

महिला की समस्या सुनते ही उपायुक्त ने तत्काल जिला आपूर्ति पदाधिकारी को राशन कार्ड में नाम जोड़ने की प्रक्रिया करने का निर्देश दिया। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिया कि जब तक राशन कार्ड में नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो जाती, तब तक परिवार को आकस्मिक खाद्यान्न योजना के तहत खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए, ताकि परिवार को किसी भी परिस्थिति में राशन के लिए परेशान नहीं होना पड़े। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जीरा देवी को सरकार की पात्रता आधारित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से प्राथमिकता के आधार पर आच्छादित किया जाए, जिससे उन्हें आवश्यक सरकारी सहायता समय पर मिल सके।

कार्यक्रम में प्राप्त अन्य आवेदनों पर भी उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'हम आपको सुनते हैं (लोक संवाद)' का उद्देश्य केवल शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और मानवीय समाधान सुनिश्चित करना है।

मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, डीपीआरओ रवि कुमार, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत हेमलता बून, एडीएसएस सुचिता किरण, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, डीडीएमओ, श्री शक्ति कुमार, जेएएस प्रोवेश्नर पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

बीसपंथी कोठी में अष्टानिका महापर्व की है धूम

डुमरी (ससे) : जियो और जीने दो की गूंज के साथ इसरी बाजार स्थित बीसपंथी कोठी जिनालय में अष्टानिका महापर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है।चौथे दिन शुक्रवार को प्रातः जैन धर्मावलंबी मंदिर परिसर में जमा हुए।भगवान के जलाभिषेक के पश्चात पूजन विधि आरंभ की गई।विदित हो कि इस महापर्व का संयोजन वीरेंद्र शास्त्री जी तथा मंजू एवं अंजू दीदी के द्वारा हो रहा है।

अधिवक्ता अशोक कुमार जैन एवं अनिता जैन आज के शौधर्म इन्द्र एवं इंद्रानी के रूप मौजूद थे।रश्मि जैन, विनोद जैन,अनीता जैन,सुबोध जैन निशा जैन,नेमचंद जैन,सरिता जैन,जय जिनेश जैन,मधु जैन,अंश जैन, हर्ष कुमार को इंद्रानी एवं इन्द्र बन कर जिनालय पूजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में सुनील कुमार जैन,विवेक जैन,सोम जैन, अशोक जैन, रश्मि जैन,दीपा जैन,अनीता जैन, नीता जैन,प्रिय जिनेश जैन, रविंद्र जैन, कल्पना जैन, आतिश जैन, सुबोध जैन, दीपक जैन, मीना जैन, सुषमा जैन, वेदिका जैन, वेदान्त जैन,राजुल जैन आदि उपस्थित थे।

डीएवी सिंदरी का कबड्डी प्रतियोगिता में दबदबा

बलियापुर (ससे) : डीएवी पब्लिक स्कूल, सिंदरी (रंगामाटी), धनबाद में डी.ए.वी. स्पोर्ट्स क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता २०२६-२७ के अंतर्गत कुश्ती एवं कबड्डी (बालक एवं बालिका वर्ग-अंडर-१४, अंडर-१७ एवं अंडर-१९), क्लस्टर-१० का उद्घाटन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सी. जी. शाहा थे। दीप प्रज्वलन, स्वागत गीत, पुष्पगुच्छ भेंट एवं खेल ध्वज फहराने के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। विद्यार्थियों ने खेल शपथ लेकर खेल भावना, अनुशासन एवं निष्पक्षता के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री द्विवेन्दु त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं हैं, बल्कि वे अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और नैतिक मूल्यों का विकास करते हैं। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. सी. जी. शाहा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि खेल जीवन में संघर्ष करने, चुनौतियों का सामना करने और हार-जीत को समान भाव से स्वीकार करने की प्रेरणा देते हैं। प्रत्येक खिलाड़ी को खेल भावना, समर्पण और अनुशासन के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए।

डीएवी के बच्चों को प्रशिक्षित करने में शारीरिक शिक्षक अमित कुमार और शिवानी सिंह का विशेष योगदान रहा जिनके अथक प्रयास से इन बच्चों के सरहानीय सफलता प्राप्त कर पर रहें हैं। इस प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल, सिंदरी, डीएवी पब्लिक स्कूल, गोड्डा, डीएवी पब्लिक स्कूल, कोयला नगर तथा डीएवी पब्लिक स्कूल, महेशपुर से आए १६७ खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न आयु वर्गों में कुश्ती एवं कबड्डी के रोमांचक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों, प्रशिक्षकों एवं अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ तथा प्रतियोगिता के सफल आयोजन की कामना की गई।

कॉलेज के कॉमर्स विभाग द्वारा मार्केट सर्वे का आयोजन

डुमरी (ससे) : पीएन कॉलेज के कॉमर्स विभाग द्वारा शुक्रवार को शैक्षणिक मार्केट सर्वे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विभागाध्यक्ष प्रो रजनी कुमारी ने किया।उन्होंने विद्यार्थियों को बाजार में ले जाकर ऑनलाइन भुगतान की वर्तमान व्यवस्था,उपभोक्ताओं के व्यवहार,डिजिटल भुगतान के बढ़ते प्रचलन तथा इसके लाभ,चुनौतियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की।सर्वे के दौरान विद्यार्थियों ने दुकानदारों एवं उपभोक्ताओं से संवाद स्थापित कर प्रश्नोत्तर के माध्यम से आवश्यक जानकारियाँ एकत्रित की।इस फील्ड सर्वे के माध्यम से विद्यार्थियों ने शोध पद्धति, डेटा संग्रहण तथा उपभोक्ता व्यवहार का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं सक्रिय सहभागिता के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।मौके पर छात्र-छात्राओं में साक्षी कुमारी,पूनम कुमारी,अयान अली,अरुण रजक,खुशी आदि उपस्थित थे।

बोकारो में भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा-यात्रा का सफल आयोजन

बोकारो (ससे : बोकारो इस्पात नगर में भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा-यात्रा (वापसी यात्रा) अपार श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई. इस अवसर पर विधिवत पूजा-अर्चना के उपरांत भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा एवं भ्राता बलभद्र की पवित्र देव प्रतिमाओं को मंदिर प्रांगण से बाहर लाकर सुसज्जित रथ पर विराजमान किया गया. यात्रा शुरू होने से पहले, परंपरा निभाते हुए अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ने रथ की सफाई की रस्म (छेरा-पन्हारा) पूरी निष्ठा से संपन्न की. इस कार्यक्रम में बोकारो महिला समिति की सदस्याएं, अन्य गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे.

नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं के सामूहिक सहयोग से यह वापसी यात्रा जनवृत्त-१ स्थित राम मंदिर परिसर से प्रारंभ हुई. पूरी यात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्तिभाव से रथ खींचकर पुण्य के भागी बने. बाहुड़ा-यात्रा राम मंदिर से प्रारंभ होकर पत्थरकट्टा चौक, गांधी चौक (सिटी सेंटर) तथा बोकारो जनरल अस्पताल मार्ग से होते हुए जगन्नाथ मंदिर पहुंची. यात्रा के दौरान मार्ग में स्वयंसेवी संस्थाओं, बोकारो महिला समिति एवं नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए पेयजल तथा शीतल शरबत की उत्तम व्यवस्था की गई. यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा शहर के सांस्कृतिक एवं सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ करने तथा सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण माध्यम है. इस प्रकार के

धार्मिक और सांस्कृतिक महोत्सव नगरवासियों में आपसी सौहार्द, एकता और सेवा भावना का संचार करते हैं.

प्रो. रश्मि सिंह ने ऑस्ट्रिया में साइबर रिस्क रिसर्च का किया प्रदर्शन

धनबाद (कासं) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद के मैनेजमेंट स्टडीज एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग विभाग की प्रो. रश्मि सिंह ने ऑस्ट्रिया के वियना विश्वविद्यालय में १२ से १७ जुलाई तक आयोजित इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटीज (आईफोर्स-२०२६) के २४ वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। दुनिया के प्रतिष्ठित शोध सम्मेलनों में शामिल इस आयोजन का विषय डिसीजन सपोर्ट फॉर ए सस्टेनेबल वर्ल्ड था, जिसमें ऑपरेशनल रिसर्च, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एनालिटिक्स और डिसीजन साइंसेज के क्षेत्र में नवीन शोधों पर चर्चा हुई। सम्मेलन में प्रो.

रश्मि सिंह ने साइबर वॉर्स एंड बजट्स : ए गेम थ्योरी गाइड टू स्मार्टर सिक्योरिटी स्पेंडिंग विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। यह शोध अनिश्चित डिजिटल परिवेश में साइबर सुरक्षा निवेश, साइबर रेजिलिएंस और रणनीतिक निर्णय लेने से जुड़ा है। इसमें ऐसे डिसीजन सपोर्ट फ्रेमवर्क विकसित करने पर जोर दिया गया है, जो संस्थानों को साइबर सुरक्षा पर बेहतर निवेश करने और बदलते साइबर खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने में मदद कर सकते हैं। यह प्रस्तुति उनके हाल ही में प्रकाशित शोधपत्र के विस्तारित संस्करण पर आधारित थी, जिसे उन्होंने अपने पीएचडी शोधार्थी शांतनु मंडल के साथ मिलकर तैयार किया है। यह शोध वेब ऑफ साइंस की क्यू-१ श्रेणी की प्रतिष्ठित जर्नल रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग एंड सिस्टम सेफ्टी (इम्पैक्ट फैक्टर ११.०) में प्रकाशित हुआ है। सम्मेलन के दौरान प्रो. रश्मि सिंह को गेम थ्योरी एंड इकोनॉमिक मॉडल्स विषयक अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करने के लिए भी आमंत्रित किया गया, जहां उन्होंने विभिन्न देशों के शोधकर्ताओं के बीच अकादमिक चर्चा का संचालन किया। इसके अलावा उन्होंने ग्लोबल वीमेन इन ऑपरेशनल रिसर्च (ग्लो) पहल में भी भाग लिया, जिसका उद्देश्य महिला शोधकर्ताओं के बीच वैश्विक सहयोग, मार्गदर्शन और नेतृत्व को बढ़ावा देना है। प्रो. रश्मि सिंह ने कहा, आईफोर्स-२०२६ में अपना शोध प्रस्तुत करना और दुनिया भर के अग्रणी शोधकर्ताओं के साथ विचार साझा करना मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक अनुभव रहा। इस सम्मेलन ने साइबर रिस्क, डिसीजन साइंस और ऑपरेशनल रिसर्च के उभरते विषयों पर वैश्विक स्तर पर संवाद का अवसर प्रदान किया तथा अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक सहयोग की नई संभावनाएं भी खोलीं।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

अखिल भारतीय वैदिक गणित कार्यशाला का आयोजन

धनबाद (कासं) : विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के तत्वावधान में राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर धनबाद झारखंड में आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय वैदिक गणित कार्यशाला का आयोजन किया गया है। जिसमें देश के विभिन्न विद्या मंदिरों के छप्पन वैदिक गणित शिक्षकों ने भाग लिया। यह जानकारी विद्यालय के प्राचार्य सुमन कुमार मिश्रा ने दी। उद्घाटन सत्र जिसमें राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं विद्यालय के स्थानीय अधिकारियों के दीप प्रज्वलन, पुष्पार्चन् एवं वंदना के साथ कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। राम अरावकर ने गणित विषय का शिक्षण पद्धति कैसी होनी चाहिए साथ ही हमारा योगदान कैसा होना चाहिए इस विषय पर चर्चा की। देवेंद्र राव देशमुख ने विद्या भारती एवं वैदिक गणित के इतिहास पर प्रकाश डाला। विद्यालय समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार तुलस्यान ने जीवन में गणित शिक्षण पर चर्चा की। झारखंड प्रांत के प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की यह कार्यशाला अखिल भारतीय गणित मेला के आयोजन की चर्चा के लिए की गई है। कार्यक्रम में नवंबर २१ से २४ तक आयोजित गणित मेला पर विस्तार से चर्चा होगी।

इस कार्यशाला में वैदिक गणित के अखिल भारतीय सहसंयोजक प्रसन्न कुमार साहू, प्रायोगिक गणित के ज्ञाता पुरुषोत्तम मिश्रा, पूर्व क्षेत्र वैदिक गणित सहसंयोजक प्रदीप कुमार साहू, विद्या भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राम अरावकर, क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम, वैदिक गणित के राष्ट्रीय संयोजक देवेंद्र राव देशमुख, विद्या विकास समिति झारखंड रांची के सचिव नकुल कुमार शर्मा, धनबाद विभाग प्रमुख नीरज कुमार लाल, राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर एवं बाल कल्याण समिति धनबाद जिला के अध्यक्ष विनोद कुमार तुलस्यान, प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा, उप प्राचार्य मनोज कुमार, उप प्राचार्या लीला सिंह, प्रभारी प्रतिमा चौबे, कमल नयन, पार्थ सारथी सरकार, सुमोना दीक्षित, छंदा बनर्जी उपस्थित थीं। मंच संचालन रामचंद्र आर्य ने की।

बाबा श्याम की प्रभात फेरी से भक्तिमय हुआ माहौल

कतरास (ससे) : कतरास में श्री श्याम गंगा मंदिर भूमि पूजन उत्सव के तहत सुबह बाबा श्याम की भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु निसान लेकर भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ निर्माणाधीन श्री श्याम गंगा मंदिर पहुंचे। आकर्षक झांकी और भक्तिमय माहौल से पूरा शहर श्रद्धा और उत्साह में डूब गया। मौके पर दर्जनों श्रद्धालु मौजूद थे।

श्रीजगन्नाथ बहुदा महोत्सव में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

धनबाद (कासं) : मानस प्रचार समिति, मानस मंदिर, जगजीवन नगर की ओर से श्रीजगन्नाथ बहुदा (पुनर्यात्रा) यात्रा महोत्सव का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। शाम ४ बजे सीएमपीएफ कल्याणेश्वर महादेव मंदिर स्थित मौसी बाड़ी से भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलदाऊ जी की वापसी रथयात्रा प्रारंभ हुई। मंदिर में भगवान को भोग अर्पित कर विधिवत आरती की गई। इसके बाद बैंडबाजे के साथ सैकड़ों श्रद्धालु, महिला, पुरुष और बच्चे हर्षोल्लास के साथ रथयात्रा में शामिल हुए। यात्रा जगजीवन नगर, सरायढेला, स्टील गेट, न्यू कॉलोनी और डॉक्टर्स कॉलोनी होते हुए भगवान के स्थायी निवास मानस मंदिर, जगजीवन नगर पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

मानस मंदिर पहुंचने पर भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलदाऊ जी का भव्य स्वागत किया गया। पंडित ज्योति नारायण झा और पंडित विनोद तिवारी ने विधिवत पूजाअर्चना एवं सभी धार्मिक कर्मकांड संपन्न कराए। इसके बाद समिति की ओर से महाआरती का आयोजन किया गया और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। महोत्सव के सफल आयोजन में समिति के निरंजन सिंह, विनोद दुबे, निशांत नारायण, योगेंद्र मिश्रा, रामप्रवेश शर्मा, बीएम शर्मा, एचएन राय, बिंध्याचल पाण्डेय, किशोरी प्रसाद, समरेंद्र सिंह सहित अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

बच्चों के लिए शेप्स डे पर ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित

धनबाद (कासं) : शहर के हैप्पी चाइल्ड नर्सरी में नन्हे बच्चों के लिए 'शेप्स डे' (आकार दिवस) का रंगारंग और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को खेलखेल में विभिन्न आकृतियों की पहचान कराना और उनकी रचनात्मक सोच को विकसित करना था।

इस खास अवसर पर बच्चे वृत्त, त्रिभुज, वर्ग और आयत जैसी विभिन्न आकृतियों के आकर्षक कटआउट पहनकर विद्यालय पहुंचे। रंगबिरंगे परिधानों और आकृतियों से सजे बच्चों ने पूरे परिसर को उत्साह और उल्लास से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने बच्चों को अलगअलग आकारों की पहचान, उनके उपयोग और उनसे जुड़ी वस्तुओं के बारे में सरल एवं रोचक तरीके से जानकारी दी। नन्हे विद्यार्थियों ने आकृतियों पर आधारित मनोरंजक राइम्स गाईं और विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या गीता सिंह ने कहा कि बच्चों को व्यावहारिक और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर देना विद्यालय की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि 'शेप्स डे' जैसे आयोजन बच्चों की बौद्धिक क्षमता, कल्पनाशक्ति और सीखने की रुचि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में बच्चों को विभिन्न आकृतियों में तैयार स्वादिष्ट और पौष्टिक स्नैक्स भी परोसे गए, जिससे उनका उत्साह और बढ़ गया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में भी बच्चों के समग्र विकास के लिए ऐसे नवाचारी और शिक्षाप्रद कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

बेलगड़िया में खराब ट्रांसफॉर्मर हुआ दुरुस्त

बलियापुर (ससे) : बेलगड़िया में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन और जरेडा लगातार सक्रिय नजर आ रहा है। क्षेत्र में बिजली, पानी और अन्य मूलभूत समस्याओं के समाधान को लेकर लगातार आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

इसी क्रम में बेलगड़िया फेस२ के जोन-बी में तालाब के समीप पिछले कुछ दिनों से खराब पड़े ट्रांसफॉर्मर को जरेडा के इएंडएम विभाग की टीम ने दुरुस्त कर दिया। बताया गया कि ट्रांसफॉर्मर में खराबी के कारण करंट आने की समस्या बनी हुई थी, जिससे आसपास के लोगों में चिंता का माहौल था।

समस्या की जानकारी मिलने के बाद जरेडा की टीम ने तत्परता दिखाते हुए ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत कर उसे पूरी तरह ठीक कर दिया। यह कार्य ईएंडएम विभाग, जरेडा द्वारा एचओडी के निर्देश और चीफ मैनेजर दीपक कुमार के अनुपालन में डिप्टी मैनेजर अनिल कुमार एवं मैनेजर हिमांशु कुमार की देखरेख में कराया गया।

ट्रांसफॉर्मर के दुरुस्त होने से फेस२ जोन-बी के स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली है। स्थानीय लोगों ने समस्या के समाधान के लिए जरेडा की टीम की तत्परता की सराहना की है।

सामाजिक सेवा को और गति देगा मायुमं शक्ति शाखा

धनबाद (कासं) : मारवाड़ी युवा मंच धनबाद शक्ति शाखा की ओर से पुराना बाजार स्थित शाखा भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संस्था से जुड़े सदस्यों के योगदान का सम्मान करना तथा सामाजिक सेवा के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प लेना था। समारोह में शाखा की गतिविधियों की समीक्षा की गई और समाज के जरूरतमंद लोगों तक अधिक से अधिक सहयोग पहुंचाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष ईशा अग्रवाल ने कहा कि संस्था इस वर्ष अपना २५वां रजत जयंती वर्ष मना रही है। इस अवसर पर वर्षभर विभिन्न सामाजिक, सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शाखा प्रत्येक माह चार से पांच कार्यक्रम आयोजित करती है, जिनमें स्वास्थ्य शिविर, जरूरतमंदों की सहायता, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता जैसे अभियान शामिल रहते हैं।

उन्होंने सभी सदस्यों से एकजुट होकर संस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की अपील की। समारोह में समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय सदस्यों को सम्मानित किया गया तथा भविष्य की योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम का समापन समाजहित में निरंतर सेवा करने के संकल्प के साथ हुआ। सम्मान समारोह में वर्तमान अध्यक्ष ईशा अग्रवाल, सचिव पूजा खीरवाल, संस्थापक अध्यक्ष किरन रिटोलिया, प्रांतीय पदाधिकारी पूनम केडिया संरक्षक, सीमा सुलतानिया, रेखा राही, पूर्व अध्यक्ष सुनीता जिंदल, मधु अग्रवाल राधा नरनौली आदि उपस्थित थीं।

काम शुरू करने को ले ग्रामीणों का पुलिस के साथ झड़प

केन्दुआ (ससे) : गोन्दुडीह ओपी क्षेत्र के बसेरिया तिवारी बस्ती के समीप एसटीजी आउटसोर्सिंग कंपनी के द्वारा नया पैंच का उत्खनन का कार्य को शुरू किया गया। कार्य शुरू होते ही विरोध शुरू हो गया। एक पक्ष काम को चालू करने और दूसरा पक्ष बंद करवाने को लेकर गोलबंद हो गये। इससे क्षेत्र में तनाव उत्पन्न हो गया। स्थानीय ग्रामीणों और रैयतों के द्वारा गोन्दुडीह ओपी में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई का मांग किया गया। गोन्दुडीह ओपी प्रभारी लव कुमार चौधरी दलबल पहुँच कर काम को बंद करवा दिये। काम चालू करवाने पर अड़े ग्रामीणों के साथ ओपी प्रभारी का बहस हो गया। थोड़ी देर के लिए भगदड़ की स्थिति बन गया। उत्खनन का विरोध करते हुए मजदूर नेता भागीरथ रवानी ने कहा कि भूमि पूजन के दिन से ही बीसीसीएल प्रबंधन और एसटीजी आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन गुंडों के बल पर काम करना चाह रही है। जिसे किसी भी कीमत पर चलने नहीं दिया जाऐगा। जबतक स्थानीय ग्रामीणों और रैयतों को उचित मुवावजा, विस्थापित नियोजन और रोजगार उपलब्ध नहीं करवा दिया जाता है, विरोध जारी रहेगा वही आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन मुकुल मिश्रा ने कहा कि कंपनी प्रबंधन सभी रैयतों और ग्रामीणों से लगातार संपर्क में है। सभी को उचित हक के लिए पहल किया जा रहा है। वार्चश्व को लेकर कुछ विरोधी दल के नेता ग्रामीणों और रैयतों को गुमराह कर रहे हैं।

एसटीजी आउटसोर्सिंग कंपनी के लाइजनर संजीत यादव उर्फ टुनटुन यादव ने ओपी प्रभारी पर एक तरफा कारवाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विरोधी गुट मेरी हत्या करवाने का साजिश रच रहे हैं। वही ओपी प्रभारी ने बताया कि रैयतों और ग्रामीणों के लिखित शिकायत पर मौके पर पहुँच कर विधि व्यवस्था को देखते हुए काम को बंद करवाया गया। साथ ही आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन को ग्रामीणों और रैयतों के साथ समन्वय बना कर उचित हक देने का निर्देश दिया गया है। फिलहाल स्थिति शांति पूर्ण है।

धोखरा में नेत्र जांच शिविर का आयोजन

बलियापुर (ससे) : धोखरा गांव में एएसजी आई हॉस्पिटल धनबाद की ओर से निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल ३२ लोगों का नेत्र जांच के बाद पांच मोतियाबिंद मरीज पाए गए। जिसका अस्पताल की ओर से मुफ्त मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाना है। शिविर को संपन्न कराने में डॉक्टर अमित कुमार सिन्हा, स्वास्थ्य कर्मी अनिल कुमार, रविन्द्र प्रसाद, संजय प्रसाद, विधायक प्रतिनिधि सत्येन्द्र महतो, सविता महतो आदि का योगदान रहा।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

बलियापुर (ससे) : धोखरा हाल्ट के पश्चिम रेल ओवर ब्रिज के नीचे अप लाइन पर पोल संख्या २६५/ २५ एवं २६५/२७ के बीच रेल पटरी पर क्षतविक्षत अज्ञात व्यक्ति का शव बलियापुर पुलिस ने बरामद कर पोस्टमार्टम हेतु धनबाद भेज दिया है। मृतक के शरीर में आसमानी रंग का फुल पैंट एवं सफेद कमीज पहन रखा था। देखने पर उनका सर एवं हाथ ट्रेन से कटा था। मृतक की उम्र ४० के करीब था। संभवत: किसी ट्रेन की चपेट में आने से यह घटना घटी।

टुंडी में धूमधाम से मनाया गया वन महोत्सव

टुंडी (ससे) : धनबाद के टुंडी प्रखंड स्थित लोधारिया में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से ७७वें वन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो शामिल हुए। वहीं धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार और डीएफओ विकास पालीवाल भी मौजूद रहे। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और स्कूली छात्रछात्राओं ने भाग लिया। वन महोत्सव के दौरान अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। विधायक, डीसी, एसएसपी और डीएफओ ने स्वयं पौधारोपण किया। कार्यक्रम में शामिल स्कूली छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक पौधे लगाए और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि क्षेत्र में जंगली हाथियों की समस्या को देखते हुए सोलर फेंसिंग का कार्य कराया जा रहा है। साथ ही ग्रामीणों की आजीविका को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर फलदार पौधे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में ३२ एकड़ क्षेत्र में महुआ का पौधारोपण किया गया है, जो भविष्य में ग्रामीणों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत बनेगा।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि वन विभाग द्वारा आयोजित वन महोत्सव का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि चारों ओर फैली हरियाली सुखद अनुभूति देती है और सभी को पौधारोपण अभियान से जुड़ना चाहिए। एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों का होना बेहद जरूरी है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना समय की मांग है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि किसी कारणवश एक पेड़ काटना पड़े तो उसके बदले कम से कम पांच पौधे अवश्य लगाए जाएं।

मुनीडीह कोलियरी की 15 सीम लॉन्गवॉल परियोजना का डीजीएमएस ने किया निरीक्षण

धनबाद (कासं) : बीसीसीएल की मुनीडीह कोलियरी स्थित १५ सीम लॉन्गवॉल परियोजना का डीजीएमएस (सेंट्रल ज़ोन), धनबाद, आईआईटी (आईएसएम), धनबाद, सीएमपीडीआईएल तथा बीसीसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर परियोजना में चल रही तकनीकी एवं सुरक्षा संबंधी गतिविधियों का विस्तृत अवलोकन करते हुए लॉन्गवॉल परियोजना के सुरक्षित, व्यवस्थित एवं प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई।

प्रतिनिधिमंडल में डीजीएमएस (सेंट्रल ज़ोन) धनबाद से एस. के. गिम्मेदी, डीएमएस (माइनिंग), आर. मेरुगु, डीएमएस (इलेक्ट्रिकल), ए. के. रामनरेश यादव, डीएमएस (मैकेनिकल), राहुल पुरोहित, डीडीएमएस (माइनिंग), वी. प्रताप ए., डीडीएमएस (इलेक्ट्रिकल) तथा एच. गौतम, डीडीएमएस (मैकेनिकल) शामिल थे। इसके अतिरिक्त आईआईटीआईएसएम, धनबाद के प्रो. आर. के. सिन्हा, सीएमपीडीआईएल रीजन२ के क्षेत्रीय निदेशक घनश्याम एस. गहलोत, आईएसओ के महाप्रबंधक (ई एंड एम) एस. शरण तथा बीसीसीएल आईएसओ के अनिल कुमार भी निरीक्षण दल का हिस्सा रहे।

महाप्रबंधक (पश्चिमी झरिया) वी. विजय कुमार की उपस्थिति में निरीक्षण दल ने १५ सीम लॉन्गवॉल परियोजना में सफलतापूर्वक संपन्न कम्पैटिबिलिटी टेस्ट, असेम्बली स्टेशन की कार्यप्रणाली तथा मोनोरेल के माध्यम से पीआरएस परिवहन का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान परियोजना में अपनाई जा रही तकनीकी प्रक्रियाओं एवं कार्य निष्पादन की समीक्षा की गई।

इसके उपरांत मुनीडीह ऑफिसर्स क्लब में '१५ सीम लॉन्गवॉल उपकरणों के असेंबली एवं कमीशनिंग के लिए सुरक्षा रोडमैप' विषय पर एक विचार-विमर्श (ब्रेनस्टॉर्मिंग) सत्र आयोजित किया गया, जिसका समन्वयन प्रोजेक्ट ऑफिसर डॉ. सन्नी राव ने किया। सत्र में परियोजना से संबंधित सभी गतिविधियों के लिए तैयार किए गए स्टैंडर्ड मेथड प्रोसीजर्स तथा स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों, बीसीसीएल, इंडु के अधिकारियों तथा सेफ्टी कमेटी के सदस्यों ने विभिन्न प्रक्रियाओं, संभावित जोखिमों तथा सुरक्षा प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपने सुझाव एवं विचार साझा किए।

बैठक में सुरक्षित कार्य संस्कृति को सुदृढ़ बनाने, मानवीकृत कार्य प्रणालियों के प्रभावी अनुपालन तथा लॉन्गवॉल परियोजना की असेम्बली एवं कमीशनिंग के प्रत्येक चरण में सर्वोच्च सुरक्षा मानकों के पालन पर विशेष बल दिया गया। विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सुझावों एवं तकनीकी मार्गदर्शन पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बीसीसीएल द्वारा आधुनिक एवं उन्नत खनन तकनीकों को सुरक्षित कार्यसंस्कृति के साथ अपनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आयोजित यह निरीक्षण एवं विचारमंथन सत्र परियोजना के सुरक्षित संचालन, तकनीकी उत्कृष्टता तथा परिचालन दक्षता को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

एनएमडीसी बैलाडीला कबड्डी लीग का भव्य उद्घाटन

बचेली/किरंदुल (ससे): नवरत्न कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा अपने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत 'एनएमडीसी बैलाडीला कबड्डी लीग - सीरीज़ १' का भव्य उद्घाटन २३ जुलाई २०२६ को बचेली स्थित हॉकी ग्राउंड में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। २३ से २६ जुलाई तक आयोजित होने वाली इस मेगा कबड्डी लीग में बैलाडीला क्षेत्र के २६ गांवों की २४ टीमें बड़े जोश के साथ भाग ले रही हैं। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को तराशना, उन्हें पहचान दिलाना और आगे बढ़ने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री रबीन्द्र नारायण (अधिशासी निदेशक, बीआईओएम, किरंदुल कॉम्प्लेक्स तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कोडाली श्रीधर (मुख्य महाप्रबंधक, बीआईओएम, बचेली कॉम्प्लेक्स), भान सिंह यादव (मुख्य महाप्रबंधक, वर्क्स, बचेली),नंदराममूड़ामी (अध्यक्ष, जिला पंचायत, दंतेवाड़ा),श्री अरविंद कुंजाम (उपाध्यक्ष, जिला पंचायत, दंतेवाड़ा),श्री सोमडू कडती (सदस्य, जिला पंचायत, दंतेवाड़ा), विभिन्न ग्राम पंचायतों के सम्मानित सरपंचगण उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त समारोह में एनएमडीसी हैदराबाद मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, बैलाडीला लौह अयस्क खदान (किरंदुल एवं बचेली) के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा खेल सलाहकार समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

यह प्रतियोगिता बचेली के हॉकी मैदान और किरंदुल स्थित फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में निम्नांकित टीमे भाग ले रहे हैं। बचेली क्षेत्र की टीमें: मोलसनार, दुगेली, पाढ़ापुर, बेनपाल, बड़े कमेली, कमालूर, झिरका, धुरली, गामावाड़ा, नेरली, बड़े बचेली, मसेनार, गंजेनार एवं भांसी। किरंदुल क्षेत्र की टीमें: कोडेनार, कड़मपाल, मदाड़ी, चोलनार, टिकनपाल, कलेपाल, समलवार, मड़कामिरास, हिरोली, कुटरेम, गुमियापाल एवं तनेली। एनएमडीसी द्वारा सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट और खेल सामग्री प्रदान की गई है। इस शुभ अवसर पर श्री रबीन्द्र नारायण, मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना, युवाओं को सकारात्मक दिशा देना और स्थानीय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है। एनएमडीसी के अधिकारी गांव-गांव पहुंचकर आवश्यक सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं।

विशिष्ट अतिथि श्री नंदूराम मूड़ामी एवं श्री अरविंद कुंजाम ने क्षेत्र में एनएमडीसी द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की तथा खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। सामाजिक प्रतिबद्धता के भाग के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की दिशा में यह आयोजन एनएमडीसी की एक महत्वपूर्ण पहल है। कंपनी अपने सीएसआर कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, कौशल विकास और सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में निरंतर कार्य करते हुए स्थानीय समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

80 टन अवैध कोयला जब्त

कतरास (ससे) : बीसीसीएल एरिया-३ के अंतर्गत तिवारी बस्ती के समीप सिम-३ के पास जंगल में छिपाकर रखे गए अवैध कोयले के खिलाफ सीआईएसएफ ने बीसीसीएल प्रबंधन के साथ संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा जंगल में छिपाकर रखे गए करीब ८० टन कोयले को बरामद किया गया।

कोलियरी स्टोर में चोरी

लोयाबाद (ससे) : बीसीसीएल एरिया पांच क्षेत्र के बासदेवपुर कोलियरी के स्टोर रूम में बीती रात अज्ञात चोरों के द्वारा सेंधमारी कर कीमती कलपुर्जे चोरी कर लिया गया है। सुबह कोलियरी इंजीनियर के द्वारा चोरी की सूचना परियोजना पदाधिकारी को दिया गया। चोरी गई समानों का कीमत ३८.५ हजार बताया जा रहा है। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी कई बार चोरी की घटना घट चुकी है।

पहली बार हेल्थ इंश्योरेंस लेते समय होने वाली आम गलतियां : अमरनाथ सक्सेना

धनबाद (कासं) : कई लोगों के लिए, हेल्थ इंश्योरेंस लेना एक बड़ी बात होती है। हालांकि, पहली बार हेल्थ इंश्योरेंस खरीदने वाले लोग अक्सर ऐसे विकल्प चुन लेते हैं जो उनके हेल्थ कवर की प्रभावशीलता को सीमित कर देते हैं। ये गलतियां अक्सर इसलिए होती हैं, क्योंकि लोग लंबे समय की सुरक्षा को छोड़कर तुरंत होने वाली पैसों की बचत को ज़्यादा अहमियत देते हैं। ज़रूरत से कम राशि की कवरेज लेने और पॉलिसी में बारीक अक्षरों में लिखे हुए नियमों को न पढ़ने जैसी गलतियां, किसी मेडिकल इमरजेंसी के वक्त आपके लिए बड़े आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती हैं। चलिए देखते हैं कि लोग आमतौर पर क्या गलतियां करते हैं और इनका आपके हेल्थ इंश्योरेंस पर क्या असर पड़ता है।

ज़रूरत से कम कवरेज/सम इंश्योर्ड चुनना। पहली बार हेल्थ इंश्योरेंस लेने वाले लोग अक्सर कम प्रीमियम भरने के चक्कर में कम पैसों का इंश्योरेंस चुनते हैं। शुरुआत में तो यह सोचना सही लगता है कि पैसे बच रहे हैं, लेकिन असलियत में जब कोई बड़ा इलाज करवाना पड़ता है, तब यह भारी मुसीबत बन सकता है। अगर आपकी कवरेज ज़रूरत से कम है, तो इंश्योरेंस कंपनी सिर्फ उतनी ही रकम देगी जितनी पॉलिसी में लिखी है और बाकी सारा पैसा आपको अपनी जेब से देना पड़ेगा। ऐसे में इंश्योरेंस कराने का फायदा ही क्या, जब मुसीबत के वक्त सारा पैसों का बोझ आपको ही उठाना पड़े। आजकल इंश्योरेंस की रकम, इलाज में होने वाले भारी खर्च को देखते हुए ही चुननी चाहिए, ताकि जब कोई बड़ा खर्च आए तो दिक्कत न हो।

हेल्थ इंश्योरेंस लेते ही सारे फायदे तुरंत नहीं मिलते, कुछ बीमारियों के क्लेम के लिए कुछ समय का इंतज़ार करना पड़ता है। अगर इंश्योरेंस लेते समय, आपको पहले से शुगर, बीपी या अस्थमा जैसी बीमारियां हैं या फिर आपका मैटरनिटी केयर और कुछ निर्धारित ऑपरेशन का खर्च तय है, तो इंश्योरेंस कंपनी इन्हें तुरंत कवर नहीं करती। अलग-अलग पॉलिसी के अनुसार, प्रतीक्षा अवधि कुछ महीनों से लेकर कुछ वर्षों तक हो सकती है। पहली बार इंश्योरेंस खरीदने वाले जो लोग इस बात पर ध्यान नहीं देते, वे अक्सर यह मान लेते हैं कि उन्हें पहले दिन से ही पूरा कवरेज मिल गया है, लेकिन बाद में उनका क्लेम अस्वीकार हो जाता है। प्रतीक्षा अवधि के बारे में जानना इसलिए ज़रूरी है, ताकि आप शुरुआत में होने वाले खर्चों का इंतज़ाम पहले से कर सकें और आपको पक्का पता हो कि इंश्योरेंस कंपनी कितने समय के बाद आपको कवर करेगी।

नए खरीदारों द्वारा की जाने वाली सबसे बड़ी गलतियों में से एक है अपनी पॉलिसी डॉक्यूमेंट में बारीक अक्षरों में लिखी शर्तों को न पढ़ना। हर हेल्थ इंश्योरेंस प्लान में कुछ एक्सक्लूज़न होते हैं, यानी ऐसे खास इलाज या बीमारियां जो उस पॉलिसी के तहत कवर नहीं होती हैं, जैसे कि खुद को चोट पहुंचाना, कॉस्मेटिक सर्जरी, दांतों का इलाज, मोटापा घटाने का इलाज या कुछ वैकल्पिक इलाज। हर इंश्योरेंस कंपनी के एक्सक्लूज़न के नियम अलग-अलग हो सकते हैं, इसलिए पॉलिसी को ध्यान से पढ़ना और यह समझना ज़रूरी है कि इसमें क्या-क्या कवर नहीं है। यह आपको अप्रत्याशित खर्चों से बचने में मदद करता है और यह सुनिश्चित करता है कि आपको पक्का पता हो कि आपका प्लान किस चीज़ के लिए भुगतान करेगा।

पॉलिसी रिन्यू करने के नियम न देखना: जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जाता है, इसलिए जवानी के मुकाबले बुढ़ापे में इंश्योरेंस की ज़रूरत ज़्यादा होती है। पहली बार पॉलिसी खरीदते समय, यह सुनिश्चित करें कि जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़े, आपका कवरेज कम न हो। यह भी बहुत ज़रूरी है कि आप समय-समय पर अपने इंश्योरेंस कवरेज की समीक्षा करते रहें। रिन्यूअल के समय अपने इंश्योरेंस कंपनी से पता करें कि आप अपने सम इंश्योर्ड राशि और उसकी लिमिट्स को कैसे बढ़ा सकते हैं। आपकी इंश्योरेंस कंपनी आपको अतिरिक्त कवरेज तो दे देगी, लेकिन बढ़ाए गए सम इंश्योर्ड या कवरेज पर नई प्रतीक्षा अवधि लागू हो सकती है। आईआरडीएआई के नियमों के मुताबिक, धोखाधड़ी के मामलों को छोड़कर कोई भी इंश्योरेंस कंपनी आपकी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी को रिन्यू करने से मना नहीं कर सकती। इसीलिए यह बहुत ज़रूरी हो जाता है कि आप अपने कवरेज को लगातार चेक करते रहें, ताकि आपकी पॉलिसी आपकी बदलती स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरतों को पूरा करती रहे। आम तौर पर हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी हॉस्पिटल में भर्ती होने के दौरान आने वाले मेडिकल खर्चों को कवर करती है। ऐसी पॉलिसी की तलाश करें जो नॉन-मेडिकल खर्चों को कवर करती हों और एक निश्चित राशि (डेली कैश) का भी भुगतान करती हों, ताकि आपको अपने ऊपरी या फुटकर खर्चों को पूरा करने में मदद मिले। कई लोग पहली बार हेल्थ इंश्योरेंस खरीदते समय बिना दूसरे विकल्प देखे, एजेंट या कंपनी द्वारा दी गई पहली पॉलिसी ही ले लेते हैं। ऐसा करने से वे बड़ा कवरेज, कम प्रीमियम या ज़रूरी ऐड-ऑन - जैसे कि क्रिटिकल इलनेस राइडर, मैटरनिटी बेनिफिट, ओपीडी कवर, मेंटल हेल्थ सपोर्ट या पर्सनल एक्सीडेंट राइडर का लाभ लेने से चूक जाते हैं। इंश्योरेंस कंपनियों के हॉस्पिटल नेटवर्क की क्षमता, क्लेम सेटलमेंट रेशियो, क्लेम स्वीकार होने में लगने वाला समय और कस्टमर सपोर्ट की क्वालिटी अलग-अलग होती है। इसके अलावा, उम्र, लाइफस्टाइल, परिवार के सदस्यों की संख्या, मेडिकल हिस्ट्री और वित्तीय लक्ष्यों के आधार पर हर व्यक्ति की ज़रूरतें भी अलग होती हैं। हो सकता है जो प्लान किसी व्यक्ति के लिए सही हो, वही प्लान दूसरे व्यक्ति के लिए उपयुक्त न हो। विभिन्न प्लान की तुलना करने से खरीदार अपने काम के ऐड-ऑन्स चुन पाते हैं, बेवजह के कवरेज के लिए भुगतान करने से बचते हैं और अपनी ज़रूरत के अनुसार एक ऐसी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी तैयार कर पाते हैं जो बेहतर वैल्यू और लंबे समय तक सुरक्षा देती है।

सही हेल्थ इंश्योरेंस चुनने के लिए केवल प्रीमियम देखना ही काफी नहीं है, बल्कि इसके लिए कवरेज की सीमाओं, प्रतीक्षा अवधि, एक्सक्लूज़न, रिन्यू कर पाने की क्षमता और अलग-अलग प्लान्स की तुलना करने पर भी पूरा ध्यान देना ज़रूरी है। पहली बार इंश्योरेंस खरीदने वाले लोग अक्सर इन बारीकियों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं, जिसकी वजह से बीमारी या मेडिकल इमरजेंसी के समय उन्हें अचानक अपनी जेब से पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं और उम्मीद के मुताबिक पूरी मदद भी नहीं मिल पाती। पॉलिसी की बारीकी से जांच करके और अपनी वर्तमान व भविष्य की ज़रूरतों दोनों को समझकर, पॉलिसी खरीदने वाले ऐसे समझदारी भरे फैसले ले सकते हैं जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उनका इंश्योरेंस सबसे मुश्किल समय में सचमुच उनके काम आए।

बीसीसीएल-टीएसएल संयुक्त वॉशरी के प्रदर्शन में वृद्धि व भावी साझेदारी को ले बैठक

धनबाद (कासं) : कोयला भवन मुख्यालय में बीसीसीएल एवं टाटा स्टील के बीच बीसीसीएल-टीएसएल संयुक्त वॉशरी (संयुक्त उपक्रम) के प्रदर्शन को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा पारस्परिक हितों से जुड़े अन्य संभावित साझेदारी के क्षेत्रों पर चर्चा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने की। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) श्री राजेश कुमार, महाप्रबंधक (वॉशरी) एम. सोहैल इकबाल, महाप्रबंधक (मार्केटिंग एंड सेल्स) हितेश वर्मा, वरीय प्रबंधक (मार्केटिंग एंड सेल्स) एन. के. विरमानी सहित संबंधित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। टाटा स्टील की ओर से वाइस प्रेसिडेंट, टीएसएल संदीप कुमार, महाप्रबंधक (कोयला) संजय राजोरिया तथा कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

बैठक के दौरान बीसीसीएल-टाटा स्टील संयुक्त वॉशरी के संचालन, प्रदर्शन में निरंतर सुधार एवं वृद्धि, परिचालन दक्षता बढ़ाने, उत्पादन एवं गुणवत्ता से संबंधित विभिन्न पहलुओं, संसाधनों के बेहतर उपयोग, बेहतर समन्वय तथा दोनों संगठनों के पारस्परिक हितों से जुड़े अन्य संभावित सहयोगात्मक क्षेत्रों पर विस्तृत एवं सार्थक विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त, भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संयुक्त रूप से कार्य करने की संभावनाओं एवं साझेदारी के विभिन्न आयामों पर भी चर्चा हुई।

अपने संबोधन में सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि बीसीसीएल और टाटा स्टील के बीच स्थापित साझेदारी पारस्परिक विश्वास, सहयोग एवं साझा उद्देश्यों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि परिचालन उत्कृष्टता, संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग, नवाचार तथा पारदर्शी कार्यप्रणाली के माध्यम से संयुक्त वॉशरी के प्रदर्शन में निरंतर सुधार लाते हुए बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थान पारस्परिक सहयोग एवं साझा प्रतिबद्धता के साथ भविष्य में भी औद्योगिक विकास एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की दिशा में मिलकर कार्य करते रहेंगे।

बैठक के समापन पर दोनों पक्षों ने संयुक्त उपक्रम के बेहतर संचालन एवं दीर्घकालिक सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही, भविष्य में भी नियमित संवाद एवं समन्वय के माध्यम से साझा उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास जारी रखने पर सहमति व्यक्त की गई।

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त का कार्यालय (जिला समाज कल्याण शाखा), धनबाद।
समाहरणालय भवन, प्रथम तल्ला, कमरा नम्बर – 16
दुरभाष – 03262312407, Email ID - dswo-dhanbad@jharkhandmail.gov.in

इच्छा की अभिव्यक्ति
(Expression of Interest)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक–03.07.2026 के बैठक में समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि **SMILE (Support for Marginalized Individuals for Livelihood and Enterprise) Scheme हेतु प्रकाशित** इच्छा की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) ज्ञापांक–889 दिनांक–09.06.2026, **PR N. 382079** को रद्द की जाती है एवं सरकार के अपर सचिव, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक–3065 , दिनांक–07.10.2025 के आलोक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय योजनागत् SMILE (Support for Marginalized Individuals for Livelihood and Enterprise) योजना में भिक्षुकों के पुर्नवास हेतु को धनबाद जिला में योजना का संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु इच्छुक अहर्त्ताधारी स्वयंसेवी/गैर सरकारी/अन्य संस्थाओं से इच्छा की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) पुनः आमंत्रित की जाती है।

अतः इच्छुक स्वयंसेवी/गैर सरकारी/अन्य संस्था आवेदन सहित प्रस्ताव जिला समाज कल्याण कार्यालय, धनबाद में दिनांक–01.08.2026 को अपराह्न 03:00 बजे तक हाथों–हाथ अथवा निबंधित डाक के माध्यम से जमा कर सकते हैं। प्राप्त प्रस्ताव पर उपायुक्त, धनबाद की अध्यक्षता में जिला स्तरीय गठित समिति द्वारा स्वयं सेवी संस्थाओं के कार्यकलापों एवं संलग्न दस्तावेजों के समीक्षोपरान्त संस्था का चयन किया जायेगा।

नोट :– उपरोक्त इच्छा कि अभिव्यक्ति के संबंध में विस्तृत जानकारी धनबाद जिले के वेबसाईट www.dhanbad.nic.in पर देखा जा सकता है।

उपायुक्त, धनबाद।

PR.NO.385802 Dhanbad(26-27):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं०–गै0यो0–02/2026–27

1. विज्ञापन दाता का नाम एवं पता	:– कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	:– 03.08.2026 तक (कार्यालय अवधि में)।
3. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	:– 04.08.2026 को 3.00 बजे अपराहन तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:– 04.08.2026 को 3.30 बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान–	1. मुख्य अभियंता (यातायात) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड अभियंत्रण प्रथम तल्ला, छात्रावास सं.–2, धुर्वा, राँची–834004 2. अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, दुमका। 3. जामताड़ा थाना परिसर
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान	1. मुख्य अभियंता (यातायात) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड अभियंत्रण प्रथम तल्ला, छात्रावास सं.–2, धुर्वा, राँची–834004 2. अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, दुमका। 3. जामताड़ा थाना परिसर

7. कार्य की विवरणी :–

क0	कार्य का नाम	निविदा की राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण–विपत्र का मूल्य (रु० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Repair of Yatri shed in Govindpur Shebganj Adb road under Road Division, Jamtara for the Year 2026-27	10.00 लाख	20,000.00	1250.00	45 दिन

1. निविदा की शर्ते कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती हैं।
2. बिना कारण बताए किसी एक या सभी निविदाओं को स्थगित या रद्द करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को सुरक्षित है।
3. निविदा की राशि घट–बढ़ सकती है।
4. झारखण्ड लोक निर्माण विभाग संहित की कंडिका–163(a) द्वारा कृत प्रावधान को अवक्रमित करते हुए 10 प्रतिशत की न्यूनतम अधिसीमा को समाप्त किया जाता है। सम्प्रति 10 प्रतिशत से नीचे की दर की निविदाएँ अनुमान्य होगी। 10 (दस) प्रतिशत से न्यून निविदाओं के लिए Additional Performane Secuirty के क्रम में परिमाण विपत्र की राशि से (i) 10 से 20 प्रतिशत below तक की राशि का 20% तथा (ii) 20 प्रतिशत से अधिक below की राशि का 30% अतिरिक्त जमानत का प्रावधान लागू होगा। यह झारखण्ड लोक निर्माण विभाग संहिता के नियम 172(a) के रुप में समाहित होगा। पूर्व के संहिता/नियम/परिपत्र द्वारा कृत सभी प्रावधान अवक्रमित समझे जायेंगे।
5. रॉयल्टी के संबंध में खान एवं भूतत्व विभाग, झारखण्ड सरकार के प्रकाशित राजपत्र संख्या 197/रॉची दिनांक 27.04.2026 एवं समय समय पर रॉयल्टी से संबंधित जारी दिशा–निर्देश प्रभावी होगें।
6. वैध एवं समान दर की निविदाओं के मामले में निविदा निष्पादन के प्राधिकार द्वारा पारदर्शी तरीके से लाटरी (lottery) की पद्धति अपनायी जायेगी। यह प्रावधान, झारखण्ड लोक निर्माण विभाग संहिता के कंडिका–163(e) के रुप में समाहित होगा तथा उक्त हद तक पूर्व के संहिता/नियम/परिपत्र द्वारा कृत सभी प्रावधान अवक्रमित समझे जायेंगे। उपरोक्त सभी झारखण्ड सरकार, पथ निर्माण विभाग, रॉची के संकल्प संख्या 2146(एस0) दिनांक 09.09.2020 से आच्छादित होगा।

कार्यपालक अभियंता
प0नि0वि0, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।

PR 385725 (Road) 26-27 (D)

झारखण्ड सरकार
अधीक्षक का कार्यालय, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, धनबाद।
दूरभाष : 0326-2230352(O), 9431120164(M) Email: superintendentsnmmch@gmail.com
पत्रांक :– 1322/SNMMCH दिनांक :– 24.07.2026
अल्पकालिन ई–निविदा सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद में वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए मानक स्तर के निर्माताओं अथवा उनके अधिकृत एवं अनुभवी वितरक से दन्त रोग विभाग के उपयोग हेतु Dental Chair के क्रय आपूर्ति एवं अधिष्ठापन हेतु 2–बोली व्यवस्था (2-bid system)के ONLINE निविदा आमंत्रित किया जाता है। जिसका Gem Bid No.- Gem/2026/B/7820828 है। ई–निविदा को www.Gem.gov.in पर देखी तथा इच्छुक संवेदक द्वारा भाग ली जा सकती है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि– 07.08.2026 को संध्या 05.00 बजे तक होगी।

ह0/–
अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल धनबाद।

PR 385783 Health Med Edu and Family Welfare(26-27)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, बोकारो।
अति अल्पकालीन कोटेशन सूचना सं०:–01/2026-27
Email Address:-rdsdbokaro@rediffmail.com

बोकारो जिला अंतर्गत **MPCS** पैक्स व्यापार मंडल में 30 **MT** क्षमता के निर्मित मिनि कोल्ड रुम को सौर उर्जा चलित कोल्ड रुम में परिवर्तित करने हेतु (सभी जरूरी सामग्रीयों के साथ) कोटेशन की मांग की जाती है। जिसकी विवरणी निम्नवत् है–

TECHNICAL SPECIFICATION FOR SOLARISATION OF 30 MT COLD STORAGE WITH THERMAL STORAGE

Specification	Values/Description	Qty.	Unit	Quated Rate per Pcs		Total Amount	Remarks
				In Figure	In Word		
Cold Storage							
Installation of new cold room inside existing cold rom	18 ft. X 20 ft. X 10ft. (external dimension) 60 mm PUF of density 40 kg/m3 and 0.4 mm PPGI sheet on both sides No floor insulation required. Door with 60 mm PUF with opening of 6 ft X 3 ft. Inbuilt lock.	1	Set.				
Equipment room	Lockable room to house the refrigeration equipment, electrical control panels, batteries, etc.	1	Set.				
Cold storage temperature range	4 to 10 °C with independent temperature set point.	1	Set.				
Solar System							
Solar Pannels	15.5 kWp, Mom crystalline	1	Set.				
Electrical batteries capacity	6 X 12 v 250 Ah	1	Set.				
Alternate power supply	Entire system shall work in 1 phase, 220 VAC, 7 kVA at lower compressor speed The system shall have automatic changeover t grid electricity.	1	Set.				
Solar configuration	All solar panels are accessible to power both compressor and electrical battery.	1	Set.				
Refrigeration System							
Compressor	5.5 TR	1	Set.				
Compressor type	Variable speed and repairable compressor	1	Set.				
Operation of compressor	Compressor power is not operated using, electrical batteries It is directly powered using solar panels	1	Set.				
Condenser	Copper tube & aluminium fin	1	Set.				
Evaporator fan airflow	6000 CFM	1	Set.				
Thermal storage system							
Phase change material and quantity	1900 kg phase change material with 24 hours backup without sunlight and electricity	1	Set.				
Thermal storage configuration	Completely stop providing cooling in the cold storage when not required.	1	Set.				

इच्छूक आपुर्तिकर्त्ता/बिक्रेता दिनांक 31.07.2026 को अपराह्न 03.00 बजे तक अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में सीलबंद कोटेशन जमा कर सकते है। दिनांक 31.07.2026 को अपराह्न 3.30 बजे सीलबंद लिफाफा खोला जायेगा। लिफाफा खोलते समय कोटेशन दाता या उसके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, बोकारो।

PR 385811 Rural Development(26-27)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल,गिरिडीह
e-Mail – eercdgiridih-jhr@nic.in

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **पी0 आर0 संख्या 385392 पथ (2026–27)** एवं अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना 01/2026–27 द्वारा प्रकाशित किया गया है। जिसमें निविदा आमंत्रण सूचना के कंडिका 07 कार्यो की विवरणी के क्रम संख्या 2, 4, 5, 8 एवं 9 में परिमाण विपत्र का मूल्य की राशि क्रमशः 2500.00, 1250.00, 1250.00, 1250.00 एवं 750.00 अंकित है जिसके स्थान में राशि 5000.00, 2500.00, 2500.00, 2500.00 एवं 1250.00 पढ़ा जाय, शेष सभी शर्ते यथावत रहेंगी।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल,गिरिडीह

PR 385757 Road(26-27).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा

ई–प्रोक्योरमेंट सूचना सं0–03/2026–27
ई–निविदा प्रसंग–RCD/JAMTARA/522/2026-27
दिनांक 23.07.2026

1	कार्य का नाम	Balance work of Widening & Strengthening /Reconstruction of Mohanbank (On MDR-239) -Nala (On MDR-193) Road under Road Division, Jamtara for the Year 2026-27
2	प्राक्कलित राशि	रू0 294.06480 लाख (दो करोड़ चौरानबे लाख छह हजार चार सौ अस्सी रूपये) मात्र
3.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	04 (चार) महीना
4.	ई–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एंव समय	11.08.2026 के दोपहर 12:00 बजे तक
5	ई–निविदा का वेबसाईट पर प्रकाशन की तिथि एंव समय	29.07.2026 के अपराहन 4:30 बजे से
6.	ई–निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एंव पता	कार्यपालक अभिंयता, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।
7.	ई–प्रोक्यूरमेंट अधिकारी का संपर्क नं0/मोबाईल नं0	9279626462
8.	ई–प्रोक्यूरमेंट सेल का संपर्क सहायता नम्बर	0651-2401010

नोटः– प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती हैं। निविदा संबंधी अन्य जानकारी http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभिंयता,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा

PR.NO.385726 Road(26-27):D

पेपर लीक मामले पर मधेपुरा में सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारी छात्र

पटना,(ईएमएस) : नीट पेपर लीक मामले को लेकर बिहार में विरोध प्रदर्शन तेज होता जा रहा है। शुक्रवार को मधेपुरा में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में छात्र सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने आक्रोश मार्च निकालकर राज्य सरकार और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तथा परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन ने कहा कि विपक्ष का उद्देश्य केवल हंगामा करना नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार लाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में चर्चित मामलों में आरोपित अधिकारियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई और केंद्र स्तर पर भी शिक्षा मंत्री के पद पर रहते हुए केवल जांच की बात की जा रही है। उनका कहना था कि जवाबदेही तय किए बिना छात्रों का भरोसा बहाल नहीं किया जा सकता।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन जारी हैं। विपक्षी दल और छात्र संगठन सरकार से जवाबदेही तय करने तथा शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग कर रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार ने पेपर लीक रोकने के लिए सख्त कानून और फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था लाने का आश्वासन दिया है।

उधर, सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा २६ दिन बाद अनशन समाप्त किए जाने पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार देश के प्रत्येक विद्यार्थी के साथ मजबूती से खड़ी है और पेपर लीक के प्रति उसकी जीरो टॉलरेंस की नीति है। सरकार परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाने के लिए आवश्यक सुधार लागू करने, दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सपनों की सुरक्षा और उनके विश्वास को मजबूत करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नेपाल बॉर्डर से वांछित आतंकी और अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

बहराइच (ईएमएस) : भारत-नेपाल सीमा के रूपईडीहा बॉर्डर पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और सिविल पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए प्रतिबंधित संगठन 'वारिस पंजाब दे' से जुड़े मोस्ट वांटेड आतंकी और एक अमेरिकी नागरिक सहित दो घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही उन्हें अवैध रूप से भारत में दाखिल कराने में मदद कर रहे तीन स्थानीय सहयोगियों को भी धर दबोचा गया है।

पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार घुसपैठियों में पंजाब का रहने वाला विक्रमजीत सिंह और अमेरिका के कैलिफोर्निया निवासी मनवीर सिंह शामिल हैं। विक्रमजीत सिंह वर्ष २०२३ में पंजाब के अजनाला थाने पर हुए हिंसक हमले के मामले में धारा ३०७ के तहत वांछित चल रहा था और घटना के बाद फर्जी दस्तावेजों के सहारे नेपाल में छिपा हुआ था।

क्रिकेटर आकाशदीप व मुकेश कुमार बने डीएसपी

पटना (एजेंसी): सम्राट सरकार ने भारतीय टीम के दो क्रिकेटर आकाशदीप और मुकेश कुमार को तोहफा दिया है. अब ये दोनों खिलाड़ी बिहार पुलिस में डीएसपी बन गए है. शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 'मेडल लाओ, नौकरी पाओ' योजना के तहत दोनों खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र सौंपा. स्टेज पर क्रिकेटर आकाशदीप और मुकेश कुमार ने सीएम के पैर छूकर आशीर्वाद लिया.

'मेडल लाओ, नौकरी पाओ' योजना के तहत १९ खिलाड़ियों को नौकरी मिली है. खिलाड़ियों को डीएसपी, दारोगा, पंचायती राज पदाधिकारी और अन्य उपयुक्त पदों पर सीधी नियुक्ति दी जा रही है. मुकेश कुमार ने चीन के हांगझोउ में आयोजित १९वें एशियन गेम्स में भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य के रूप में स्वर्ण पदक जीतने में योगदान दिया था. आकाश दीप भी एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं. इसके अलावा उन्होंने वर्ष २०२५ में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे. वहीं, एथलीट पीयूष राज को पुलिस अवर निरीक्षक (एसआई) के पद पर नियुक्ति मिली. इसके अलावा पांच पैरा खिलाड़ियों सहित अन्य उत्कृष्ट खिलाड़ियों को भी उनकी उपलब्धियों के आधार पर नियुक्ति पत्र सौंपे गए.

बिहार सरकार ने एशियाई अंडर-२३ में गोल्ड मेडल और एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने वाले सेतु मिश्रा को सम्मान राशि के रूप में इस कार्यक्रम के दौरान ३७.५० लाख रुपये की सम्मान राशि दी. इसके अलावा एथलेटिक विभास्कर कुमार को दो लाख रुपये की सम्मान राशि दी गई जिन्होंने इसी इवेंट में हिस्सा लिया था. समारोह में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, खेल मंत्री श्रेयसी सिंह तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे.

आम पेटियों के नीचे छिपाकर विदेशी शराब की तस्करी पिकअप वैन से 1740 लीटर जब्त

कटिहार (एजेंसी): बिहार में शराबबंदी के बावजूद तस्कर नए-नए हथकंडे अपनाकर शराब की तस्करी कर रहे हैं. ताजा मामला कटिहार से सामने आया है. यहां मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मनियां के पास पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक कअप वाहन से १७४० लीटर विदेशी शराब बरामद की है. तस्कर शराब को आम की पेटियों के नीचे छिपाकर ले जा रहे था, ताकि किसी को शक न हो. पुलिस ने शराब के साथ पिकअप वाहन को भी जब्त कर लिया है. वहीं पिकअप चालक राम कुमार राय को भी गिरफ्तार कर लिया है.राम कुमार राय समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के तीरा गांव का रहने वाला है. फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर यह जानने की कोशिश कर रही है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसे किस तक पहुंचाया जाना था. जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पश्चिम बंगाल से विदेशी शराब की बड़ी खेप कटिहार लाई जा रही है. इसके बाद मनियां के पास विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया. जांच के दौरान एक संदिग्ध पिकअप को रोका गया.

तलाशी लेने पर ऊपर आम की पेटियां मिलीं. जब पुलिस ने अच्छे से जांच की तो उसके नीचे से विदेशी शराब की कई पेटियां मिलीं, जिसे वाहन सहित जब्त कर लिया गया है. पुलिस ने वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है. कटिहार के एसडीपीओ विशाल आनंद ने बताया कि जिले में अवैध शराब और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि तस्कर पुलिस से बचने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं.कभी सब्जियों के बीच तो कभी फलों की पेटियों के नीचे शराब छिपाकर उसकी तस्करी की जा रही है. फिलहाल पुलिस गिरफ्तार चालक से पूछताछ कर पूरे तस्करी नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है. मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है.

मुजफ्फरपुर में सोशल नेटवर्किंग साइट्स 26 तक बंद

मुजफ्फरपुर (एजेंसी): छात्र आंदोलन का दायरा दिल्ली से बढ़कर दूसरे राज्यों तक फैल गया है. इस आंदोलन में कुछ असमाजिक तत्व भी घुस आए हैं, जो आंदोलन को तो कमजोर कर ही रहे हैं, सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं. बिहार के कई जिले भी इससे प्रभावित हो रहे हैं. अफवाह से निपटने के लिए मुजफ्फरपुर में प्रशासन ने सोशल नेटवर्किंग सेवा बंद कर दिया है.

मजफ्फरपुर में अफवाह रोकने के लिए गृह विभाग ने २६ जुलाई तक सोशल नेटवर्क को बंद किया गया है. आदेश में कहा गया है कि मुजफ्फरपुर के टाउन-वन और पुलिस सब डिवीजन टाउन-२ में २४ जुलाई साढ़े १२ बजे से २६ जुलाई सुबह १० बजे तक सोशल नेटवर्किंग साइट्स और मैसेजिंग सर्विस सहित २४ तरह की सेवाएं प्रभावित होंगी. गृह विभाग ने टेलीकम्यूनिकेशन एक्ट-२०२३ के तहत यह आदेश जारी किया है.

छात्र आंदोलन में उपद्रवियों की पहचान बताने वाले को मिलेगा 10 हजार

पटना (एजेंसी): उपद्रव करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त एक्शन ले रही है. पटना पुलिस ने उपद्रव करने वाले संदिग्धों की तस्वीरें सार्वजनिक की है. पुलिस ने लोगों से अपील की है कि उपद्रवियों की पहचान बताने वाले को १० हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा. और उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी.पुलिस के मुताबिक आंदोलन की आड़ में कुछ लोगों ने पथराव, आगजनी, तोड़फोड़ और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया. इन घटनाओं की जांच सीसीटीवी फुटेज, वीडियो और फोटोग्राफ के आधार पर की जा रही है. जिन लोगों ने तस्वीरें जारी की गई हैं, उनकी पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी.नीट पेपर लीक मामले में बिहार में भी छात्रों का उग्र प्रदर्शन देखने को मिला. कई जिलों में अतिरिक्त पुलिस बल को तैनाती की गई है.पटना पुलिस ने उपद्रवियों की तस्वरी जारी की है. पुलिस ने लोगों से अपील की है कि तस्वरी में दिख रहे लोगों की पहचान बताने में पुलिस की मदद करें. पहचान बताने वाले को १० हजार रुपये का इनाम मिलेगा. उनका नाम गुप्त रखा जाएगा. पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी.

बिहार विस : सदन में मंत्रियों पर भड़के महेश्वर सिंह

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा में मानसून सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को इंजीनियरिंग कॉलेज और पॉलिटेक्निक संस्थानों में शिक्षकों की भारी कमी का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा. इस बीच सत्ता पक्ष और विपक्ष के मंत्रियों के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली.

एमएलसी महेश्वर सिंह ने सरकार से इंजीनियरिंग कॉलेजों में खाली पड़े शिक्षक व गैर-शिक्षक पदों के लिए जवाब मांगा. उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग कॉलेजों में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति होना जरूरी है. उन्होंने कहा कि बिहार के ३१ इंजीनियरिंग कॉलेज और १५ पॉलिटेक्निक संस्थानों में ९० फीसदी टीचिंग और नॉन टीचिंग पद खाली पड़े हुए हैं. इस दौरान वह गुस्से में नजर आए, उन्होंने सरकार से सवाल किया कि अगर शिक्षकों की बहाली नहीं होगी तो छात्रों को बेहतर शिक्षा कैसे मिलेगी. शिक्षकों की कमी के कारण शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है. इस दौरान उन्हें बीच में रोक रहे मंत्रियों को भी कड़े शब्दों में जवाब दिया.

मंत्री शीला मंडल ने सरकार की तरफ शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी. इस पर मंत्री महेश्वर सिंह ने कहा कि मंत्री जी जो जवाब पढ़ रही हैं, वह अधिकारियों द्वारा तैयार किया गया जवाब है, जो सभी सदस्यों को पहले से मिल चुका है. उन्होंने सरकार से शिक्षकों की बहाली की स्पष्ट समय सीमा बताने की मांग की. मामला बढ़ता देख मंत्री अशोक चौधरी ने महेश्वर सिंह से कहा कि वह सदन के वरिष्ठ सदस्य हैं और उन्हें इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. इस पर महेश्वर सिंह ने कहा कि जब कोई सदस्य सवाल पूछ रहा है और मंत्री जवाब दे रहे हैं, तो बीच में किसी दूसरे सदस्य को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए. उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक संस्थानों में शिक्षकों की नियुक्ति जल्द पूरी होनी चाहिए, ताकि छात्रों को बेहतर शिक्षा मिल सके.

रेलवे ट्रैक पर रखा था लोहे का टुकड़ा, हादसा टला

गाजियाबाद,(ईएमएस) : देश की राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद के मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र में ट्रेन को पलटाने की साजिश का मामला सामने आया है। इस घटना को अंजाम देने के लिए रेलवे ट्रैक पर लोहे का टुकड़ा रखा मिला। हालांकि, ट्रेन के लोको पायलट की सतर्कता से हादसा टल गया। घटना के बाद रेलवे अधिकारियों में हड़कंप मच गया। सीनियर सेक्शन इंजीनियर की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीनियर सेक्शन इंजीनियर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गुरुवार रात करीब १२:२५ बजे लोको पायलट डाउन हरिद्वार-दिल्ली सेक्शन की अप लाइन संख्या-दो पर ट्रेन का संचालन कर रहे थे।

भूमिहार ब्राह्मण को लेकर अपनी ही सरकार का विरोध किया भाजपा विधायकों ने
उप मुख्यमंत्री ने भ्रमित करने वाले शब्दों पर तत्काल रोक लगाई जाने की भी बात कही

अनिल मिश्र

पटना : शुक्रवार को बिहार विधानसभा में सरकार ने सरकारी दस्तावेजों और रिकॉर्ड में भूमिहार जाति के आगे 'ब्राह्मण' शब्द जोड़ने पर रोक स्पष्ट करते हुए कहा है कि केवल 'भूमिहार' शब्द ही दर्ज किया जाएगा। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सरकार ने स्पष्ट किया कि जाति के नाम में 'ब्राह्मण' शब्द जोड़ने से भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है, जिस पर सत्ता पक्ष के विधायकों ने भी सदन में विरोध दर्ज कराया।इस संबंध में बिहार के उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने स्पष्ट किया कि सरकारी अभिलेखों में जाति का नाम केवल 'भूमिहार' ही लिखा जाएगा। वहीं भारतीय जनता पार्टी के दो विधायकों जीवेश मिश्रा और विशाल प्रशांत ने सदन में अपनी ही सरकार के इस रुख का कड़ा विरोध किया। इस संबंध में ऐतिहासिक हवाला देते हुए विधायक पक्ष का तर्क है कि १९३१ की जनगणना और कई पुराने राजस्व दस्तावेजों में 'भूमिहार ब्राह्मण' दर्ज रहा है, इसलिए कागजातों में एकरूपता होनी चाहिए।बिहार में भूमिहार ब्राह्मण विवाद ने एक बार फिर सियासी तूल पकड़ लिया है।

विधानसभा के मॉनसून सत्र के दौरान राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि भूमिहार जाति को सरकारी रिकॉर्ड में सिर्फ भूमिहार ही लिखा जाएगा। भूमिहार ब्राह्मण शब्द पर रोक लगा दी गई है। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने अपनी ही सरकार को घेरना शुरू कर दिया। इससे आज शुक्रवार को सदन में गहमागहमी का माहौल नजर आया।इस बीच मिथिलांचल के नाम से मशहूर दरभंगा के जाले विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक जिवेश कुमार उर्फ जीवेश मिश्रा ने ध्यान आकर्षण के तहत भूमिहार ब्राह्मण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के अभिलेखों और गजट आदि में संबंधित जाति का नाम भूमिहार ब्राह्मण दर्ज है। जबकि वर्तमान में बिहार सरकार की जाति सूची और जाति प्रमाण पत्रों में सिर्फ भूमिहार ही लिखा जा रहा है। इससे दस्तावेजों में विसंगति और भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। वहीं इस बहस के दौरान तरारी से भाजपा विधायक विशाल प्रशांत ने कहा कि अगर सरकार भूमिहार ब्राह्मण नहीं लिखना चाहती तो भूमिहार समाज को अनुसूचित जाति का दर्जा देने पर विचार करे। उनका कहना था कि १९३१ के बाद के कई सरकारी रिकॉर्ड में भी भूमिहार ब्राह्मण दर्ज है और सरकार को इसकी जांच करानी चाहिए। इसके बाद विशाल प्रशांत ने बाद में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी अपनी बात दोहराई। उन्होंने कहा कि अगर सरकार की यही नीति है तो भूमिहार समाज को एससी का दर्जा देने के मुद्दे पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। उनके मुताबिक समाज का बड़ा वर्ग सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, इसलिए इस विषय को केवल औपचारिक जवाब देकर खत्म नहीं किया जा सकता। जबकि बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं सामान्य प्रशासन विभाग के मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने इस पर टिप्पणी करते हुए भूमिहार जाति को भूमिहार ब्राह्मण लिखे जाने के प्रस्ताव पर विचार करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उच्च जाति आयोग ने साल २०१५- २०१९ में स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए थे, जिनमें हिंदु समुदाय के अंतर्गत सवर्ण वर्ग में चार जातियां अंकित की गई थीं। इनके नाम- ब्राह्मण, राजपूत, भूमिहार और कायस्थ है। इसलिए आगे इस पर किसी तरह का विचार करने का सवाल नहीं उठता है।इस बीच भाजपा विधायक ने डिप्टी सीएम को टोका कि उन्होंने उनके सवाल का कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद उपमुख्यमंत्री फिर सदन में खड़े हुए और कहा कि विभिन्न सामाजिक संगठनों से मिले आवेदन के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने १० अक्टूबर २०२५ को उच्च जाति आयोग से मंतव्य मांगा था। आयोग ने १९ दिसंबर २०२५ को इसका जवाब देते हुए बताया कि जनवरी २०२५ में आयोग की बैठक हुई थी। उसमें सर्वसम्मिति से यह फैसला लिया गया कि भूमिहार जाति का नाम बदलने का कोई विचार नहीं है। ना ही आयोग ने ऐसी कोई अनुशंसा की है।इस बीच बिहार के उपमुख्यमंत्री विजेन्द्र प्रसाद यादव ने कहा कि भूमिहार ब्राह्मण जैसे भ्रमित करने वाले शब्दों पर तत्काल रोक लगाई जाए, संभव हो तो जरूरी सुधार किए जाएं। हालांकि बिहार विधानसभा में आज सरकार द्वारा और इस जाति से ताल्लुक रखने वाले विधायकों से तकरार होने के साथ -साथ कुछ सामाजिक और ऐतिहासिक मत भी हैं। जैसे -- कृषक ब्राह्मण (अयाचक ब्राह्मण) इतिहासकारों- (जैसे महापंडित राहुल सांकृत्यायन) के अनुसार, भूमिहार मूलतः- ब्राह्मण ही थे, जिन्होंने दान लेने (याचक) और पुरोहिताई का कर्म त्यागकर कृषि (अयाचक) को अपना मुख्य व्यवसाय बना लिया। वहीं पौराणिक मत- इस समुदाय के लोग खुद को भगवान परशुराम का वंशज और ब्रह्मर्षि मानते हैं पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब भगवान परशुराम ने क्षत्रियों का नाश किया, तब पृथ्वी के संचालन के लिए उन्होंने ब्राह्मणों को भूमि का स्वामित्व सौंपा।राजा हर्षवर्धन का काल-कई इतिहासकारों का मानना है कि सम्राट हर्षवर्धन के शासनकाल (६०६-६४७ ईस्वी) के दौरान, जिन ब्राह्मणों को अग्रहार (दान में दी जाने वाली भूमि या गांव) प्राप्त हुए और वे कृषि व जमींदारी से जुड़ गए, वे कालांतर में भूमिहार के रूप में पहचाने गए।

भाजपा सांसद को नहीं मिला बुलावा सोशल मीडिया पर छलका दर्द

गोरखपुर (ईएमएस): गोरखपुर में महत्वपूर्ण विकास परियोजना के लोकार्पण समारोह में निमंत्रण न मिलने पर भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ.राधामोहन दास अग्रवाल ने अपना दर्द साझा किया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि उनके मोहल्ले में फ्लाईओवर का उद्घाटन हुआ और उनका कार्यक्रम में जाने का मन था, लेकिन उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देकर लोकल जनता को बधाई दी, साथ ही अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी टैग किया। चार बार गोरखपुर शहर से विधायक रह चुके डॉ. अग्रवाल वर्तमान में भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद हैं। उन्होंने साल २०१७ के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए अपनी परंपरागत सीट छोड़ दी थी और तब से पार्टी में राष्ट्रीय स्तर पर कई अहम जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा, संविधान ही है ढाल : अखिलेश

लखनऊ,(ईएमएस): समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि २६ जुलाई को पूरे यूपी और देशभर में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस मनाया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि इसी दिन कोल्हापुर के तत्कालीन शासक राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने महात्मा ज्योतिबा फुले की विचारधारा से प्रेरित होकर आरक्षण व्यवस्था लागू की थी। उनके मुताबिक यह सामाजिक न्याय को व्यवहार में उतारने की एक ऐतिहासिक पहल थी, जिसने आगे चलकर संविधान में समानता और सामाजिक न्याय के प्रावधानों की मजबूत नींव रखी।

सपा प्रमुख ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा कि आरक्षण दिवस २६ जुलाई को समाजवादी पार्टी ने संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस के रूप में भी मनाने का फैसल लिया है क्योंकि इसी दिन महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा संकल्पित 'आरक्षण' को कोल्हापुर के परम आदरणीय-अनुकरणीय श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने अपने कोल्हापुर राज्य में लागू किया था। इसी दिन आरक्षण देने का शुभारंभ हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि सामाजिक न्याय की भावना को आरक्षण के रूप में इसी दिन अमल में लाया गया था, जो आगे चलकर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के सद्प्रयासों से हमारे संविधान में एक जनाधिकार के रूप में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने का मूल आधार बना और देश के लोकतंत्र की स्थापना का मूल सिद्धांत भी। इसके लिए हर वर्ष २६ जुलाई से अधिक ऐतिहासिक अवसर और क्या हो सकता है, क्योंकि विचार को सही में लागू करना ही तो सबसे बड़ा और प्रभावशाली उदाहरण होता है, जो परम आदरणीय-अनुकरणीय श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज जी ने इस दिन लागू करके दिखलाया था।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि इसी परिप्रेक्ष्य में इस वर्ष भी २६ जुलाई को पूरे उत्तर प्रदेश और देश में समाजवादी पार्टी संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस का आयोजन कर रही है। इस दिन सपा के मुख्यालय व सभी कार्यालयों में एक सादगीपूर्ण समारोह में भारत के संविधान की प्रति के सानिध्य में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इसके पीछे मूल भावना यही है कि संविधान-मानस्तंभ वस्तुतः पीडीए-प्रकाशस्तंभ के रूप में हमारे सामाजिक न्याय के राज' की स्थापना के संकल्प का मार्ग सदैव प्रकाशित और प्रशस्त करता रहे। जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा। संविधान ही ढाल है, संविधान ही कवच है। संविधान ही गैर बराबरी दूर करके समता-समानता को सुनिश्चित करेगा और हमारे 'बंधु राष्ट्र' बनाने के महा-संकल्प को भी।

पूर्व मध्य रेल

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई-निविदा सूचना
विद्युत (सामान्य) विभाग के लिए
खुली निविदाएँ

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:

ई-निविदा संख्या- ईएल/05/खुली/2026-27 से ईएल/08/खुली/2026-27

ई-निविदा संख्या- ईएल/05/खुली/2026-27, 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : धनबाद डिवीजन में अलग-अलग रनिंग रूम और ट्रेनिंग स्कूल के लिए पाँच साल तक एयर कंडीशनिंग मशीनें किराए पर लेना। (कार्य समापन अवधि:-60 माह), 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : रुपया 4345784.55/-, 3. बैंक सिक्युरिटी: रुपया 86900/-

ई-निविदा संख्या- ईएल/06/खुली/2026-27, 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : धनबाद डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर हाई मास्ट टावर की मरम्मत। (कार्य समापन अवधि:-12 माह), 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : रुपया 3031448.34/-, 3. बैंक सिक्युरिटी: रुपया 60600/-

ई-निविदा संख्या- ईएल/07/खुली/2026-27, 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : ROB/GOMO पर खराब सोलर लाइटों की जगह नई केबल बिछाकर स्ट्रीट लाइटिंग की व्यवस्था करना। (कार्य समापन अवधि:-12 माह), 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : रुपया 2199895.12/- . 3. बैंक सिक्युरिटी : रुपया 44000/-

ई-निविदा संख्या- ईएल/08/खुली/2026-27, 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : धनबाद डिवीजन के रास्ते में पड़ने वाले रेलवे स्टेशनों (57 Nos) पर लाइटिंग और पंखों की व्यवस्था में सुधार। (कार्य समापन अवधि:-12 माह), 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : रुपया 20407824.16/-, 3. बैंक सिक्युरिटी : रुपया 408200.00/-

4. सभी ई-निविदा की बिड मूल्यांकन प्रणाली: एक पैकेट प्रणाली

5. सभी ई-निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय: ई-निविदा बंद होने की तिथि: 14.08.2026 को 11.00 बजे। ई-निविदा खुलने की तिथि: 14.08.2026 को 11.30 बजे के बाद

6. वेबसाइट का विवरण: वेबसाइट: www.ireps.gov.in, ई निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

वरीय मंडल विद्युत अभियंता (सा०)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/0618/डीआरएम/ईएलईसीटी/टी/26-27/68

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना संख्या: GEM/2026/B/7790110
धनबाद, दिनांक 22.07.2026

वरिष्ठ मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय), पूर्व मध्य रेल धनबाद के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-खुली निविदा (e-open tender) Two Packet System में GeM Portal में आमंत्रित की जाती है। 1. कार्य का नाम: धनबाद मंडल के किसी भी डिपो से भारतीय रेलवे के किसी भी डिपो, इकाई, स्टोर अथवा उत्पादन इकाई तक एवं इसके विपरीत, 20 टन या अधिक क्षमता वाले ट्रक के माध्यम से बोगी, व्हील सेट, एम.एस. शीट तथा अन्य रेलवे सामग्री के सड़क परिवहन कार्य का आउटसोर्सिंग। 2. GEM कैटेगरी श्रेणी/सेवा विवरण: माल परिवहन सेवा - प्रति मी.टन प्रति कि.मी. दर आधारित सेवा रेलवे सामग्री यथा बोगी, व्हील सेट, एम.एस. शीट आदि के लिए न्यूनतम 20 टन क्षमता के ओपन बॉडी ट्रॉलर/प्लेटफॉर्म ट्रक/फ्लैटबेड ट्रक, 20 टन या अधिक। 3. G E M बोली संख्या एवं दिनांक: जी ई एम/2026/बी/7790110, दिनांक: 21.07.2026. 4. संविदा की अवधि: 24 माह। 5. कार्य-स्थान: कैरेज डिपो - वैगन डिपो, बरवाडीह, धनबाद डिवीजन के अंतर्गत। 6. विज्ञापित निविदा मूल्य: मात्र रुपये 1,71,97,250.00 (एक करोड़ इकहत्तर लाख सत्तानवे हजार दो सौ पचास रुपये मात्र)। 7. बयाना राशि (निविदा सूचना के तदनुसार): मात्र 3,44,000 रुपये (तीन लाख चवालीस हजार रुपये मात्र)। 8. ई-निविदा जमा करने का तारीख तथा समय: तारीख 21.07.2026 से 11.08.2026 को 20:00 बजे तक। 9. ई-निविदा खुलने का तारीख तथा समय: 11.08.2026 को 20:30 बजे। 10. वेबसाइट विवरण: http://www.gem.gov.in (ई-निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।)

वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/0603/डीआरएम/सीएमईसीओ/टी/26-27/44

झारखंड में सरकारी मुकदमों के डिजिटल प्रबंधन

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार ने सरकारी न्यायालयीय प्रकरणों के समग्र और प्रभावी डिजिटल प्रबंधन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को झारखंड उच्च न्यायालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में महाधिवक्ता रोहिताश्य रॉय ने विधि पोर्टल २.० का उद्घाटन किया। महाधिवक्ता रोहिताश्य रॉय ने कहा कि यह पोर्टल राज्य में मुकदमों के बेहतर प्रबंधन और न्यायालयों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं सचिव पूजा सिंघल ने इसे तकनीक आधारित पारदर्शी शासन व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

नए पोर्टल के जरिए विभिन्न विभागों, विधि विभाग, महाधिवक्ता कार्यालय और सरकारी अधिवक्ताओं को एकीकृत डिजिटल मंच पर जोड़ा गया है। इसमें रियल-टाइम मॉनिटरिंग, स्वचालित अलर्ट, स्मार्ट कार्य प्रवाह और उन्नत विश्लेषण जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो समयबद्ध निर्णय और प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करेंगी। पोर्टल के इस संस्करण में २० से अधिक नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं। इनमें ई-कोर्ट्स प्रणाली के साथ एकीकरण, स्मार्ट कॉज लिस्ट, दैनिक-साप्ताहिक केस डाइजेस्ट, एग्जीक्यूटिव डैशबोर्ड, केंद्रीकृत नोटिस प्रबंधन और मोबाइल एप जैसी सुविधाएं शामिल हैं। साथ ही भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कानूनी विश्लेषण को भी इसमें शामिल करने की योजना है।

महाधिवक्ता रोहिताश्य रॉय ने कहा कि यह पोर्टल राज्य में मुकदमों के बेहतर प्रबंधन और न्यायालयों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं सचिव पूजा सिंघल ने इसे तकनीक आधारित पारदर्शी शासन व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

अधिकारियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

पोर्टल के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विभागों के अधिकारियों और उपयोगकर्ताओं को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि इसकी सभी सुविधाओं का अधिकतम लाभ लिया जा सके। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विकसित 'विधि पोर्टल २.०' को राज्य की डिजिटल सुशासन यात्रा में एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है। यह पोर्टल आधुनिक तकनीक के माध्यम से सरकारी मुकदमों के प्रबंधन को अधिक पारदर्शी, दक्ष और जवाबदेह बनाने में मदद करेगा।

इस अवसर पर सचिव आईटी पूजा सिंघल, सचिव, विधि विभाग नीरज कुमार श्रीवास्तव, वरीय एएजी अच्युत केशव सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

देवघर और बासुकीनाथ में पूजा के बाद डीजीपी तदाशा मिश्रा ने की अपराध की समीक्षा

देवघर (एजेंसी): डीजीपी तदाशा मिश्रा आज संथाल परगना के छह जिलों में अपराध की समीक्षा के लिए देवघर पहुंची। वहां सबसे पहले उन्होंने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना की।

इसके बाद बाबा बासुकीनाथ मंदिर भी गयीं। वहां भी भोले बाबा की विधि विधान से पूजा की। इसके बाद दुमका में डीआईजी समेत सभी छह जिलों देवघर, दुमका, गोड्डा, साहेबगंज, पाकुड़ और जामताड़ा के एसपी के साथ प्रमंडलीय अपराध की समीक्षा की।

श्रावणी मेला को लेकर राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन एहतियात बरत रहा है। इसी क्रम में दुमका में प्रमंडलीय अपराध की समीक्षा की गयी। पुलिस अधीक्षकों को विशेष चौकसी और सतर्क रहने का निर्देश दिया गया।

जमाल अहमद को पदमुक्त कर -एसीबी से कराएं संपति की जांच, बाबूलाल मरांडी ने सीएम को लिखी चिट्ठी

रांची (एजेंसी): प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के सदस्य जमाल अहमद को अविलंब पद से हटाने और एसीबी से जांच कराने की मांग की है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में बाबूलाल मरांडी ने उन पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने, पद के दुरुपयोग और आयोग की निष्पक्षता को कलंकित करने का आरोप लगाया है।

बाबूलाल मरांडी ने दावा किया है कि जमाल अहमद ने पिछले कुछ वर्षों में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए बड़ी मात्रा में चल और अचल संपत्ति अर्जित की है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि रांची में उनके पास ३००० से ४००० वर्गफुट का एक आलीशान फ्लैट है और वे एक अन्य बड़े फ्लैट की भी तलाश कर रहे हैं।

साथ ही हजारीबाग में भी उनके नाम या बेनामी संपत्तियां होने का आरोप लगाया गया है। पत्र में यह भी कहा गया है कि जमाल अहमद पहले प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और वर्ष २००८ में उनकी लेक्चरर के पद पर नियुक्ति हुई थी।

शिकायतकर्ता का दावा है कि उस नियुक्ति प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा की जा रही है। इसी आधार पर पत्र में सवाल उठाया गया है कि जांच के दायरे में रही नियुक्ति वाले व्यक्ति को जेपीएससी जैसी संवैधानिक संस्था का सदस्य कैसे बनाया गया।

शिकायत में यह आरोप भी लगाया गया है कि तत्कालीन मंत्री आलमगीर आलम के दबाव में उनकी नियुक्ति की गई थी। साथ ही मुख्यमंत्री से सवाल किया गया है कि ऐसे आरोपों से घिरे व्यक्ति को संवैधानिक पद सौंपने से आयोग की निष्पक्षता और युवाओं का भरोसा प्रभावित होता है। मरांडी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि जमाल अहमद की सभी चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों, निवेश और आय के स्रोतों की -एसीबी से विस्तृत जांच कराई जाए। साथ ही जांच निष्पक्ष रूप से हो सके, इसके लिए उन्हें तत्काल जेपीएससी सदस्य के पद से हटाया जाए।

बाबा मंदिर के दान पात्र में मिले 17.67 लाख रुपए, डॉलर और रियाल भी

देवघर (एजेंसी): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया द्वारा जानकारी दी गई कि आज दिनांक २४.०७.२०२६ को बाबा मंदिर प्रांगण स्थित १८ दानपात्र को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया। साथ ही गिनती के पश्चात दानपात्र से कुल आय १७,६७,०८६ के अलावा नेपाली नगद- १६३०, डॉलर- २१, रियाल १७ दान स्वरूप प्राप्त हुआ। इससे अलावे मंदिर के दान पात्र को कड़ी सुरक्षा के बीच खोला गया। पात्र से निकले पैसे को गिनती के लिए मंदिर प्रशासनिक भवन में रखा गया।

यहां मालूम हो कि रियाल सउदी अरब, ओमान, कतर और ईरान की मुद्रा है। इससे यह स्पष्ट होता है कि इन देशों में कमाने वाले श्रद्धालुओं ने रियाल दान किया है। वहीं नेपाल से भारी संख्या में शिव भक्त देवघर आते हैं। बाबा का दर्शन करते हैं। इसलिए नेपाली रुपए भी मिले। डॉलर से स्पष्ट होता है कि अमेरिका और अन्य देशों में रहने वाले भारतीयों ने इसे दान किया है।

घटना के बाद बने कानून से नहीं दी जा सकती सजा, हाईकोर्ट ने दहेज मामले में सुनाया फैसला

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने वर्ष १९८४ के कथित दहेज मांग मामले में कामाख्या नारायण तिवारी को निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सजा रद्द कर दी है। जस्टिस अरुण कुमार राय की अदालत ने कहा कि जिस कानूनी संशोधन के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराया गया, वह घटना के दो वर्ष बाद १९८६ में लागू हुआ था। ऐसे कानून को पूर्वव्यापी

(रेट्रोस्पेक्टिव) प्रभाव से लागू कर किसी व्यक्ति को दंडित नहीं किया जा सकता।

अदालत ने संविधान के अनुच्छेद २०(१) का हवाला देते हुए कहा कि किसी व्यक्ति को ऐसे कानून के तहत दोषी नहीं ठहराया जा सकता, जो कथित घटना के समय अस्तित्व में ही नहीं था। कोर्ट ने पाया कि विवाह वर्ष १९७९ में हुआ था और मोटरसाइकिल की कथित दहेज मांग वर्ष १९८४ में विवाह के बाद की गई थी। जबकि दहेज निषेध अधिनियम में विवाह के बाद किसी भी समय दहेज मांग को अपराध मानने वाला संशोधन १९ नवंबर १९८६ से प्रभावी हुआ था।

हाईकोर्ट ने कहा कि घटना के समय लागू कानून के अनुसार दहेज मांग तभी अपराध थी, जब वह विवाह से पहले, विवाह के समय या विवाह के संबंध में की गई हो। मामले में किसी भी गवाह ने ऐसी मांग का उल्लेख नहीं किया। सभी गवाहों ने विवाह के बाद मोटरसाइकिल मांगने की बात कही। ऐसे में अभियोजन दहेज निषेध अधिनियम की धारा ४ के आवश्यक तत्वों को सिद्ध नहीं कर सका।

मामले में अभियोजन का आरोप था कि मोटरसाइकिल की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता शशि कुमारी को प्रताड़ित किया गया, जिसकी बाद में मृत्यु हो गई। हालांकि हत्या के आरोप से ट्रायल कोर्ट पहले ही आरोपी को बरी कर चुका था। केवल दहेज निषेध अधिनियम की धारा ४ के तहत छह माह के कारावास और पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई थी, जिसे हाईकोर्ट ने अब निरस्त कर दिया।

पृष्ठ एक का शेषांश

पेपर लीक संशोधन बिल--

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में रेल परियोजनाओं को मंजूरी और रासायनिक क्षेत्र के लिए ३,०३० करोड़ रुपये की नई योजना की जानकारी दी।

उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग---

विभाग के लिए चिह्नित सभी रिक्तियों पर नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। आवश्यक औपचारिकताओं को शीघ्र पूरा करते हुए झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (गडडउ) के माध्यम से विभिन्न पदों पर नियमित बहाली सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि विभागीय योजनाओं एवं दायित्वों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त एवं दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि रिक्त पदों के कारण किसी भी स्तर पर कार्य प्रभावित नहीं होने चाहिए। इसलिए नियुक्ति प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूरा करते हुए योग्य अभ्यर्थियों की बहाली सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग में पर्याप्त मानवबल उपलब्ध होने से प्रशासनिक कार्यों में गति आएगी, निगरानी व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध से संबंधित योजनाओं और नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता, गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा का विशेष रूप से पालन किया जाए, ताकि विभाग की कार्यक्षमता और जनसेवा दोनों को मजबूती मिल सके। बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने जानकारी दी कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से चयनित ५८३ उत्पाद सिपाहियों को नियुक्ति पत्र देने हेतु आवश्यक प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मदिरा परिवहन वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग और डिजिटल (डीजी) लॉक की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वाहनों की रियल-टाइम निगरानी की जा सके तथा उनके मार्ग, ठहराव और गंतव्य की सटीक जानकारी प्राप्त हो सके। परिवहन वाहनों को आधुनिक तकनीक से पारदर्शिता आएगी और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। मदिरा के अलावा स्पिरिट की खपत का व्यापक अध्ययन किया जाए। स्पिरिट की वर्तमान एवं भविष्य की मांग, औद्योगिक उपयोग और राजस्व वृद्धि की संभावनाओं का आकलन कर एक ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने राज्य में विभिन्न प्रकार के मदिरा विनिर्माण संबंधित नीति गठन किए जाने का निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिकारियों से लेवल रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को सुगम बनाने की बात कही, ताकि पॉपुलर ब्रांड्स की उपलब्धता हो सके।

हिमाचल: पांगी घाटी में---

सहित स्थानीय लोग बचाव कार्य करते दिखाई दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार, यह वाहन उदयपुर-किलाड़ मार्ग पर पिछले दिन बंद होने के कारण तिंदी में रुका हुआ था।

ओडिशा सरकार पुरी की---

उचित सुरक्षा सुनिश्चित करे। सरकार उन मामलों में एक वैकल्पिक दृष्टिकोण अपनाने पर भी विचार कर रही है जहां मंदिर की भूमि कई सालों से निजी कब्जे में है। प्रस्तावित ढांचे के तहत जिन लोगों ने मंदिर की भूमि का लंबे समय से अतिक्रमण कर रखा है उन्हें तय जुर्माना एवं देय राशि के भुगतान के साथ कानूनी स्वामित्व हासिल करने की अनुमति दी जा सकती है।

अधिकारियों ने कहा कि अतिक्रमण वाले हर भूखंड को भौतिक तौर पर दोबारा हासिल करना मुश्किल हो सकता है। ऐसा खास तौर पर उन मामलो में हो सकता है जहां निजी इमारतें और बस्तियां लंबे समय से बनी हुई हैं। इसलिए जुर्माना एवं अन्य शुल्क के जरिये स्वामित्व हस्तांतरित करने की योजनाएं हैं। आवश्यक भुगतान और कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद औपचारिक तौर पर कब्जाधारियों के नाम पर भूमि दर्ज कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह निपटान मॉडल लंबे समय से कब्जाधारियों को बेदखल करने में शामिल व्यावहारिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित किया गया है। मूल्यवान भूमि को लंबे समय से चले आ रहे मुकदमेबाजी या अतिक्रमण विवादों में फंसाए रखने के बजाय सरकार कानूनी रूप से विनियमित प्रक्रिया के जरिये संपत्तियों का मुद्रीकरण करने की योजना बना रही है।

अधिकारियों ने कहा कि अतिक्रमण की गई भूमि की बिक्री या निपटान से प्राप्त आय से जगन्नाथ मंदिर के लिए करीब १०,००० करोड़ रुपए के विशाल कोष में योगदान किया जाएगा। प्रस्तावित कोष मंदिर और उससे संबद्ध संस्थानों के संरक्षण एवं रखरखाव के लिए एक दीर्घकालिक वित्तीय आधार प्रदान कर सकता है। राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग ने जिला प्रशासनों से ओडिशा संपत्ति उन्मूलन अधिनियम के तहत मंदिर प्रशासन द्वारा दायर मामलों में राजस्व बोर्ड द्वारा पारित आदेशों को तेजी से लागू करने के लिए कहा है। राजस्व अधिकारियों को पुराने रिकॉर्ड-ऑफ-राइट्स की जांच करने के लिए कहा गया है जिसमें १९२७-२८ के रिकॉर्ड भी शामिल हैं। उन्हें निर्देश दिया गया है कि जरूरत पड़ने पर स्वामित्व रिकॉर्ड में सुधार के लिए जरुरी कदम उठाया जाए।

सीआईएसएफ के डीआईजी के---

निरंतर अभियान: अवैध खनन, कोयला चोरी एवं अवैध परिवहन की प्रभावी रोकथाम हेतु सीआईएसएफ द्वारा नियमित एरिया डोमिनेशन, गश्त, ड्रोन सर्विलांस, क्यूआरटी तैनाती, विशेष वाहन जांच अभियान एवं आसूचना-आधारित समन्वित प्रवर्तन अभियान निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही, प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए बीसीसीएल प्रबंधन, जिला प्रशासन एवं स्थानीय पुलिस के साथ सतत समन्वय बनाए रखा जा रहा है। सीआईएसएफ ने पुनः स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा, कोयला चोरी, अवैध खनन एवं अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से ऐसे अभियान भविष्य में भी पूरी सख्ती, पारदर्शिता एवं विधिसम्मत तरीके से निरंतर जारी रहेंगे।

जनहित में अपील- यदि किसी व्यक्ति को अवैध खनन, कोयला चोरी, अवैध परिवहन अथवा कोयला क्षेत्र से संबंधित किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी प्राप्त होती है, तो उसकी सूचना सीआईएसएफ यूनिट, बीसीसीएल, कोयला नगर, धनबाद के व्हाट्सएप पर भेजें।

जेपीएससी प्रश्नपत्र लीक मामले में सीआईडी करेगी गहन पूछताछ, नेटवर्क खंगालने की तैयारी

रांची (एजेंसी): जेपीएससी संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले में गिरफ्तार पांचों आरोपियों को सीआईडी ने पांच दिन की पुलिस रिमांड पर लिया है। इस दौरान एजेंसी मामले की तह तक पहुंचने और पूरे नेटवर्क का खुलासा करने के लिए पूछताछ करेगी।

रिमांड पर लिए गए आरोपियों में जेपीएससी की उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता, टीडीपीएल के निदेशक रामवीर सिंह, मार्केटिंग मैनेजर मनोज कुमार तिवारी उर्फ अभय कुमार तिवारी तथा कर्मचारी मो. उस्मान और एबाद शामिल हैं।

११ करोड़ निकासी मामले में मुख्य आरोपी की जमानत पर फैसला २७ को

बोकारो कोषागार से ११ करोड़ रुपये की अवैध निकासी मामले के मुख्य आरोपी और एसपी कार्यालय के एकाउंटेंट कौशल कुमार पांडेय की जमानत याचिका पर शुक्रवार को सीआईडी के विशेष न्यायाधीश कुलदीप की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया, जिसे २७ जुलाई को सुनाया जाएगा।

सीआईडी ने कौशल कुमार पांडेय को ७ अप्रैल को गिरफ्तार किया था। जांच के अनुसार, उसने पुलिस उप निरीक्षक उपेंद्र सिंह के नाम पर वेतन मद से ३.१५ करोड़ रुपये की अवैध निकासी की। आरोप है कि लेखा शाखा में तैनाती के दौरान वह डीडीओ से ओटीपी लेकर और धोखे से हस्ताक्षर कराकर सरकारी राशि अपनी मां बृज कुमारी देवी समेत अन्य खातों में ट्रांसफर करता था। मामले में सीआईडी पहले ही आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है।

जमाल अहमद ने बाबूलाल मरांडी को दी चुनौती पांच दिनों में सार्वजनिक करेंगे संपत्ति

रांची (एजेंसी): झारखंड लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. जमाल अहमद ने प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी को चुनौती दी है। इसके लिए उन्होंने एक लिखित बयान जारी किया है। उसमें उन्होंने प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन किया है। जमाल अहमद ने कहा है कि बाबूलाल मरांडी के आरोप निराधार, असत्य और राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि जेपीएससी जैसे संवैधानिक पद पर रहने के कारण वह सार्वजनिक रूप से कुछ बोलने से बच रहे थे। लेकिन जनता के बीच भ्रम की स्थिति बनते देख उन्होंने अपना पक्ष रखना जरूरी समझा है। डॉ अहमद ने घोषणा की कि अगले पांच दिनों के भीतर वे अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों तथा आय का पूरा विवरण सार्वजनिक करेंगे। उनका कहना है कि यह केवल व्यक्तिगत सफाई नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता का उदाहरण होगा।

व्याख्याता घोटाले के न तो वह अभियुक्त और न अदालत ने दोषी ठहराया है

डॉ. जमाल अहमद ने वर्ष २००८ के कथित व्याख्याता घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि वे न तो किसी मामले में अभियुक्त हैं और न ही किसी अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के खिलाफ जांच एजेंसियों को साक्ष्य मिले हैं, उनके नाम सार्वजनिक हैं। ऐसे में बिना किसी कानूनी या तथ्यात्मक आधार के उनका नाम जोड़ना उचित नहीं है। डॉ जमाल अहमद ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन की शुरुआत प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक के रूप में की थी और इसे अपने जीवन का सबसे बड़ा सम्मान मानते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बाबूलाल मरांडी भी सार्वजनिक जीवन में आने से पहले शिक्षक रहे हैं, इसलिए दोनों को शिक्षक की गरिमा और ईमानदारी को राजनीति से ऊपर रखना चाहिए।

परिवार को लेकर दी जानकारी

डॉ. जमाल अहमद ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान उनकी पत्नी, जिन्हें जेपीएससी की एक भर्ती प्रक्रिया में साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था, साक्षात्कार में शामिल नहीं हुईं. उन्होंने यह भी कहा कि उनके दोनों पुत्रों ने आज तक जेपीएससी की किसी परीक्षा के लिए आवेदन तक नहीं किया और न ही उनके परिवार या किसी करीबी रिश्तेदार ने उनके पद का कोई अनुचित लाभ उठाया। अपने बयान में डॉ. जमाल अहमद ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती तथ्यों, पारदर्शिता और जवाबदेही पर निर्भर करती है. उन्होंने अपील की कि सार्वजनिक जीवन में किसी भी आरोप का आधार केवल तथ्य और प्रमाण होने चाहिए, न कि अफवाह या राजनीतिक पूर्वाग्रह. उन्होंने विश्वास जताया कि सत्य ही समाज को जोड़ता है, जबकि असत्य केवल भ्रम पैदा करता है।

झारखंड के लाल का धमाल, सरायकेला के आशीष कुमार दास संभालेंगे इंफोसिस की कमान

रांची (एजेंसी): झारखंड के पठार से निकलकर दुनिया के कोने-कोने तक अपनी काबिलियत का परचम लहराने की एक नई कहानी सामने आई है। सरायकेला-खरसावां जिले के छोटे से गांव राजनगर के रहने वाले आशीष कुमार दास भारत की दिग्गज आईटी कंपनी 'इंफोसिस' के अगले मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीईओ और प्रबंध निदेशक बनने जा रहे हैं। साल २०२७ में वे कंपनी के मौजूदा प्रमुख सलील पारेख की जगह लेंगे।

31 साल की मेहनत और उपलब्धियों का सफर

आशीष कुमार दास की यह उपलब्धि हर झारखंड वासियों के लिए गर्व का विषय है। इंफोसिस के शीर्ष पद तक पहुंचने का उनका यह सफर तीन दशकों की निष्ठा, कड़ी मेहनत और शानदार लीडरशिप की मिसाल है। आशीष ने साल १९९५ में इंफोसिस के साथ एक सीनियर एंगेजमेंट मैनेजर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी। अपने ३१ साल के लंबे सफर में वे पदोन्नत होकर एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट बने। इस दौरान उन्होंने 'फॉर्च्यून-५००' जैसी दुनिया की दिग्गज अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को क्लाउड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीकों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने एनर्जी, सर्विसेज, रिसोर्सेज और यूटिलिटीज जैसे बड़े सेक्टरों के ग्लोबल हेड के रूप में कंपनी के वैश्विक कारोबार को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

एआई के नए दौर में नई जिम्मेदारी

आशीष कुमार दास के मुताबिक आज पूरी दुनिया टेक्नोलॉजी के एक नए युग में कदम रख रही है। जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व्यापार के तौर-तरीकों को बदल रहा है। इंफोसिस के पास शानदार टैलेंट और ग्राहकों का भरोसा है, जिसके दम पर कंपनी इस नए दौर में दुनिया का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सलील पारेख ने जताया पूरा भरोसा

इंफोसिस के मौजूदा सीईओ सलील पारेख ने उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि आशीष के साथ लंबे समय तक काम करने का उनका अनुभव बेहतरीन रहा है। उनकी ईमानदारी, बदलाव को अपनाने की क्षमता और काम के प्रति उनका समर्पण कंपनी को सफलता की नई बुलंदियों पर ले जाएगा। पारेख ने यह भी साझा किया कि पिछले आठ वर्षों में इंफोसिस का राजस्व १० अरब डॉलर से बढ़कर २० अरब डॉलर के पार पहुंच चुका है।

गर्मी-बारिश में मक्खियों से बढ़ता है बीमारियों का खतरा

इस प्रकार रखें दूर

गर्मी और बारिश का मौसम आते ही घरों में मक्खियों का भिनभिनाना एक आम समस्या बन जाती है। रसोई में रखे खाने से लेकर डाइनिंग टेबल और कूड़ेदान तक, ये छोटे कीट न सिर्फ घर के सदस्यों को परेशान करते हैं बल्कि अपने साथ गंदगी और कई तरह के कीटाणु भी लाते हैं। इसके साथ ही इससे बिमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

अक्सर लोग इन्हें भगाने के लिए महंगे केमिकल प्रोडक्ट्स और स्प्रे का सहारा लेते हैं, लेकिन समस्या फिर भी बनी रहती है और मक्खियां बार-बार लौट आती हैं। अच्छी खबर यह है कि अगर आप भी हर साल इन बिन बुलाए मेहमानों से परेशान रहते हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। बस कुछ आसान आदतें अपनाकर आप मक्खियों को घर से हमेशा के लिए दूर रख सकते हैं।

मक्खियां मुख्य रूप से गंदगी, सड़े-गले पदार्थों, खुले खाने और नमी की ओर आकर्षित होती हैं। यह जानकर कि ये क्यों आती हैं, इन्हें रोकना और भी आसान हो जाता है। अपनी दिनचर्या में कुछ छोटे बदलाव करके आप अपने घर को मक्खी-मुक्त और स्वच्छ बनाए रख सकते हैं।

इन आसान उपायों पर गौर करें: सबसे पहले, खिड़कियों और दरवाजों की जाली हमेशा सही हालत में रखें। यदि जाली कहीं से फटी हुई है या उसमें कोई गैप है, तो मक्खियां आसानी से घर में प्रवेश कर सकती हैं। समय-समय पर इनकी जांच करें और जरूरत पड़ने पर उन्हें ठीक करवाएं। दूसरा महत्वपूर्ण कदम है कूड़ेदान को प्रतिदिन खाली करना। रसोई का कूड़ा कई दिनों तक घर में न रखें, खासकर गर्मियों में, और कूड़ेदान का ढक्कन हमेशा बंद रखें। घर के बाहर वाले डस्टबिन को भी मुख्य दरवाजे से थोड़ी दूरी पर ही रखें।

इसी तरह, सड़े-गले फल और बचा हुआ खाना तुरंत हटा दें। केले के छिलके, कटे हुए फल या खराब सब्जियां खुली न छोड़ें, क्योंकि ये मक्खियों को सबसे ज्यादा आकर्षित करते हैं। डस्टबिन और रीसाइक्लिंग बिन की सफाई भी बहुत जरूरी है। खाली बोतलें, जूस के डिब्बे और खाने के पैकेट फेंकने से पहले उन्हें पानी से धो लें, ताकि उनमें बदबू न बने और मक्खियां कम आएं।

ड्रेन की नियमित सफाई पर भी ध्यान दें। यदि सिंक या ड्रेन में गंदगी जमा हो गई है, तो वहां ड्रेन फ्लाई पनप सकती हैं। हफ्ते में एक-दो बार ब्रश और ड्रेन क्लीनर से अच्छी तरह सफाई करना सुनिश्चित करें। अगर आप बालकनी, छत या गार्डन में बाहर खाना खा रहे हैं, तो खाने को हमेशा जालीदार फूड कवर से ढककर रखें। इससे मक्खियां खाने पर नहीं बैठेंगी। मक्खियों को तेज हवा में बैठना पसंद नहीं होता, इसलिए पंखा चलाना एक आसान और प्रभावी तरीका है। रसोई में या बाहर खाना खाते समय पंखा या टेबल फैन चला देने से मक्खियां आसपास नहीं टिकतीं। अंत में, अगर आपके घर में पालतू जानवर हैं, तो उनकी गंदगी तुरंत साफ करें, क्योंकि यह भी मक्खियों को तेजी से आकर्षित करती है।

यदि घर में अचानक बहुत ज्यादा मक्खियां दिखाई देने लगें, ड्रेन के पास छोटी-छोटी मक्खियां मंडराएं या कूड़ेदान के आसपास उनके कीड़े दिखाई दें, तो समझिए कि समस्या बढ़ रही है और तुरंत कार्रवाई की आवश्यकता है। ऐसे में सबसे पहले उनकी पनपने की जगह ढूंढकर साफ करें। य, अपने घर की साफ-सफाई और कूड़ा इकट्ठा न होने देने पर ध्यान केंद्रित करना अधिक महत्वपूर्ण है।

अगर घर में इक्का-दुक्का मक्खियां आ गई हैं, तो उन्हें मारने के लिए मक्खी मारने वाला बैट सबसे आसान तरीका है। मक्खी मारने के बाद उस जगह और बैट को अच्छी तरह साफ करना न भूलें। लेकिन यदि घर में ज्यादा संख्या में मक्खियां लगातार दिखाई दे रही हैं और आप वजह नहीं समझ पा रहे हैं, तो किसी पेशेवर पेस्ट कंट्रोल सेवा की मदद लेना एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इन सरल आदतों को अपनाकर आप अपने घर को गर्मी और बारिश के मौसम में भी मक्खियों से मुक्त, स्वच्छ और स्वस्थ रख सकते हैं।

मक्खियों से परेशान

बारिश का मौसम गर्मी से राहत तो लेकर आता ही है बल्कि इसके साथ-साथ कई परेशानियां भी साथ में लेकर आता है. अधिकतर लोग मक्खियों से काफी ज्यादा परेशान रहते हैं. रसोई, डाइनिंग एरिया और कूड़ेदान के आसपास मक्खियों का मंडराना शुरू हो जाता है, ये चीजें लोगों को काफी ज्यादा दिक्कत देता है, जिसकी वजह से यह कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ा सकते हैं. ऐसे में लोग अक्सर महंगे स्प्रे या केमिकल प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन इसके बाद भी कुछ खास असर देखने को नहीं मिलता है. आज आपको बताते हैं वो कौन सी 1 खास चीज है, जिसका इस्तेमाल करके मक्खियों को नौ दो ग्यारह कर सकते हैं.

कपूर

अगर आप भी मानसून में मक्खियों से काफी ज्यादा परेशान हैं और इससे छुटकारा पाना चाहते हैं, तो आपको बता दें कपूर का इस्तेमाल आप कर सकते हैं. ये काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. इसके लिए आपको महंगी चीजें खरीदने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी. ये सस्ते में आपको आसानी से मिल जाएगा. मक्खियों को इसकी तेज और तीखी गंध बिल्कुल भी पसंद नहीं होती है, जिस वजह से वो उस जगह पर ज्यादा नहीं टिक पाती हैं. कपूर की गंध तो उन्हें बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगती है, जिस वजह से वो आसानी से भाग जाती है.

इस्तेमाल

कपूर को आप आसानी से खरीद सकते हैं. आप ये चीज कहीं भी और कभी भी आसानी से मिल जाएंगी. इससे छुटकारा पाने के लिए बस 2-3 रुपये की कपूर की गोलियां आपको लेनी है और फिर इसके बाद मिट्टी के दीये या कटोरी में रखकर आपको इसको जलाना चाहिए. इसका धुआं पूरे घर में आपको फैला देना है और फिर आप देखेंगे, कि कैसे वो मिनटों में गायब हो जाएंगी. कपूर की तेज गंध से घर में छिपी सभी मक्खियां कुछ ही मिनटों में गायब हो जाएंगी. घर का माहौल भी काफी ज्यादा साफ और अच्छा हो जाएगा.

कपूर का दूसरा तरीका

मक्खियों को भगाने के लिए आप कपूर का दूसरा तरीका भी अपना सकते हैं, ये काफी ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है. मक्खियों को भगाने के लिए कपूर वाले पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं. पोंछा लगाने वाले पानी में 2 कपूर की गोलियां को आपको अच्छे से पीस लेना है और पोंछे वाले पानी में आपको डाल देना है. किचन और उन जगहों पर इसका ज्यादा इस्तेमाल आपको करना चाहिए, जहां मक्खियां काफी ज्यादा आती हैं. इसके लिए आप एक सस्ता स्प्रे का इस्तेमाल करके भी इसको कर सकते हैं. ये तरीका एकदम बेस्ट रहेगा.

इस्तेमाल का तरीका

अगर आप मक्खियों को भगाना चाहते हैं, तो आपको सबसे पहले एक सस्ता स्प्रे लेना है और फिर एक गिलास पानी में एक चम्मच नमक और आधा चम्मच हल्दी को आपको मिला देना है और फिर इसे स्प्रे बोतल में आपको भरकर रख देना है. इसको आपको वहां पर ज्यादा डालना है जहां पर मक्खियां काफी ज्यादा होती है और साथ ही साथ गंदगी भी काफी हद तक दूर हो जाती है. नमक और हल्दी एंटी-बैक्टीरियल होते हैं, जिससे आपको दूर-दूर तक मक्खियां भी नहीं फटकेंगी. इस तरीके को आपको जरूर अपनाना चाहिए.

मक्खियां फैला रही हैं गंदगी

मक्खियां गंदगी, कूड़े और सड़ी-गली चीजों पर बैठती हैं और फिर खाने-पीने की चीजों पर बैठती हैं तो बैक्टीरिया भी काफी ज्यादा बढ़ जाते हैं और फिर इसके साथ-साथ फूड पॉइजनिंग, दस्त, हैजा, टाइफाइड और पेट से जुड़ी कई समस्याओं का खतरा भी काफी हद तक बढ़ जाता है. मानसून के दौरान नमी अधिक होने की वजह से मक्खियां काफी ज्यादा बढ़ जाती है. इस मौसम में घर की साफ-सफाई के साथ-साथ मक्खियों को दूर रखने पर भी ध्यान देना बेहद ही जरूरी है.

डिजिटल दौर में आंखें हो रही हैं कमजोर? तो अपनाएं ये

आयुर्वेदिक उपाय

आज के समय में मोबाइल, कंप्यूटर और टीवी का इस्तेमाल बहुत बढ़ गया है. लगातार स्क्रीन देखने की वजह से आंखों में थकान, जलन, सूखापन और रोशनी से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं. ऐसे में आंखों की सही देखभाल करना बेहद जरूरी हो गया है. आयुर्वेद में आंखों को शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग माना गया है और इन्हें स्वस्थ रखने के लिए कई आसान उपाय बताए गए हैं.

आंखों की समस्याओं के कारण-

आयुर्वेद के अनुसार, आंखों की समस्याओं के पीछे मुख्य रूप से तीन कारण हो सकते हैं. पहला, आंखों का जरूरत से ज्यादा या गलत तरीके से इस्तेमाल करना. दूसरा, अपनी लाइफस्टाइल और आदतों में लापरवाही करना. तीसरा, मौसम में होने वाले असामान्य बदलाव. इनसे बचने के लिए सही खानपान, अच्छी दिनचर्या और कुछ प्राकृतिक उपायों को अपनाने की सलाह दी गई है.

कैसे करें आंखों की देखभाल-

आंखों की देखभाल के लिए पादाभ्यंग यानि पैरों की तेल से मालिश को भी लाभकारी बताया गया है. रोजाना गुनगुने तेल से पैरों की मालिश करने से शरीर को आराम मिलता है और आंखों की थकान कम करने में मदद मिल सकती है. इसके अलावा ठंडे पानी से आंखों को धोना भी एक आसान उपाय है. दिन में कुछ बार आंखों पर ठंडे पानी के छींटे मारने से ताजगी महसूस होती है.

आंखों की देखभाल के आयुर्वेदिक उपाय-

आयुर्वेद और योग में आंखों के लिए कई तरह के अभ्यास बताए गए हैं. इनमें पामिंग एक सरल तरीका है. इसमें आंखें बंद करके हथेलियों से उन्हें ढककर कुछ देर आराम किया जाता है. इससे आंखों को आराम मिलता है और तनाव कम महसूस होता है. इसी तरह आंखों को धीरे-धीरे दाएं-बाएं घुमाने जैसे अभ्यास भी आंखों की मांसपेशियों को सक्रिय रखने में मदद कर सकते हैं.

सूर्य की हल्की रोशनी में बैठना, मोमबत्ती की लौ पर ध्यान केंद्रित करना और त्राटक जैसे योग अभ्यास भी पारंपरिक रूप से आंखों के लिए उपयोगी माने जाते हैं.

आंखों को हेल्दी रखने के लिए इन बातों का रखें ध्यान-

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए कुछ बुरी आदतों से बचना भी जरूरी है. ज्यादा देर तक स्क्रीन देखने से बचें, पर्याप्त नींद लें और आंखों पर अनावश्यक दबाव न डालें. इसके अलावा, पढ़ते समय पर्याप्त रोशनी का ध्यान रखें और किताब या स्क्रीन को आंखों से उचित दूरी पर रखें. समय-समय पर आंखों को आराम देना भी जरूरी है. लंबे समय तक आंखों में परेशानी, धुंधला दिखाई देना या दर्द जैसी समस्या होने पर विशेषज्ञ की सलाह जरूर लेनी चाहिए.

आंखों को इस प्रकार रखें ठीक

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन, कंप्यूटर और टेलीविजन का इस्तेमाल हमारे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। हालांकि, इन स्क्रीन के लगातार और लंबे समय तक उपयोग से हमारी आंखों पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। आंखों में थकान, जलन, सूखापन, खुजली और धुंधली रोशनी जैसी समस्याएं अब आम होती जा रही हैं, जिससे आंखों की सही देखभाल पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में आंखों को शरीर का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील अंग माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार, आंखों से जुड़ी समस्याओं के पीछे मुख्य रूप से तीन कारण हो सकते हैं: आंखों का अत्यधिक या गलत तरीके से इस्तेमाल करना, हमारी जीवनशैली और आदतों में लापरवाही, और मौसम में होने वाले असामान्य बदलाव। इन समस्याओं से बचने और आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आयुर्वेद सही खानपान, व्यवस्थित दिनचर्या और कई प्राकृतिक उपायों को अपनाने की सलाह देता है।

आंखों की देखभाल के लिए बताए गए आयुर्वेदिक उपायों में पादाभ्यंग यानी पैरों की तेल से मालिश एक अत्यंत लाभकारी प्रथा है। रोजाना गुनगुने तेल से पैरों की मालिश करने से पूरे शरीर को आराम मिलता है और यह आंखों की थकान को कम करने में विशेष रूप से सहायक हो सकता है। इसके अलावा, दिन में कई बार ठंडे पानी से आंखों को धोना एक सरल और प्रभावी उपाय है। आंखों पर ठंडे पानी के छींटे मारने से तुरंत ताजगी महसूस होती है और आंखों की जलन तथा थकान दूर होती है।

आयुर्वेद और योग में आंखों के लिए कई विशेष अभ्यास भी बताए गए हैं, जो उनकी मांसपेशियों को मजबूत बनाने और उन्हें आराम देने में मदद करते हैं। पामिंग इनमें से एक अत्यंत सरल और प्रभावी तरीका है। इसमें आंखें बंद करके अपनी हथेलियों को आपस में रगड़कर गरम किया जाता है और फिर उन्हें धीरे से आंखों पर रखा जाता है। यह अभ्यास आंखों को आराम देने और तनाव को कम करने में मदद करता है। इसी तरह, आंखों को धीरे-धीरे दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे और गोलाकार दिशा में घुमाने जैसे व्यायाम भी आंखों की मांसपेशियों को सक्रिय और मजबूत बनाए रखते हैं।

पारंपरिक रूप से, सूर्य की हल्की रोशनी में कुछ देर बैठना, मोमबत्ती की लौ पर ध्यान केंद्रित करना और त्राटक जैसे योग अभ्यास भी आंखों की रोशनी और एकाग्रता को बढ़ाने में सहायक माने जाते हैं। ये अभ्यास मन को शांत करने और आंखों को तनाव मुक्त रखने में भी मदद करते हैं। आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए कुछ बुरी आदतों से बचना भी उतना ही आवश्यक है। अत्यधिक देर तक स्क्रीन देखने से बचें, अपनी आंखों को पर्याप्त आराम दें, और आंखों पर अनावश्यक दबाव डालने से बचें।

आंखों को इस प्रकार रखें ठीक

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन, कंप्यूटर और टेलीविजन का इस्तेमाल हमारे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। हालांकि, इन स्क्रीन के लगातार और लंबे समय तक उपयोग से हमारी आंखों पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। आंखों में थकान, जलन, सूखापन, खुजली और धुंधली रोशनी जैसी समस्याएं अब आम होती जा रही हैं, जिससे आंखों की सही देखभाल पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में आंखों को शरीर का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील अंग माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार, आंखों से जुड़ी समस्याओं के पीछे मुख्य रूप से तीन कारण हो सकते हैं: आंखों का अत्यधिक या गलत तरीके से इस्तेमाल करना, हमारी जीवनशैली और आदतों में लापरवाही, और मौसम में होने वाले असामान्य बदलाव। इन समस्याओं से बचने और आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आयुर्वेद सही खानपान, व्यवस्थित दिनचर्या और कई प्राकृतिक उपायों को अपनाने की सलाह देता है।

आंखों की देखभाल के लिए बताए गए आयुर्वेदिक उपायों में पादाभ्यंग यानी पैरों की तेल से मालिश एक अत्यंत लाभकारी प्रथा है। रोजाना गुनगुने तेल से पैरों की मालिश करने से पूरे शरीर को आराम मिलता है और यह आंखों की थकान को कम करने में विशेष रूप से सहायक हो सकता है। इसके अलावा, दिन में कई बार ठंडे पानी से आंखों को धोना एक सरल और प्रभावी उपाय है। आंखों पर ठंडे पानी के छींटे मारने से तुरंत ताजगी महसूस होती है और आंखों की जलन तथा थकान दूर होती है।

आयुर्वेद और योग में आंखों के लिए कई विशेष अभ्यास भी बताए गए हैं, जो उनकी मांसपेशियों को मजबूत बनाने और उन्हें आराम देने में मदद करते हैं। पामिंग इनमें से एक अत्यंत सरल और प्रभावी तरीका है। इसमें आंखें बंद करके अपनी हथेलियों को आपस में रगड़कर गरम किया जाता है और फिर उन्हें धीरे से आंखों पर रखा जाता है। यह अभ्यास आंखों को आराम देने और तनाव को कम करने में मदद करता है। इसी तरह, आंखों को धीरे-धीरे दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे और गोलाकार दिशा में घुमाने जैसे व्यायाम भी आंखों की मांसपेशियों को सक्रिय और मजबूत बनाए रखते हैं।

पारंपरिक रूप से, सूर्य की हल्की रोशनी में कुछ देर बैठना, मोमबत्ती की लौ पर ध्यान केंद्रित करना और त्राटक जैसे योग अभ्यास भी आंखों की रोशनी और एकाग्रता को बढ़ाने में सहायक माने जाते हैं। ये अभ्यास मन को शांत करने और आंखों को तनाव मुक्त रखने में भी मदद करते हैं।

आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए कुछ बुरी आदतों से बचना भी उतना ही आवश्यक है। अत्यधिक देर तक स्क्रीन देखने से बचें, अपनी आंखों को पर्याप्त आराम दें, और आंखों पर अनावश्यक दबाव डालने से बचें। पढ़ते या काम करते समय पर्याप्त और सही रोशनी का उपयोग करें, और अपनी स्क्रीन या किताब को आंखों से उचित दूरी पर रखें। समय-समय पर आंखों को झपकाना और उन्हें आराम देना भी महत्वपूर्ण है। यदि आपको लंबे समय तक आंखों में परेशानी, धुंधला दिखाई देना, दर्द या किसी अन्य गंभीर समस्या का अनुभव होता है, तो बिना देर किए किसी नेत्र विशेषज्ञ की सलाह लेना अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपनी आंखों की देखभाल को प्राथमिकता देना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है, ताकि हम डिजिटल दुनिया का लाभ उठाते हुए भी अपनी अनमोल दृष्टि को सुरक्षित रख सकें।

आज भारत सीरीज जीतने के करीब जिम्बाब्वे के लिए बड़ी चुनौती

हरारे एजेंसी। भारतीय टीम शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी। जबकि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होने वाले इस मैच में जिम्बाब्वे के लिए 'करो या मरो' वाली स्थिति होगी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली युवा भारतीय टीम ने पहले मैच में 7 विकेट से शानदार जीत के साथ सीरीज पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम ने बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया। एक और जीत भारत को सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त दिला देगी, जबकि हार जिम्बाब्वे को एक और घरेलू सीरीज हार की ओर धकेल देगी।

भारत की शुरुआती जीत जबरदस्त बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी रही। युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार अंदाज बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक जड़कर जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया, जबकि ईशान किशन (35) और कप्तान अय्यर (28 नाबाद) ने 40 गेंदें शेष रहते हुए 126 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

इससे पहले भारत के युवा तेज गेंदबाजो ने मैच का माहौल तैयार किया। मयंक यादव ने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को आउट किया और 18 रन देकर 2 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' का पुरस्कार मिला। प्रिंस यादव ने दो विकेट लिए, जबकि रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने भी योगदान दिया, जिससे ज़म्बिाब्वे की टीम 7 विकेट पर 125 रन ही बना सकी।

इस शानदार जीत ने भारत के उभरते सितारों पर सबका ध्यान खींचा है। हरारे एक बार फिर देश की अगली पीढ़ी के लिए खुद को साबित करने का मैदान बन गया है, जहाँ सूर्यवंशी और मयंक यादव अब भारत के दबदबे को बनाए रखने और शीर्ष स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने की उम्मीदों को आगे बढ़ा रहे हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के लिए स्थिति साफ है: या तो जीतें या सीरीज हारें। पहले मैच में पारी की पहली ही गेंद पर बेनेट का विकेट गंवाने के बाद सिकंदर रजा की टीम उबर नहीं पाई; सिर्फ़ वेस्ली मधेवेरे (39), तादिवानाशे मारुमनी (27) और रयान बर्ल (26) ने ही कुछ संघर्ष दिखाया।

मेजबान टीम को अपने टॉप ऑर्डर से कहीं बेहतर प्रदर्शन की ज़रूरत होगी, जबकि तेज़ गेंदबाज़ ब्लेसिंग मुज़राबानी और रिचर्ड नगारवा को शुरुआती विकेट लेने होंगे ताकि भारत के आक्रामक बल्लेबाजों को एक बार फिर मैच पर हावी होने से रोका जा सके।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होने की उम्मीद है और मैच के दौरान मौसम भी साफ रहने का अनुमान है। हालांकि इस मैदान पर आम तौर पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को फायदा मिलता रहा है, लेकिन पहले मैच में भारत की आसान जीत से पता चला कि पिच पूरे समय स्ट्रोक-प्ले के लिए अच्छी रहती है। अपनी मजबूत स्थिति के कारण, भारत इस मैच में सीरीज जीतने की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगा। वहीं, जिम्बाब्वे के पास गलती की कोई गुंजाइश नहीं है; उन्हें जबरदस्त वापसी करनी होगी ताकि वे मुकाबले को तीसरे और निर्णायक टी-20 तक ले जा सकें।

वैभव सबसे युवा अर्धशतकवीर

मयंक की भी यादगार वापसी बतौर कप्तान श्रेयस की पहली जीत

हरारे, एजेंसी। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के रिकॉर्डतोड़ अर्धशतक और तेज गेंदबाज मयंक यादव की शानदार वापसी की बदौलत भारत ने गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को सात विकेट से हरा दिया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की यह पहली जीत रही, जबकि इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 20 ओवर में सात विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। जवाब में भारत ने 13.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। 15 साल और 118 दिन की उम्र में अर्धशतक जड़कर वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पचास रन बनाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

19 गेंदों में वैभव ने मचाया तूफान

126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नही रही और अभिषेक शर्मा केवल एक रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने आते ही मैच का रुख बदल दिया। बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर अपनाए और जिम्बाब्वे के गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला। वैभव ने रिचर्ड एनगरावा और ब्लेसिंग मुजारबानी जैसे अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ शानदार शॉट लगाए। उन्होंने महज 19 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 50 रन ठोक दिए।

21 महीने बाद मयंक की यादगार वापसी

करीब 21 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे तेज गेंदबाज मयंक यादव ने अपनी वापसी को खास बना दिया। उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैच कराकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। ऑन-फील्ड अंपायर ने बल्लेबाज को नॉट आउट दिया था, लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला भारत के पक्ष में गया। इसके साथ ही मयंक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि अर्शदीप सिंह (टी20 विश्व कप 2024 बनाम अमेरिका) और हार्दिक पांड्या (एशिया कप 2025 बनाम पाकिस्तान) ने हासिल की थी।

यादव ने 18 रन देकर दो विकेट झटके

145 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करने वाले मयंक ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन देकर दो विकेट झटके। उन्होंने डियन मायर्स को भी अपनी तेज रफ्तार से परेशान करते हुए पवेलियन भेजा और चोट से वापसी के बाद अपनी फिटनेस और गति दोनों का शानदार परिचय दिया।भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे पर दबाव बनाए रखा। मयंक यादव ने पहली गेंद पर विकेट लेकर मेजबान टीम को झटका दिया, जबकि प्रिंस यादव ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए। शिवम दुबे और रवि बिश्नोई को एक-एक सफलता मिली। डेब्यू कर रहे अशोक शर्मा ने शुरुआती ओवर में रन जरूर खर्च किए, लेकिन बाद में अच्छी वापसी की।

चाइना ओपन में सिंधु को करना पड़ा हार का सामना

पीवी दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 1000 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु चाइना ओपन में अपना विजयी अभियान जारी नहीं रख पाईं। दूसरे दौर में उन्हें मेजबान चीन की चेन युफेई के खिलाफ 21-16, 20-22, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।पीवी सिंधु दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं। इसके बाद युफेई ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का चाइना ओपन सुपर 1000 में सफर दूसरे दौर में ही समाप्त हो गया।

शानदार शुरुआत, पहले गेम में की दमदार वापसी- पीवी सिंधु के लिए मुकाबले की शुरुआत आसान नहीं रही। वह पहले गेम में 6-12 से पीछे चल रही थीं। ऐसा लग रहा था कि चेन युफेई आसानी से बढ़त बना लेंगी, लेकिन कोच इरवांश्या के मार्गदर्शन के बाद पीवी सिंधु ने अपनी रणनीति बदली और लगातार क्रॉस-कोर्ट शॉट्स से चीनी खिलाड़ी को कोर्ट के एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़ाया।

● **दूसरे गेम में 4 मैच पॉइंट भी नहीं दिला सके जीत-** दूसरे गेम में भी पीवी सिंधु पूरे समय हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और एक समय स्कोर 20-16 कर लिया। यानी उनके पास मुकाबला खत्म करने के लिए चार मैच पॉइंट थे, लेकिन यहीं से मैच का रुख बदल गया। ओलंपिक चैंपियन रह चुकीं चेन युफेई ने जबरदस्त धैर्य दिखाया और लगातार छह अंक जीतकर गेम 22-20 से नाम कर लिया। इस दौरान पीवी सिंधु ने कुछ जल्दबाजी भरे फैसले किये और दो बार शटल को बाहर समझकर छोड़ दिया, लेकिन वह लाइन के अंदर गिरी।

● **निर्णायक गेम में 15-13 की बढ़त भी नहीं बचा सकीं-** निर्णायक गेम में भी पीवी सिंधु ने हार नहीं मानी। पीवी सिंधु ने 15-13 तक बढ़त बना ली थी और जीत की ओर बढ़ती दिख रही थीं। हालांकि, लगातार सातवां मैच खेल रही पीवी सिंधु पर थकान साफ दिखाई देने लगी। पीवी सिंधु के स्मैश में पहले जैसी ताकत नहीं रही और कई आक्रमण नेट में फंस गए। दूसरी ओर, घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहीं चेन युफेई ने आत्मविश्वास के साथ वापसी की और लगातार अंक जुटाते हुए तीसरा गेम 21-18 से जीत लिया।

● **सुधार की जरूरत भी आई सामने-** इस मुकाबले ने यह भी दिखाया कि पीवी सिंधु का आक्रामक खेल अब भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनौती देने की क्षमता रखता है। हालांकि, मैच खत्म करने के अहम मौकों पर संयम बनाए रखना उनके लिए अभी बड़ी चुनौती है। चार मैच पॉइंट हासिल करने के बाद मिली यह हार पीवी सिंधु के लिए निराशाजनक जरूर रही, लेकिन जापान ओपन के खिताब और चाइना ओपन में चेन युफेई जैसी मजबूत खिलाड़ी के खिलाफ उनके प्रदर्शन ने यह संकेत भी दिया कि वह फिर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय की ओर लौट रही हैं।

दिग्गज विश्वनाथन आनंद बने फिडे के अंतरिम अध्यक्ष

लॉजेन, एजेंसी। भारत के महान शतरंज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (फिडे) का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। रूसी प्रमुख अर्कांडी द्वोरकोविच को यूरोपीय संघ (ईयू) की नवीनतम प्रतिबंध सूची में शामिल किए जाने के कारण यह फैसला लिया गया है।

क्या है पूरा मामला

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यूरोपीय संघ और उसके सहयोगी देशों ने रूस के खिलाफ कई आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंध लगाए हैं। अब ईयू ने प्रतिबंधों का 21वां पैकेज जारी किया है। इसमें 48 लोगों और 170 संस्थाओं सहित कुल 218 नए नाम जोड़े गए हैं।युद्ध शुरू होने के बाद यह अब तक की सबसे बड़ी प्रतिबंध सूची मानी जा रही है। इन प्रतिबंधों के तहत संबंधित लोगों की संपत्तियां फ्रीज की जा सकती हैं।उन्हें आर्थिक मदद या अन्य संसाधन उपलब्ध कराने पर रोक लगाई जाती है। इसके साथ ही उन पर यात्रा संबंधी प्रतिबंध भी लागू हो सकते हैं। प्रतिबंध सूची में नाम आने के बाद अर्कांडी द्वोरकोविच ने कहा कि वह इस फैसले को गैर-कानूनी और गलत मानते हैं। उन्होंने कहा कि वह इस फैसले को कानूनी तरीके से चुनौती देंगे और उन्हें भरोसा है कि आखिरकार उन्हें न्याय मिलेगा।

द्वोरकोविच अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे

हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि जब तक यह मामला कानूनी रूप से साफ नहीं हो जाता, तब तक उनके खिलाफ लगे प्रतिबंध फिडे के कामकाज में परेशानी पैदा कर सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने स्वेच्छा से फिडे अध्यक्ष के रूप में अपनी सभी शक्तियों और जिम्मेदारियों को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि जब तक उन पर ईयू और स्विट्जरलैंड के नियमों के तहत प्रतिबंध लागू रहेंगे, तब तक वह अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे।

विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बने

फिडे के नियमों के अनुसार, ऐसी स्थिति में डिप्टी प्रेसिडेंट अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते हैं। इसी प्रावधान के तहत विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। अब वह तब तक फिडे का नेतृत्व करेंगे, जब तक द्वोरकोविच पर लगे प्रतिबंध हट नहीं जाते या स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता।

द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दी

फिडे काउंसिल ने भी द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दे दी है। संगठन ने अपने बयान में कहा कि प्रतिबंध लागू रहने तक द्वोरकोविच फिडे के अध्यक्ष के रूप में मिलने वाले किसी भी अधिकार, जिम्मेदारी या विशेषाधिकार का इस्तेमाल नहीं करेंगे। वह संगठन या उसकी संपत्तियों पर किसी तरह का नियंत्रण भी नहीं रखेंगे। विश्वनाथन आनंद दुनिया के सबसे सफल शतरंज खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने भारत में शतरंज को नई पहचान दिलाई और कई युवा खिलाड़ियों को इस खेल की ओर प्रेरित किया। वह 2022 से फिडे के उपाध्यक्ष हैं और अब उन्हें अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अनकैप्ड स्पिनर को किया शामिल

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टेस्ट टीम की घोषणा की

त्रिनिदाद, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने पाकस्तान के खिलाफ 25 जुलाई से 6 अगस्त तक होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए गुरुवार को घोषित 15 सदस्यीय टीम में बाएं हाथ के स्पिनर जोशुआ बिशन को जगह दी है। बिशप ने पिछले तीन वेस्टइंडीज चैंपियनशिप सीजन में बारबाडोस प्राइड और वेस्टइंडीज एकेडमी के लिए कुल 91 विकेट लिए हैं, जो उस दौरान किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल के चोटिल होने के कारण किर्क मैकेंजी की दो साल बाद टीम में वापसी हुई है। कैंपबेल को न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे इंटरनेशनल सीरीज के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था, जिसके कारण वह बाहर हो गए। मैकेंजी ने हालिया वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में छह पारियों में 64.60 की औसत से 323 रन बनाए थे। इस बीच, अल्जारी जोसेफ निजी कारणों से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। सीरीज का पहला मैच 25 से 29 जुलाई के बीच ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेला जाएगा। यह इस मैदान पर होने वाला पहला टेस्ट मैच होगा, जिससे यह इस इलाके का 13वां ऐसा मैदान बन जाएगा जहां टेस्ट क्रिकेट खेला जाएगा। दूसरा मैच 2 से 6 अगस्त के बीच ऐतिहासिक क्वींस पार्क ओवल में होगा। वेस्टइंडीज अभी तालिका में आठवें स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान सबसे आखिरी स्थान पर है।

पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टंडीज की टेस्ट टीम : रोस्टन चेस (कप्तान), जोमेल वारिकन (उप-कप्तान), जोशुआ बिशप, टैगनारिन चंद्रपॉल, जोशुआ डा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हॉज, शाई होप, अमीर जांगू, शामार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, किक मैकेंजी, कीमो पॉल, केमार रोच और जेडन सील्स।

राष्ट्रमंडल खेल में किया कमाल

भारतीय तैराक नटराज 50 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में पहुंचे

ग्लास्गो। भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में शुक्रवार को यहां संयुक्त 14वें स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। दो बार के ओलंपियन और कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके नटराज ने 25.52 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने बरमूडा के जैक हार्वे के साथ संयुक्त 14वां स्थान हासिल किया। सेमीफाइनल के लिए हीट से शीर्ष-16 तैराकों का चयन किया गया। नटराज अपनी आठ खिलाड़ियों वाली हीट में पांचवें स्थान पर रहे। पैरा तैराकी में भारत के आरवीवीबीके बुडिगिना और इमाम अली ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 वर्ग के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हीट में हिस्सा लेने वाले सभी आठ तैराक फाइनल में पहुंचे।

जूडोका तुलिका मान निलंबित

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता जूडोका तुलिका मान को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। पिछले 12 महीनों में तीन बार अपने ठिकाने (वेयरअबाउट्स) की जानकारी न देने के कारण उन पर यह कार्रवाई की गई है, जिसके बाद उन्हें आगामी ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया है। तुलिका मान ने 2022 के बर्मिंघम खेलों में +78 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था और वह ग्लास्गो में भी भारत के लिए पदक की एक मजबूत दावेदार मानी जा रही थीं। एक जूडो कोच ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि तुलिका ने 12 महीने की अवधि में तीन बार वेयरअबाउट्स विफलताएं की हैं और नाडा ने उन्हें नोटिस भेजा है। इसी वजह से उन्हें टीम से वापस लिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कुल संपत्ति में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वित्तीय लेनदेन और लगातार बढ़ती निजी संपत्ति

एक बार फिर वैश्विक बहस का विषय बन गई है। सामने आई जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ट्रंप की कुल संपत्ति में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। इस तेज उछाल के पीछे क्रिप्टोकरेंसी (डिजिटल मुद्रा) में निवेश और विदेशी बाजारों से हुई कमाई को प्रमुख वजह माना जा रहा है। फोर्ब्स की अरबपतियों की आधिकारिक सूची के अनुसार, वर्ष 2017 में डोनाल्ड ट्रंप की कुल संपत्ति 3.5 अरब डॉलर (करीब 29,225 करोड़ रुपये) थी। वहीं, मार्च 2026 में जारी फोर्ब्स के ताजा मूल्यांकन के मुताबिक उनकी संपत्ति बढ़कर 6.5 अरब डॉलर (करीब 62,917.5 करोड़ रुपये) पहुंच गई। यानी छह वर्षों में उनकी संपत्ति में लगभग तीन अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई। जून 2026 में जारी ट्रंप की 927 पन्नों की अनिवार्य सरकारी वित्तीय रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पिछले एक वर्ष में केवल क्रिप्टो से जुड़े कारोबार और निवेश के जरिए ही 1.4 अरब डॉलर से अधिक की आय अर्जित की। रिपोर्ट से यह संकेत मिलता है कि डिजिटल परिसंपत्तियों में उनके निवेश ने उनकी कुल संपत्ति बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई है। रिपोर्ट में विस्तार से यह विश्लेषण किया गया है कि ट्रंप की संपत्ति में आई यह अप्रत्याशित बढ़ोतरी केवल बाजार की सामान्य तेजी और उनकी कारोबारी समझ का परिणाम है या फिर राष्ट्रपति के रूप में लिए गए फैसलों और सरकारी नीतियों का भी इसमें कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव रहा है। इसी वजह से उनके वित्तीय हितों और संवैधानिक जिम्मेदारियों के बीच संभावित टकराव को लेकर बहस तेज हो गई है। रिपोर्ट के सार्वजनिक होने के बाद अमेरिका के साउथ जर्सी, कंबरलैंड और केप मे काउंटी समेत कई इलाकों के मतदाताओं ने इस मुद्दे पर चिंता जताई है। आलोचकों का कहना है कि सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के निजी वित्तीय हितों और सरकारी निर्णयों के बीच पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

दिल का भी होता है 'छोटा दिमाग': तनाव में भी धड़कन को रखता है सामान्य

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। हृदय केवल मस्तिष्क के आदेश पर ही काम नहीं करता, बल्कि उसके भीतर मौजूद अपना एक सूक्ष्म तंत्रिका तंत्र भी उसकी धड़कनों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चूहों पर किए गए एक नए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया है कि हृदय के

भीतर मौजूद कुछ विशेष तंत्रिका कोशिकाएं तनाव की स्थिति में भी दिल की सामान्य कार्यप्रणाली बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। यह खोज भविष्य में हृदय रोगों के अधिक सटीक और प्रभावी उपचार विकसित करने का रास्ता खोल सकती है। जर्नल सेल में प्रकाशित इस अध्ययन में येल यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के वैज्ञानिकों ने हृदय के भीतर मौजूद आंतरिक तंत्रिका तंत्र (इंट्रिंसिक कार्डियक नर्वस सिस्टम) का विस्तृत अध्ययन किया। शोधकर्ताओं का कहना है कि अब तक यह माना जाता था कि हृदय की अधिकांश तंत्रिका कोशिकाएं लगभग एक जैसी होती हैं, लेकिन नए अध्ययन से पता चला है कि अलग-अलग प्रकार की ये कोशिकाएं अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, जिस तरह पाचन तंत्र में मौजूद जटिल तंत्रिका नेटवर्क को अक्सर शरीर का 'दूसरा मस्तिष्क' कहा जाता है।

चार माह 22 दिन बाद 34 मासूमों का अंतिम संस्कार; गमगीन मंजर पर फूट-फूटकर रोया ईरान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच सैन्य संघर्ष के पहले दिन, 28 फरवरी को ईरान के मिनाब शहर स्थित शजरे तैय्यबा प्राथमिक विद्यालय पर बमबारी की गई थी। इस हमले में 68 स्कूली बच्चियों के शरीर क्षत-विक्षत अवस्था में मिले थे। इनमें से केवल 34 बच्चों की ही पहचान हो सकी। 22 जुलाई को जब इन मासूमों के ताबूत अंतिम संस्कार के लिए निकाले गए तो पूरा मिनाब शहर गम में डूब गया। हर ओर मातम, आंसू और सन्नाटा पसरा था।

हमले के बाद बचाव दलों को मलबे से बच्चों के शरीरों के केवल टुकड़े ही मिले थे। इनकी पहचान करना बेहद मुश्किल था। महीनों तक चले जटिल डीएनए परीक्षण के बाद करीब चार माह 22 दिन में 34 बच्चों की पहचान संभव हो सकी। इसके बाद ही उनके परिजनों को अंतिम संस्कार की अनुमति दी गई। स्कूल पर हुए इस हमले ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। कई देशों और मानवाधिकार संगठनों ने इस घटना की कड़ी निंदा की। जगह-जगह लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किए और

निर्दोष बच्चों पर हुए इस हमले को अमानवीय करार दिया।

पहचान पूरी होने के बाद 22 जुलाई को बच्चों के ताबूत राष्ट्रीय झंडे में लपेटकर शहर की सड़कों से अंतिम यात्रा निकाली गई। हजारों लोग नम आंखों से इस यात्रा में शामिल हुए। इसके बाद मिनाब के शहीदों के कब्रिस्तान में पूरे सम्मान के साथ इन मासूमों को दफनाया गया। 'नो सरेंडर' के नारों से गूंजा ईरान मंगलवार को ईरान के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित तस्वीरों में मिनाब के एक सार्वजनिक चौक पर हजारों लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी। पुरुष इस्लामी गणराज्य ईरान के झंडे लहरा रहे थे, जबकि काले चादर (चादोर) ओढ़े महिलाएं अलग समूह में मौजूद थीं। मंच से खुद को मृत बच्ची 'अतेना' की मां बताने वाली एक महिला ने बच्चों की तस्वीरों वाला पोस्टर उठाते हुए उसे 'अमेरिकी अपराधों का दस्तावेज' बताया। उन्होंने भावुक स्वर में कहा, 'मेरे बच्चे ईश्वर के मार्ग में शहीद हुए हैं।' इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने अमेरिका और इजरायल की नीतियों के खिलाफ जोरदार नारे लगाए और 'नो सरेंडर' (हम आत्मसमर्पण नहीं करेंगे) के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

दूसरों की किस्मत बताने वाली खुद नहीं जान पाई अपना भविष्य! मॉस्को में पावर बैंक फटने से झुलसीं इन्फ्लुएंसर अन्ना

मॉस्को, एजेंसी। रूस की महिला इन्फ्लुएंसर और ज्योतिष अन्ना ओटाविना के मॉस्को स्थित पेंटहाउस में रात के समय बिस्तर पर रखा पावर बैंक फट गया। पावर बैंक ओवरहीट होकर ब्लास्ट हुआ, इससे अन्ना ओटाविना की पीठ का 30 फीसदी हिस्सा गंभीर रूप से झुलस गया और बाल भी जल गए।

इस घटना के बाद अन्ना ने अपने फॉलोअर्स को सतर्क करते हुए चेतावनी दी है कि सोते समय या बिस्तर जैसी नरम सतहों पर पावर बैंक व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को चार्जिंग पर छोड़ना जानलेवा साबित हो सकता है।

वहीं इस घटना के बात इस बात की भी चर्चा हो रही है कि दूसरों की किस्मत बताने वाली ज्योतिष खुद का भविष्य नहीं जान पाई, जिसके कारण इस दुर्घटना का शिकार होना पड़ा।

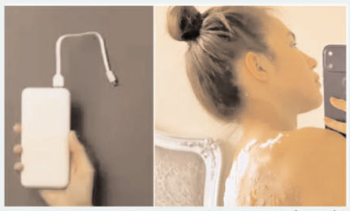

कैसे लगी आग? अन्ना ओटाविना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए वीडियो में बताया कि उनका पोर्टेबल चार्जर, जिसे उन्होंने फोन चार्ज करने के लिए बिस्तर पर रखा था, अचानक बहुत ज्यादा गर्म हो गया। जिसके कारण ब्लास्ट हो गया और वो घायल हो गईं।

ओटाविना का कहना है पावर बैंक इसलिए ब्लास्ट हुआ, क्योंकि वह इसे किसी ठोस, हवादार सतह के बजाय नरम बिस्तर पर रख दी थी, जिसके कारण वह बहुत गर्म हो गया।

वह पावर बैंक की ओर पीठ करके सो रही थी, जिसके कारण पीठ का लगभग 30 फीसदी हिस्सा जल गया और बाल भी झुलस गए।

जैसे ही वह उछली, आग की लपटें उनके बालों तक पहुंच चुकी थीं। जलते हुए बाल उसकी पीठ पर गिरे और उसकी त्वचा को झुलसा दिया, इससे पहले कि उन्हें समझ आता कि क्या हो रहा है। जब उसने पीछे मुड़कर देखा, तो उसे एहसास हुआ कि स्थिति एक छोटी सी चिंगारी से कहीं अधिक गंभीर थी। उनके तकिया और कंबल जल रहे थे, और पावर बैंक जमीन पर गिर गया था।

ओटाविना ने बताया कि उन्होंने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए आग पर खुद काबू पाने की कोशिश की। उन्होंने जलते हुए पावर बैंक को ढककर लपटों को बुझाया और फिर अपने बिस्तर और कालीन पर लगी आग को भी बुझाया। इसके बाद वह उपचार के लिए डॉक्टर के पास गईं। जहां उनके पीठ के लगभग 30 फीसदी हिस्से जलने की पुष्टि हुई।

न्यूयॉर्क में दो लोगों पर चाकू से हमला

एक एशियाई शामिल, पुलिस और ममदानी ने जताई हेट क्राइम की आशंका

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के मैनहैटन के अपर वेस्ट साइड इलाके में दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने राउल मोरालेस को दोनों मामलों में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा कि जांच अधिकारी हमलों के पीछे की वजह की जांच कर रहे हैं। इसमें यह भी देखा जा रहा है कि क्या यह नफरत फैलाने वाले अपराध का मामला है। न्यूयॉर्क शहर की पुलिस आयुक्त जेसिका एस टिश ने गुरुवार (स्थानीय समय) को जारी बयान में कहा कि दोनों पीड़ितों (एक एशियाई और एक यहूदी व्यक्ति) को माउंट सीनाई सेंट ल्यूक्स अस्पताल ले जाया गया है। दोनों के ठीक होने की उम्मीद है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, आज दोपहर अपर वेस्ट साइड में दो अलग-अलग हमलों में दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। दोनों पीड़ित को माउंट सीनाई सेंट ल्यूक्स अस्पताल ले जाया गया है और दोनों के बचने की उम्मीद है। पुलिस आयुक्त ने कहा, न्यूयॉर्क पुलिस ने दोनों हमलों के मामले में राउल मोरालेस (51 वर्षीय) को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में किसी अन्य व्यक्ति की तलाश नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच अधिकारी अब भी मामले की जांच कर रहे हैं और हमलों की वजह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। टिश ने कहा कि पीड़ितों और चश्मदीदों के बयानों के अनुसार, मोरालेस ने दोनों हमलों के दौरान 'अल्लाहु अकबर' चिल्लाया था। न्यूयॉर्क पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह नफरत फैलाने वाला अपराध हो सकता है। पुलिस आयुक्त ने यह भी कहा कि विभाग के दस्तावेजों में आरोपी के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा कोई पुराना मामला नहीं है। हालांकि, शुरुआती जांच से संकेत मिले हैं कि मानसिक स्वास्थ्य इस घटना का एक कारण हो सकता है। पुलिस ने कहा कि अब तक जांच में आरोपी और दोनों पीड़ितों के बीच या दोनों पीड़ितों के बीच आपसी संबंध का कोई सबूत नहीं मिला है। टिश ने एक आम नागरिक और पुलिसकर्मियों की सराहना भी की। पुलिस को उस जगह तक पहुंचाया, जहां आरोपी छिपा हुआ था। इसके बाद पुलिस ने बिना किसी और के घायल हुए उसे पकड़ लिया।

मेयर ममदानी ने क्या कहा

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्हें हमले की जानकारी दे दी गई है और उन्हें राहत है कि दोनों पीड़ितों की हालत स्थिर है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, आज अपर वेस्ट साइड में हुए इस खौफनाक चाकू के हमले की मुझे जानकारी दी गई है, जिसमें एक एशियाई और एक यहूदी व्यक्ति पर हमला किया गया। पीड़ितों और चश्मदीदों के अनुसार, आरोपी ने दोनों हमलों के दौरान 'अल्लाहु अकबर' चिल्लाया था। मुझे राहत है कि दोनों पीड़ितों की हालत स्थिर है। मेयर ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस ने दोनों हमलों के मामले में राउल मोरालेस को गिरफ्तार कर लिया है।

भारत ने यूएन में लगाई पाकिस्तान को लताड़

पीओके में कश्मीरियों के दमन की गवाह है पूरी दुनिया

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत ने पाकिस्तान के कश्मीर मुद्दा उठाने पर कड़ा जवाब दिया। भारत ने कहा कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भ्रामक प्रचार करने के बजाय अपने देश और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हो रहे दमन पर ध्यान देना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में 'विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के तंत्र को मजबूत करने' विषय पर आयोजित खुली बहस में भारत का पक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हालिया घटनाक्रम पाकिस्तान की वास्तविकता को उजागर करते हैं।'

भारत ने पाकिस्तान को जमकर सुनाया: राजदूत पी. हरीश ने आगे कहा, 'पूरी दुनिया पीओके में कश्मीरियों के बुनियादी अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संगठन बनाने की आजादी के लगातार दमन की गवाह है। यह कोई अलग-थलग घटनाएं नहीं हैं, बल्कि करीब आठ दशकों से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अपनाई जा रही एक व्यापक नीति का हिस्सा हैं। यही स्थिति पाकिस्तान के अन्य क्षेत्रों में भी देखने को मिलती है।' उन्होंने पाकिस्तान की आंतरिक राजनीतिक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि वहां लोकतांत्रिक

संस्थाएं लगातार कमजोर हुई हैं। उन्होंने कहा, 'पूर्व प्रधानमंत्री सहित कई नेताओं की गिरफ्तारी, मुख्य विपक्षी दल को चुनावी प्रक्रिया से बाहर करना, 27वें संविधान संशोधन के जरिए सेना का संवैधानिक हस्तक्षेप और ऐसे अन्य कदमों ने लोकतंत्र की बची-खुची व्यवस्था को भी कमजोर कर दिया है।' 'जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और रहेगा : स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की ओर से कश्मीर मुद्दा उठाने को वैश्विक मंच का दुरुपयोग बताया। उन्होंने कहा, 'जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा। यह भारत की संवैधानिक और कानूनी वास्तविकता है, जिसे पाकिस्तान जानबूझकर नजरअंदाज करता है।' उन्होंने कहा, 'जम्मू-कश्मीर के संबंध में एकमात्र लंबित मुद्दा भारत के संप्रभु क्षेत्र पर पाकिस्तान का खुला आक्रमण और उसका अवैध कब्जा है।'

भ्रामक प्रचार बंद करे पाकिस्तान: पी. हरीश

भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने कहा, 'पाकिस्तान को चाहिए कि वह धार्मिक भावनाओं का सहारा लेकर झूठा प्रचार करने और संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को गुमराह करने के बजाय अपने देश की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान दे।' भारत ने यह भी कहा कि अन्य देशों में इस तरह की घटनाओं पर संयुक्त राष्ट्र तीखी प्रतिक्रिया देता है, लेकिन पाकिस्तान में हो रहे ऐसे दमन पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता, जितना दिया जाना चाहिए।

अमेरिका ने फिर फोड़ा टैरिफ बम

भारत समेत 17 देशों पर लगाया 10 फीसदी शुल्क, क्या पाकिस्तान का नाम भी है शामिल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने जबरन श्रम से बने उत्पादों के आयात पर कार्रवाई करते हुए भारत सहित 17 देशों से आयातित वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने शुक्रवार को 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत 60 देशों पर नए शुल्क की घोषणा की। यह फैसला सभी देशों पर लगाए गए अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क की अवधि समाप्त होने से एक दिन पहले लिया गया।

यूएसटीआर के बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर जैमीसन ग्रीर ने उन 60 अर्थव्यवस्थाओं पर अंतिम कार्रवाई की है, जिन्होंने जबरन श्रम से बने उत्पादों के आयात पर प्रभावी रोक लगाने और उसे लागू करने में विफलता दिखाई है। ग्रीर ने कहा, 'यह कदम मानवाधिकारों के उल्लंघन और व्यापार में पैदा हुई विकृतियों को दूर करने की दिशा में है, ताकि दुनिया भर के श्रमिकों के हितों की रक्षा की जा सके।' 10 प्रतिशत

शुल्क भारत, कनाडा, ब्रिटेन, बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत 17 देशों पर लागू होगा। इससे पहले प्रस्तावित सूची में भारत को 12.5 प्रतिशत शुल्क वाले देशों की श्रेणी में रखा गया था। इस संबंध में जारी संघीय नोट में कहा गया कि जून में प्रस्तावित शुल्क की घोषणा के बाद भारत ने जबरन श्रम से बने उत्पादों के आयात पर रोक लगाने का फैसला किया। 14 जून को भारत ने अपनी विदेश व्यापार नीति में संशोधन कर जबरन श्रम से तैयार वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। ट्रंप प्रशासन ने ये दोनों जांच उस समय शुरू की थीं, जब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी में पिछले वर्ष लगाए गए 'पारस्परिक शुल्क (रिसिप्रोकल टैरिफ)' को आपातकालीन शक्तियों के तहत अवैध करार दिया था। इसके बाद प्रशासन ने सभी देशों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाया था, जिसकी अवधि शुक्रवार को समाप्त हो रही है। भारत ने यूएसटीआर की दोनों जांचों पर आपत्ति जताई है और कहा है कि इन मुद्दों पर दोनों देशों के बीच चल रही द्विपक्षीय व्यापार समझौता वार्ता के दौरान चर्चा की जा सकती है। अमेरिका भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और भारतीय निर्यात का सबसे बड़ा बाजार है। वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में दोनों देशों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 141 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

होर्मुज पर जंग तेज: अमेरिका का ईरान पर लगातार 13वीं रात हमला, तेल 100 डॉलर के पार

वाशिंगटन, एजेंसी। होर्मुज को लेकर बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव लगातार गहराता जा रहा है। अमेरिकी सेना ने गुरुवार को ईरान पर लगातार 13वीं रात हमले किए। वहीं, यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि उन्होंने लाल सागर में सऊदी अरब के दो तेल टैंकरों को निशाना बनाया है। इन घटनाओं ने पूरे पश्चिम एशिया में संघर्ष के और फैलने की आशंका बढ़ा दी है। इसका असर वैश्विक बाजार पर भी दिखा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई।

आखिर अमेरिका ने नए हमले क्यों किए: अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि ताजा हमलों का उद्देश्य ईरान की उस क्षमता को कमजोर करना है, जिसके जरिए वह क्षेत्रीय जलक्षेत्र से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों और आम नाविकों के लिए खतरा पैदा कर रहा है। अमेरिका का कहना है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय नौवहन को सुरक्षित और सामान्य बनाने की कोशिश कर रहा है। ईरान में कहां-कहां हुए धमाके अमेरिकी हमलों के कुछ ही समय बाद ईरान के सरकारी मीडिया ने बंदर अब्बास और केशम द्वीप के पास, जो

होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट स्थित हैं, धमाकों की जानकारी दी। इसके अलावा उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों एंडिमेश्क और ओमिदियेह के आसपास भी विस्फोटों की खबर सामने आई। हालांकि, इन धमाकों से हुए नुकसान की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

हूती विद्रोहियों की नई चेतावनी कितनी गंभीर है: इस बीच हूती विद्रोहियों ने एक और महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक मार्ग को बाधित करने की धमकी दी है। पहले ही ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य बंद किए जाने से वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो चुकी है। सामान्य परिस्थितियों में दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। ऐसे में कई देश अब वैकल्पिक शिपिंग रूट तलाशने में जुट गए हैं।

ट्रंप ने ईरान और हूतियों को क्या चेतावनी दी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कहा कि यदि जहाजों पर हमले जारी रहे तो हूती विद्रोहियों को 'कड़ी सैन्य सजा' दी जाएगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यदि भविष्य में ऐसे हमले दोबारा हुए तो अमेरिका इसके लिए सीधे ईरान को जिम्मेदार मानेगा, क्योंकि हूती संगठन ईरान के समर्थन से काम करता है। ट्रंप ने कहा कि ईरान और हूतियों–दोनों को इसका गंभीर सैन्य परिणाम भुगतना पड़ेगा।

तेल बाजार पर कितना पड़ा असर: लगातार बढ़ते तनाव का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर देखने को मिला। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत गुरुवार को छह प्रतिशत से अधिक उछलकर लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। यह मई में हुए अस्थायी शांति समझौते के बाद का सबसे ऊंचा स्तर माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समुद्री मार्ग लंबे समय तक बाधित रहा तो वैश्विक महंगाई और ऊर्जा संकट और गहरा सकता है।

क्या कूटनीति से टल सकता है बड़ा युद्ध: इराक के प्रधानमंत्री अली अल-जैदी, जिनके अमेरिका और ईरान दोनों से करीबी संबंध हैं, गुरुवार को तेहरान पहुंचे और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की। उनके कार्यालय ने कहा कि इराक अपनी जमीन का इस्तेमाल ईरान पर किसी भी सैन्य हमले के लिए नहीं होने देगा। दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद में चेतावनी देते हुए कहा कि पूरा क्षेत्र तेजी से व्यापक संघर्ष की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संकट का एकमात्र समाधान कूटनीति और संवाद है तथा पाकिस्तान समेत सभी मध्यस्थ देशों के प्रयासों को मजबूत किया जाना चाहिए।

कब से शुरू हो रहे हैं चातुर्मास

शास्त्रों में चातुर्मास के दौरान कोई भी शुभ और मांगलिक कार्यों को करना वर्जित बताया गया है। चातुर्मास के समय देवी-देवताओं की पूजा करना अत्यंत लाभकारी और शुभ माना गया है। तो आइए जानते हैं कि इस साल चातुर्मास कब शुरू होंगे और कब इसका समापन होगा।

हिंदू धर्म में चातुर्मास का विशेष महत्व बताया गया है। चातुर्मास के शुरू होते ही सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चातुर्मास के प्रारंभ होते ही भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। इसके बाद प्रभु नारायण देवउठनी एकादशी के दिन ही जागते हैं। देवउठनी एकादशी के दिन ही चातुर्मास का समापन होता है। तो आइए जानते हैं कि इस साल चातुर्मास कब से शुरू हो रहे हैं और इस दौरान शुभ कार्यों की मनाही क्यों होती है।

कब से शुरू हो रहे हैं?

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से चातुर्मास शुरू होता है, जो कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि तक रहता है। हिंदू पंचांग के मुताबिक, चातुर्मास की शुरुआत देवशयनी एकादशी से होती है। इस साल देवशयनी एकादशी का व्रत 25 जुलाई को रखा जाएगा। देवशयनी एकादशी के दिन ही भगवान विष्णु पूरे 4 महीने के लिए योग निद्रा में चले जाएंगे। इसके बाद देवउठनी एकादशी के दिन श्री हरि योग निद्रा से बाहर आएंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब तक विष्णु जी योग निद्रा में रहते हैं तब तक संसार का संचालन भगवान शिव करते हैं।

चातुर्मास के दौरान क्या नहीं करना चाहिए?

भगवान विष्णु के शयन काल से लेकर जागने तक की समय को चातुर्मास कहा जाता है। इस दौरान पूजा-पाठ करना पुण्यकारी फलों की प्राप्ति वाला माना जात है। वहीं चातुर्मास के समय मांगलिक कार्य जैसे- शादी-विवाह, मुडंन, जनेऊ, नया वाहन खरीदना, नई प्रॉपर्टी खरीदना, घर का निर्माण नया बिजनेस शुरू करना और भूमि पूजा जैसे आदि कार्यों को करने से बचना चाहिए।

शुरू होने वाला है चातुर्मास, चार माह के लिए बंद हो जाएंगे शुभ और मांगलिक कार्य

सनातन धर्म के ज्यादातर लोग कोई भी शुभ कार्य करने से पहले मुहूर्त जरूर देखते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शुभ मुहूर्त में किए गए कार्यों का फल हमेशा शुभ ही मिलता है। हालांकि साल में चार महीने ऐसे भी होते हैं, जब कोई भी शुभ व मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है, जिसे चातुर्मास कहा जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि इस साल चातुर्मास का आरंभ और समापन कब हो रहा है? इसी के साथ हम आपको ये भी बताएंगे कि चातुर्मास में क्यों कोई शुभ कार्य नहीं किया जाता है?

हिंदू धर्म में चातुर्मास का विशेष महत्व होता है। चातुर्मास जिसका सामान्य अर्थ होता है चार महीने। चातुर्मास के चार महीने भगवान विष्णु को समर्पित होते हैं। धार्मिक कर्मकांड और ज्योतिषशास्त्र में चातुर्मास का खास महत्व होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि, जिसे देवशयनी एकादशी के नाम से जाना जाता है चातुर्मास की शुरुआत होती है। आइए जानते हैं इस वर्ष कब से चातुर्मास की शुरुआत होने जा रही है और इसका क्या महत्व है।

कब से शुरू होंगे चातुर्मास

हिंदू पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से चातुर्मास की शुरुआत हो जाती है और इसका समापन देवउठनी एकादशी पर होता है। इस बार चातुर्मास की शुरुआत 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी है। इस दिन से ही चातुर्मास का आरंभ हो रहा है, जिसका समापन देवउठनी एकादशी के साथ होगा।

चातुर्मास का महत्व

हिंदू धर्म में आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से लेकर कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि तक का विशेष महत्व होता है। इस दौरान ही चातुर्मास लगता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चातुर्मास के चार महीनों के लिए भगवान विष्णु क्षीरसागर में माता लक्ष्मी की साथ योग निद्रा में होते हैं। सनातन धर्म के अनुसार सृष्टि का संचालन भगवान विष्णु के हाथों में होता है, लेकिन चातुर्मास के दौरान चार महीनों के लिए भगवान विष्णु वैकुंठ धाम को छोड़कर पाताललोक में वास करते हैं। ऐसे में इस दौरान किसी किसी भी तरह का कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य करना वर्जित होता है। ऐसी मान्यता है कि चातुर्मास में भगवान विष्णु के योग निद्रा में जाने के कारण सृष्टि के संचालन का समस्त कार्यभार भगवान शिव के हाथों में आ जाता है। इसी कारण से जैसे ही चातुर्मास शुरू होता है, फिर आषाढ़ माह के समापन होते हैं श्रावण माह की शुरुआत होती है, जिसमें भगवान शिव की विशेष रूप से पूजा आराधना होती है। भगवान विष्णु के योगनिद्रा में होने कारण सभी देवी-देवता भी योग निद्रा में चले जाते हैं।

चातुर्मास में क्या करें और क्या नहीं

- भगवान विष्णु को न चढ़ाए जाने वाले खाद्य पदार्थ, मसूर, मांस, लोबिया, अचार, बैंगन, बेर, मूली, आंवला, इमली, प्याज और लहसुन इस अवधि के दौरान वर्जित माने जाते हैं।
- पलंग पर नहीं सोना चाहिए।
- ऋतु काल के बिना स्त्रीगमन।
- दूसरों का अन्न नहीं लेना चाहिए।
- विवाह या अन्य शुभ कार्य।
- चातुर्मास में चार माह अथवा कम से कम दो माह तो एक स्थान पर रहना चाहिए।
- चातुर्मास में साधना और आत्मसंयम का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- चातुर्मास में चावल, मूंग, जौ, तिल, मूंगफली, गेहूं, समुद्र का नमक, गाय का दूध, दही, घी, कटहल, आम, नारियल, केला यह पदार्थ सेवन करने चाहिए।

चातुर्मास के दौरान क्यों कमजोर पड़ जाते हैं सूर्य?

चातुर्मास के दौरान सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है क्योंकि इस दौरान भगवान विष्णु सभी देवी-देवताओं समेत पाताल में निवास करते हैं। इसे देव सोना भी कहते हैं, यानी कि चार माह तक देव सो जाते हैं और सृष्टि का सारा संचालन भगवान शिव करते हैं।

हिन्दू धर्म में चातुर्मास का बहुत महत्व माना जाता है। चातुर्मास के दौरान सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है क्योंकि इस दौरान भगवान विष्णु सभी देवी-देवताओं समेत पाताल में निवास करते हैं। इसे देव सोना भी कहते हैं, यानी कि चार माह तक देव सो जाते हैं और सृष्टि का सारा संचालन भगवान शिव करते हैं। वहीं, ज्योतिष दृष्टि से देखा जाए तो चातुर्मास के दैरान सूर्य भी कमजोर पड़ जाते हैं। ऐसे में सूर्य की दिशा और दशा का सभी राशियों पर गहरा असर देखने को मिलता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि आखिर क्यों चातुर्मास में सूर्य कमजोर हो जाते हैं और कुंडली में इन्हें मजबूत कैसे बनाए रख सकते हैं।

चातुर्मास में सूर्य क्यों होते हैं कमजोर?

पौराणिक कथा के अनुसार, जब भगवान विष्णु सभी देवी-देवताओं समेत पाताल में निवास के लिए गए थे तब सूर्य देव सभी के साथ चले गए थे, जिसके कारण सृष्टि में अंधकार छा गया था। तब भगवान विष्णु ने सूर्य को पुनः अपने स्थान पर लौटने के लिए कहा। सूर्य देव लौट तो आए लेकिन अन्य देवताओं की ऊर्जा का साथ न मिल पाने के कारण उनका तेज कम हो गया था। इसी कारण से चातुर्मास के दौरान सूर्य कमजोर पड़ जाते हैं। सूर्य की दिशा और दशा नीच हो जाती है और उनकी चाल में भी धीमापन आ जाता है। ऐसे में सूर्य को मजबूत करने के उपाय करने चाहिए।

सूर्य को मजबूत करने के उपाय

चातुर्मास के दौरान सूर्य की कृपा अपने ऊपर बनाए रखने के लिए रोजाना सूर्य को अर्घ्य दें। आप चाहें तो सूर्य को अर्घ्य देने वाले जल में काले तिल मिला सकते है। इससे न सिर्फ सूर्य मजबूत होंगे बल्कि पितृ भी प्रसन्न होंगे। चातुर्मास के दौरान सूर्य को मजबूत करने के लिए पीली चीजों का दान करना चाहिए। इसके अलावा, खुद भी कोशिश करें कि अधिकतर पीले, लाल या नारंगी रंग के ही वस्त्र धारण करें। इससे सूर्य कृपा बनी रहेगी।

25 जुलाई को है देवशयनी एकादशी क्या है इसका महत्व

देवशयनी एकादशी 25 जुलाई को मनाई जाएगी। यह दिन भगवान विष्णु की योगनिद्रा और चातुर्मास की शुरुआत का प्रतीक है। वैष्णव भक्त व्रत, पूजा और विष्णु सहस्रनाम का जाप करते हैं। इस दिन से सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है और आध्यात्मिक साधना का समय शुरू होता है।

हिंदू धर्म में आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाई जाने वाली देवशयनी एकादशी अत्यंत पावन मानी जाती है। इस वर्ष यह एकादशी 25 जुलाई को मनाई जाएगी। इसे पद्मा एकादशी, हरिशयनी एकादशी और आषाढ़ी एकादशी के नाम से भी जानते हैं। मान्यता है कि इस दिन से भगवान विष्णु क्षीर सागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं। वह चार माह बाद देवउठनी एकादशी को जागते हैं। इसी के साथ चातुर्मास का भी शुभारंभ होता है, जिसमें सभी शुभ कार्यों और वैवाहिक कार्यक्रमों पर रोक लग जाती है।

क्यों विशेष है देवशयनी एकादशी?

देवशयनी एकादशी विशेष रूप से भगवान विष्णु के भक्तों और वैष्णव परंपरा से जुड़े लोगों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह पर्व जगन्नाथ रथ यात्रा के बाद आता है और इसे आध्यात्मिक आत्मशुद्धि का समय माना जाता है। चार महीने तक चलने वाला चातुर्मास, साधना, भक्ति और व्रत का काल होता है। इस दिन व्रत रखने वाले श्रद्धालु विष्णु सहस्रनाम का जाप करते हैं। भगवान विष्णु की पूजा करके उनसे जीवन के कल्याण की कामना करते हैं।

देवशयनी एकादशी की पूजन विधि

इस दिन रात को विशेष विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करें। उन्हें पीली वस्तुएं, विशेषकर पीला कपड़ा अर्पित करें। उसके बाद मंत्रों का जाप करें। आरती सुप्ते त्वयि जगन्नाथ जगत्सुप्तं भवेदिदम, विबुद्दे त्वयि बुद्धं च जगत्सर्वं चराचम् करें।

भगवान क्यों जाते हैं योग निद्रा में?

यह 'नींद' प्रतीकात्मक है। देवशयन काल में प्रकृति की सकारात्मक ऊर्जा मंद हो जाती है, जिससे कार्य की गति धीमी पड़ती है। इसी वजह से यह काल आत्मविचार, साधना और संयम के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। जगत के पालनहार भगवान विष्णु देवशयनी एकादशी से योग निद्रा में चले जाते हैं. इस समय में वह पाताल लोक में निवास करते हैं. अपने परम भक्त असुरराज बलि को दिए वचन के अनुसार, भगवान विष्णु चार माह के लिए पाताल लोक में रहते हैं. देवशयनी एकादशी के दिन से चातुर्मास शुरू हो जाता है, जो देवउठनी एकादशी तक रहता है. देवउठनी एकादशी से मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं.

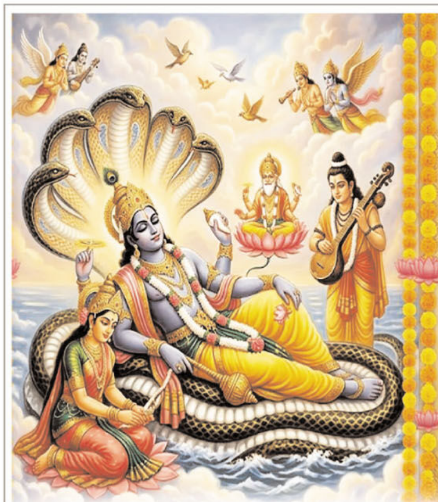

देवशयनी एकादशी पर विष्णुजी को चढ़ाएं उनके प्रिय फूल, घर में बरकत और समृद्धि के बनेंगे संयोग

देवशयनी एकादशी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है क्योंकि, इसी दिन से विष्णुजी चार महीने के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं और चातुर्मास का आरंभ होता है। ऐसे में इस एकादशी पर विशेष रूप से विष्णुजी की पूजा और व्रत किया जाता है। वहीं, श्रीहरि को कुछ पुष्प बेहद प्रिय हैं जो उन्हें अर्पित करने से घर में खुशहाली, बरकत और समृद्धि आ सकती है।

देवशयनी एकादशी इस बार 25 जुलाई, शनिवार को पड़ रही है और इसी दिन से चातुर्मास का भी आरंभ होता है। इस एकादशी तिथि से श्रीहरि 4 महीनों के लिए क्षीसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं। ऐसे में देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु की विशेष रूप से पूजा-अर्चना और व्रत किया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से पुण्य फल प्राप्त होता है और भक्तों पर विष्णुजी की कृपा बनी रहती है। वहीं, यदि आपके जीवन में परेशानी चल रही है या कोई भी काम नहीं बन रहा है, तो इस दिन विष्णुजी की श्रद्धापूर्वक पूजा करने के साथ-साथ आप उन्हें उनके प्रिय फूल अर्पित कर सकते हैं। ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, ऐसा करने से घर में खुशहाली, समृद्धि और बरकत आती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें की देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु को कौन-कौन से फूल अर्पित करना लाभकारी होता है।

शंखपुष्पी फूल करें अर्पित

देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा के दौरान उन्हें शंखपुष्पी फूल जरूर अर्पित करने चाहिए। ऐसी मान्यता है की यह पुष्प अर्पित करने से घर में बरकत बढ़ती है और समृद्धि आती है। साथ ही, इस फूल को भगवान विष्णु का प्रिय भी माना जाता है। ऐसे में पूजा के दौरान इसे अर्पित करने से श्रीहरि की कृपा साधक को प्राप्त हो सकती है।

गेंदे के फूल चढ़ाएं

भगवान विष्णु को पीले रंग के फूल बेहद प्रिय हैं। ऐसे में उनकी पूजा के दौरान पीले पुष्प भी जरूर अर्पित करें। साथ ही, आप उन्हें ताजे गेंदे के फूलों की माला भी अर्पित कर सकते हैं। उनके वस्त्र का रंग भी पीला ही है, ऐसे में इस रंग की माला उन्हें चढ़ाने से विष्णुजी प्रसन्न हो सकते हैं। ऐसे में जातक के कार्यों में आ रही बाधा दूर हो सकती है। साथ ही तरक्की के संयोग बनते हैं।

कमल का फूल करें अर्पित

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु को कमल के फूल भी बहुत प्रिय हैं। साथ ही, इस पुष्प को देवी लक्ष्मी का भी प्रिय माना गया है। ऐसे में देवशयनी एकादशी के दिन संभव हो तो विष्णु भगवान को कमल के फूल जरूर अर्पित करने चाहिए। ऐसा करने से भगवान विष्णु के साथ-साथ माता लक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त हो सकती है। साथ ही, घर की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहती है। इसके अलावा, आप देवशयनी एकादशी पर आप अन्य पीले रंग के फूल भी भगवान विष्णु को अर्पित कर सकते हैं।